

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 12, 1979/वैशाख 22, 1901
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 12, 1979/VAISAKHA 22, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड(ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the
Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग
आदेश

ELECTION COMMISSION OF INDIA
ORDERS

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1979

New Delhi, the 28th March, 1979

का०आ० 1483.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 247-चिन्नूर (अ०आ०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री तेगराम वेनकटी, चिन्नूर, ताल्लुक चिन्नूर, जिला प्राविलाधार (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वांछित करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए, कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित्व नहीं है;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री तेगराम वेनकटी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० आ०प्र-वि०स०/247/78(24)]

S.O. 1483.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tengaram Venkaty, Chinnur, Taluk Chinnur, District Adilabad (Andhra Pradesh), a contesting candidate for General Election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 247-Chinnur (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tagaram Venkaty to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/247/78(24)]

का०आ० 1484.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन

के लिए 305-खिजरी (अ०ज०शा) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री छत्रपति महावीर प्रसाद शाही, ग्राम-नवागढ़, पो० गेतलसुब, जिला-रांची, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री छत्रपति महावीर प्रसाद शाही को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि.स./305/77(2)]

S.O. 1484.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhatrapati Mahabir Prasad Sahi, Village Navagarh P.O. Gatilsud, District Ranchi, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 305-Khijri (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chhatrapati Mahabir Prasad Sahi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/305/77(2)]

आदेश

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1485.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 73-डकाला निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दलीप सिंह, ग्राम खानसिया, तह० व जिला पटियाला (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री दलीपसिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० पंजाब-वि०स०/73/77]

ORDER

New Delhi, the 4th April, 1979

S.O. 1485.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dalip Singh, Village Khansian, Tehsil and District Patiala (Punjab) a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in June, 1977 from 73-Dakala constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dalip Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/73/77]

क्र० आ० 1486.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 251-इमामगंज निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगदीश प्रसाद, ग्राम-नारायणपुर, पोस्ट-मैगरा, थाना-दुमरिया, जिला-गया (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जगदीश प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/251/77(4)]

S.O. 1486.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdish Prasad, Village Narayanpur, P.O. Maigra, Police Station—Dumaria, District Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 251-Imamganj constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdish Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/251/77(4)]

आदेश

नई दिल्ली 6 अप्रैल, 1979

क्रा० आ० 1487.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 306-रांची निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री निधिकान्त उपाध्याय, ब्रह्मचारी आश्रम, पोस्ट धूवा, जिला-रांची (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री निधिकान्त उपाध्याय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं बिहार-वि०स०/306/87(5)]

ORDER

New Delhi, the 6th April, 1979

S.O. 1487.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nidhikant Upadhyay, Brahmanchari Ashram, P.O. Dhurwa, District Ranchi, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 306-Ranchi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nidhikant Upadhyay to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/306/77(5)]

क्रा० आ० 1488.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण-निर्वाचन के लिए 314-विशुनपुर (अ०ज०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम नारायण खलखो, करमटोली, पोस्ट मोरहाबादी, रांची (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम नारायण खलखो को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं बिहार-वि०स०/314/77(11)]

S.O. 1488.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Narain Khalkho, Karamtoli, P.O. Morhabadi, District Ranchi (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 314-Bishunpur (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Narain Khalkho to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/314/77(11)]

क्रा० आ० 1489.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 219-पालयमकोट्टाई निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० जस्टिन सुपुड एस० शानमुगवेल जोनेपुरम एम०के० पोट्टल ङक० (वाया) नागेरकोइल जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एस० जस्टिन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं त०ना०वि०स० 219/77(24)]

S.O. 1489.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Justin S/o S. Shanmugavel, Jonepuram M.K. Pottal P.O., (Via), Nagercoil, Kanyakumari District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held in June, 1977 from 219-Palayamcottai assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And Whereas, the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Justin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/219/77(24)]

का० जा० 1490.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-पालाकोंडा (प्र० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सामला माधवराव, कोयेसू, पेडासाखा (डाक०), (वाया) कामाराडा पार्वथीपुरम तालुक, श्रीकाकुलम जिला (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सामला माधवराव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० आ० प्र०-वि० सं० 14/78(28)]

S.O. 1490.—Whereas, the Election Commission is satisfied that Shri Samala Madhavarao, Konthesu, Pedasakha (Post), (Via) Komarada, Parvathipuram Taluk, Srikakulam District, (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 14-Palakonda (SC) Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Samala Madhavarao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/14/78(28)]

का० जा० 1491.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 29-गोलपोखर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरी प्रसाद घोष, ग्राम-कनकी, डाक० कनकी, जिला पश्चिमी दिनाजपुर, पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण नहीं या न्यायोचित्य है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरी प्रसाद घोष को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० प० ब०-वि० सं० 29/77(1)]

S.O. 1491.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hari Prasad Ghose, Village Kanki, P.O. Kanki, District West Dinajpur, West Bengal, a contesting candidate for general election to the West Bengal Legislative Assembly from 29, Goalpokhar assembly constituency, held in June, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hari Prasad Ghose, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/29/77(1)]

का० जा० 1492.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 29-गोलपोखर सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एनामुल हाक, गांव महिसाखोर, पी० जा० मानोरा, पुलिस स्टेशन चकाशिया, जिला पश्चिम दिनाजपुर, पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एनामुल हाक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० प० ब०-वि० सं० 29/77(2)]

S.O. 1492.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Enamul Haque, Village Mahisakhore, P.O. Manora, Police Station Chakatia, District West Dinajpur, West Bengal, a contesting candidate for general election to the West Bengal Legislative Assembly from 29, Goalpokhar assembly constituency, held in June 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Enaul Haque, to be disqualified for being chosen, as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/29/77(2)]

क्र०आ० 1493.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 29-गोलपोखर सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नुरुल हुदा, गांध मालदार, पो० गोहारा, पुलिस स्टेशन गोलपोखर, जिला पश्चिम दिनाजपुर, पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री नुरुल हुदा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० प०ब०-वि०स०/29/77(3)]

S.O. 1493.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nurul Huda, Village Malduar, P.O. Goharra, Police Station Goalpokhar, District West Dinajpur West Bengal, a contesting candidate for general election to the West Bengal Legislative Assembly from 29, Goalpokhar assembly constituency, held in June, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nurul Huda, to be disqualified for being chosen, as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/29/77(3)]

क्र०आ० 1494.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 29-गोलपोखर सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मो० नासिर अहसेन, गांध विजबारी देबीगंज, पो० गोल पोखर, जिला पश्चिम दिनाजपुर, पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि

उसके पास इस सफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मो० नासिर अहसेन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० प०ब०-वि०स०/29/77(4)]

S.O. 1494.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Md. Nazir Ahsen, Village Bijbari Debiganj, P.O. Goalpokhar, District West Dinajpur, West Bengal contesting candidate for general election to the West Bengal Legislative Assembly from 29, Goalpokhar assembly constituency, held in June, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohd. Nazir Ahsen, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/29/77(4)]

आदेश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1495.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1977 में बिहार में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 44-चतरा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरिवंश सिंह, सहल्ला-बेलवां टिकर, डाल्टनगंज (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरिवंश सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-सं० स०/44/77 (1)]

ORDER

New Delhi, the 7th April, 1979

S.O. 1495.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Haribansh Singh, Mohalla Belwan Tikar, Daltanganj (Bihar), a contesting candidate for general election to the House of the People held in Bihar from 44-Chatra constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hari-bansh Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/44/77 (1)]

आदेश

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1496.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया कि फरवरी, 1978 में हुए आसाम विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-गोरीपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री इनामुल मजीद, ग्राम व डाक० बालाजान, जिला गोलापारा (आसाम) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा बाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री इनामुल मजीद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० आसाम-वि० सं०/24/78]

ORDER

New Delhi, 9th April, 1979

S.O. 1496.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Inamul Mazid, Village and P.O. Balajan, District Goalpara (Assam), a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in February, 1978 from 24, Gauripur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Inamul Mazid to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AS-IA/24/78]

आदेश

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1497.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 186-वालंगिमन (अ० जा०) सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पी० श्रीनिवासन, वेगलों स्ट्रीट, थिरुवैय्यूर, जिला थनजावूर (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा बाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री पी० श्रीनिवासन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त० न०-वि० सं०/186/77 (25)]

ORDER

New Delhi, the 11th April, 1979

S.O. 1497.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri P. Srinivasan, Bangalow Street, Thiruvaiyatu, District Thanjavur (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 186, Valangiman (SC) assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri P. Srinivasan, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/186/77(25)]

क्र० आ० 1498.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 270-बरकट्टा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अनिरुद्ध सिंह, ग्राम-देवरिया, पोस्ट-पुनई, जिला हजारीबाग (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा बाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अनिरुद्ध सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० सं०/270/77 (10)]

S.O. 1498.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Anrudh Singh, Village Devria, P.O. Punai District Hazaribagh, Bihar a contesting candidate for general election

to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 270-Barkatha constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Anirudh Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/270/77 (10)]

का०आ० 1499—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 152-केशलूर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गेनवा लखमा, ग्राम व पो० कूकानार, जिला बस्तर, मध्य प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गेनवा लखमा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र० वि० सं० /152/77]

S.O. 1499.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ghenwa Lakhma, Village Kukanar, P. O. Kukanar, District Bastar, Madhya Pradesh a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 152-Keshloor constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ghenwa Lakhma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/152/77]

आदेश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1979

का० आ० 1500—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 74-नदबाई विधान सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अरुण सिंह, कोठी रोजविला, भरतपुर, राजस्थान, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित

अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अरुण सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-वि० सं० /74/77(10)]

ORDER

New Delhi, the 16th April, 1979

S.O. 1500.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Arun Singh, Kothi Rojwila, Bharatpur, Rajasthan a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in June, 1977 from 74-Nadbai assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And Whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Arun Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/74/77 (10)]

आदेश

का० आ० 1501—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 15-गुम्मिदिपुन्डी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री टी० मोहम्मद अलीखान, पुत्र थूरब अलीखान, लकी रेडियो को०, उथुकोट्टी, तालुक निरुवल्लूर, जिला चिंगलपट्ट (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री टी० मोहम्मद अलीखान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त० न०-वि० सं०/15/77(28)]

ORDER

S.O. 1501.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri T. Mohamad Ali Khan, S/o Thurab Ali Khan, Lucky Radio Co., Uthukottai, Tiruvallur Taluk, Chengalpattu District, (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamilnadu legislative assembly held in June, 1977 from 15-Gummidipoondiassembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required

by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri T. Mohamad Alkhan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/15/77/ (28)]

का० आ० 1502—यतः- निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 13-माइलापोर सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार डा० थिरुनागर रथनाम, 10, थुकराम 1 स्ट्रीट टी० नगर, मद्रास-17 (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तावित नहीं किया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री थिरुनागर रथनाम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० न०-वि० सं० /13/77 (27)]

S.O. 1502. Whereas the Election Commission is satisfied that Dr. Thirunagar Rathnam, 10, Thukkaram I Street, T. Nagar, Madras-17 (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 13-Mylapore assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Dr. Thirunagar Rathnam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/13/77 (27)]

आदेश

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1979

का० आ० 1503.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 67-कट्टुमशारकोडल (प्र० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पी० ए० सामीदुराय मुपुष अरुही, टी० अरुणमोहोदेवन, इय्यालुर पोर्टे, चिवम्बरम तालुक, दक्षिण अर्काट जिला (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं

और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये प्रत्यक्षवेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री पी० ए० सामीदुराय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० त० ना०-वि० सं० / 67/ 77 (29)]

ORDER

New Delhi, the 19th April, 1979

S.O. 1503.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri P. A. Samidurai, S/o Adhi, T. Arunmozhidevan, Eyyalur Post, Chidambaram Taluk, South Arcot District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 67- Kattumannarkoil (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri P. A. Samidurai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/67/77(29)]

का० आ० 1504.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 253-धोड निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शान्तीनाथ महाराज ओंकारनाथ, मुकाम व डाक० पिम्पलगोड धोड तालुक लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तावित नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शान्तीनाथ महाराज ओंकारनाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० मह०-वि० सं० /253/ 78(127)]

S.O. 1504.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shantainath Maharaj Onkarnath, At and P.O. Pimpal-

gaon, Daud taluk, a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 253, Daund constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shantinath Maharaj Onkarnath to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/253/78(127)]

आदेश

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1979

क्रा० आ० 1505.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 53-मेलमलायानुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एम० ए० कथान, देवदानम्पेट्टाग्राम ग्राम और डाक०, गिंगी तालुक जिला दक्षिण अर्कोट, तमिलनाडु लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये धम्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री एम० ए० कथान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त० ना० - वि० सं० / 53/77(30)]

ORDER

New Delhi, the 20th April, 1979

S.O. 1505.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. A. Kuthan, Devadanampettai Village and Post, Gingee Taluk, District South Arcot (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 53, Melmalayanur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. A. Kuthan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/53/77(30)]

आदेश

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1979

क्रा० आ० 1506.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन

के लिए 30-तिरुट्टानी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्रीर० नारायणाडु (उर्फ) नारायणाडोस, ओल्ड कोलोनी, चिववडा ग्राम व डाक०, तिरुट्टानी तालुक, जिला चिंगलपट्टु, (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये धम्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्रीर० नारायणाडु (उर्फ) नारायणाडोस को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त० ना०-वि० सं० / 30/77(31)]

ORDER

New Delhi, the 21st April, 1979

S.O. 1506.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. Narayanadu (alias) Narayanados, Old Colony, Chivvada village and Post, Tiruttani Taluk, Chengalpattu District (Tamil Nadu) a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 30-Tiruttani constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Narayanadu (alias) Narayanados to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/30/77(31)]

आदेश

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1979

क्रा० आ० 1507.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए कर्नाटक विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 79-चिकपेट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एन० दासप्पा, 6, 25वां फ़ास, किलारी रोड, बंगलोर-53 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री एन० दासप्पा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० कर्नाटक-वि० सं० / 79/78(5)]

ORDER

New Delhi, the 25th April, 1979

S.O. 1507.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri N. Dasappa, 6, 25th Cross, Kilari Road, Bangalore-53 a contesting candidate for general election to the Karnataka Legislative Assembly held in February, 1978 from 79-Chickpet Assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason, or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri N. Dasappa to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. KT-LA/79/78(5)]

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1508.—मुस्लिम लीग (बिपक्ष) ने, जो केरल राज्य में एक मान्यता प्राप्त राजकीय दल है, अपना नाम "ऑल इंडिया मुस्लिम लीग" के रूप में बदलने के लिए आवेदन किया है;

और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि यथा निवेदित नाम का परिवर्तन स्वीकार कर लिया जाना चाहिए;

अतः, अब, निर्वाचन आयोग, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) प्रादेश, 1968 के पैरा 17 के उप-पैरा (1) के खण्ड (ख) और उप-पैरा (2) के अनुसरण में, तारीख 25 जनवरी, 1978 के भारत के राजपत्र, असाधारण भाग II, खण्ड 3 (ii) में क्र० आ० 40 (अ) के रूप में यथा प्रकाशित अपनी तारीख 25 जनवरी, 1978 की अधिसूचना सं० 56/78 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी 2 के स्तम्भ 2 में, केरल राज्य के सामने "4. मुस्लिम लीग (बिपक्ष)" प्रविष्टि के स्थान पर, "4. ऑल इंडिया मुस्लिम लीग" प्रविष्टि रखी जाएगी।

[स० 56/79 (3)]

बी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

New Delhi, the 26th April, 1979

S.O. 1508.—Whereas the Muslim League (Opposition), a recognised State Party in the State of Kerala, has applied to the Commission for the change of its name to 'All India Muslim League';

And whereas the Commission is satisfied that the change of name requested for should be acceded to;

Now, therefore, in pursuance of clause (b) of sub-paragraph (1) and sub-paragraph (2) of paragraph 17 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, the Election Commission hereby makes the following amendments to its notification No. 56/78, dated the 25th January, 1978, published as S.O. 40(E), in the Gazette of India, Extraordinary, Part II Section 3(ii), dated 25th January, 1978, namely:—

In column 2 of table 2 of the said notification, for the entry '4. Muslim League (Opposition)' against the State of Kerala, the entry '4. All India Muslim League' shall be substituted.

[No. 56/79(3)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1509.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूलस), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है, कि उक्त प्राधिकारी को श्री अवदेश कुमार वर्मा, एडवोकेट (सिविल कोर्ट, वाराणसी) ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, वाराणसी में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति को लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्तर कीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/25/79-न्याय]

ल० व० हिन्दी, सक्षम अधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

AFFAIRS

(Department of Justice)

New, Delhi, the 28th April, 1979

S.O. 1509.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Awadesh Kumar Verma, Advocate Civil Courts, Varanasi for appointment as a Notary to practise in Varanasi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/25/79-JUS]

L. D. HINDI, Competent Authority

न्याय मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सूधार विभाग)

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1510.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक तथा अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभागों में संशोधन व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 18 के उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(ख) यथास्थिति, अपनी पेंशन न लेने का अथवा उपदान, जिसके अंतर्गत मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति उपदान यदि कोई हों, भी है, वापस करने का और अपनी पूर्ण सेवा की गणना अर्हक सेवा के रूप में कराने का विकल्प कर सकता है जिस दशा में मध्यवर्ती अवधि में ली गई पेंशन वापस करने की अपेक्षा नहीं होगी। किन्तु पेंशन, का वह अंश जो पुनर्नियोजन के समय बतन नियत करने के लिए गणना में नहीं लिया गया था वापस कर दिया जाएगा।

[सं० क्र० 3 (9)-ई० बी०(ए)/76]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel & A.R.)

New Delhi, the 21st April, 1979

S.O. 1510.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, in sub-rule (1) of Rule 18, for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) to cease to draw his pension or refund the gratuity, including the death-cum-retirement gratuity, if any, as the case may be, and count his previous service as qualifying service in which case the pension immediately drawn shall not be required to be refunded but the element of pension which was not taken into account for fixation of pay on re-employment shall be refunded.”

[No. F. 3 (9)-EV(A)/76]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1979

का० अ० 1511.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में पांचवाँ अनुसूची में, पैरा 2 में, “नमूना सर्वेक्षण संगठन के क्षेत्रीय प्रभाग के अधीन वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों की दशा में उसका विशेष कार्य अधिकारी या उप-निवेशक,” प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन के क्षेत्रीय प्रभाग के अधीन समूह ‘ग’ और समूह ‘ब’ कर्मचारियों की दशा में उसका मुख्य प्रशासनिक अधिकारी”।

[सं० 13 (5)/78-ई-V (बी)]

एस० धार० प्रबन्धन, अधर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1979

S.O. 1511.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely :

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Funds (Central Services) Rules, 1960 in the Fifth Schedule, in paragraph 2, for the entry “Officer on Special Duty or Deputy Director in the Field Operations Division of the National Sample Survey Organisation in respect of Class III and Class IV staff under him”, the following entry shall be substituted, namely :—

“The Chief Administrative Officer in the Field Operations Division of the National Sample Survey Organisation in respect of Group C and Group D.”

[No. 13 (5)/78-EV (B)]

S. R. AGRWALA, Under Secy.

(राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1979

का० अ० 1512.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में निम्नलिखित विभागों को जिनके कर्मचारीगण ने हिन्दी का कार्य साक्षर ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. विधायी विभाग

2. संघ लोक सेवा आयोग।

[संख्या 12022/1/78-रा०भा० (ख०-2)]

हरिभाषू कंसल, उप सचिव

Department of Official Language

New Delhi, the 26th April, 1979

S.O. 1512.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following Departments, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

(1) Legislative Department,

(2) Union Public Service Commission.

[No. 12022/1/78-OL (B-2)]

H. B. KANSAL, Dy. Secy.

विज्ञापन विभाग

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1979

आय-कर

का० अ० 1513.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री के० एम० लाल को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री के० एम० लाल के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2768 (फा० सं० 404/158/77-आ० क० सं० क०)]

एच० वेंकटरमन, उप-सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 12th April, 1979

INCOME TAX

S.O. 1513.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri K. M. Lal being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri K. M. Lal takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2768 (F. No. 404/158/77-ITCC)]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 12 मई, 1979

(सीमा-शुल्क)

का० अ० 1514.—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विपणन विभाग (राजस्व और सीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 95-सीमा-शुल्क, तारीख 30 अक्टूबर, 1975 को विधिवत करती है।

[सं० 96/79-सीमा शुल्क/फा० सं० 481/35/75-सी० शु० VII]

एम० कृष्णमूर्ति, अधर सचिव

New Delhi, the 12th May, 1978
(CUSTOMS)

S.O. 1514.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 95-Customs, dated the 30th October, 1975.

[No. 96/79-Customs/F. No. 481/35/75-Cus. VII]

N. KRISHNAMURTHY, Under Secy.

(वार्षिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1979

का० भा० 1513—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत स्थापित तथा निम्न अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों पर, उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक इनका संबंध उक्त धारा के अन्तर्गत उनके तुल्य पत्र तथा 31 दिसम्बर, 1978 तथा 31 दिसम्बर, 1979 को समाप्त होने वाले वर्षों के बारे में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ, इन बैंकों के खातों तथा हानि के लेखों के प्रकाशन से है :—

अनुसूची

क्रम	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम
1.	प्रथमा बैंक, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)
2.	गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
3.	हरयाणा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भिवानी (हरयाणा)
4.	जयपुर नागपुर आंचलिक ग्रामीण बैंक, जयपुर (राजस्थान)
5.	गोड ग्रामीण बैंक, मालदा (पश्चिम बंगाल)
6.	भोजपुर रोहतास ग्रामीण बैंक, आरा (बिहार)
7.	समयुत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश)
8.	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, धनगंगाबाद (मध्य प्रदेश)
9.	तुंगभद्रा ग्रामीण बैंक, बेल्लारी (कर्नाटक)
10.	पुरी ग्राम्य बैंक, पिपली (उड़ीसा)
11.	जम्मू ररल बैंक, जम्मू (जम्मू और काश्मीर)
12.	चम्पारन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मोत हारी (बिहार)
13.	बाराबंकी ग्रामीण बैंक, बाराबंकी (उत्तर प्रदेश)
14.	गुडगांव ग्रामीण बैंक, गुडगांव (हरयाणा)
15.	रायबरेली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, रायबरेली (उत्तर प्रदेश)
16.	फर्रुखाबाद ग्रामीण बैंक, फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश)
17.	मल्लभूम ग्रामीण बैंक, बांकुरा (पश्चिम बंगाल)
18.	बोलंगीर आंचलिक ग्रामीण बैंक, बोलंगीर (उड़ीसा)
19.	नागार्जुन ग्रामीण बैंक, खम्माम (आंध्र प्रदेश)
20.	प्रागुज्योतिष गांवलिखा बैंक, नलबारी (असम)
21.	रायलासीमा ग्रामीण बैंक, कुडप्पा (आंध्र प्रदेश)
22.	मालप्रभा ग्रामीण बैंक, धारवाड़ (कर्नाटक)
23.	समूराक्षी ग्रामीण बैंक, सूरी (पश्चिमी बंगाल)
24.	मारवाड़ ग्रामीण बैंक, पाली (राजस्थान)
25.	मराठावाड़ा ग्रामीण बैंक, मानेड (महाराष्ट्र)
26.	मगीरथ ग्रामीण बैंक, सीतापुर (उत्तर प्रदेश)
27.	श्री विशाखा ग्रामीण बैंक, श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश)
28.	काबेरी ग्रामीण बैंक, नैसूर (कर्नाटक)
29.	शेखावटी ग्रामीण बैंक, सीकर (राजस्थान)
30.	कटक ग्राम्य बैंक, कटक (उड़ीसा)

क्रम संख्या	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम
31.	बिलासपुर रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बिलासपुर (मध्य प्रदेश)
32.	समग्र ग्रामीण बैंक, गया (बिहार)
33.	कोरापुट पंचवटी ग्राम्य बैंक, जैपुर (उड़ीसा)
34.	नाउथ मालाबार ग्रामीण बैंक, मल्लपुरम (केरल)
35.	नाथ मालाबार ग्रामीण बैंक, कन्नानूर (केरल)
36.	त्रिपुरा ग्रामीण बैंक, अगरतला (त्रिपुरा)
37.	रोबासिंधी ग्रामीण बैंक, रोबा (मध्य प्रदेश)
38.	हिमाचल ग्रामीण बैंक, मंडी (हिमाचल प्रदेश)
39.	कांसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पूर्णिया (बिहार)
40.	बलिया क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बलिया (उत्तर प्रदेश)
41.	मुलतानपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मुलतानपुर (उत्तर प्रदेश)
42.	उत्तर बंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, कूच बिहार (पश्चिम बंगाल)
43.	पांड्यन ग्राम्य बैंक, सत्तूर (तमिलनाडु)
44.	वैशाली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मुजफ्फरपुर (बिहार)
45.	मुंगेर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मुंगेर (बिहार)
46.	बुंदेलखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)
47.	सथाल परगना ग्रामीण बैंक, बुमका (बिहार)
48.	हरदोई उन्नाव ग्रामीण बैंक, हरदोई (उत्तर प्रदेश)
49.	कृष्णा ग्रामीण बैंक, गुलबर्गा (कर्नाटक)
50.	कच्छ ग्रामीण बैंक, भुज (गुजरात)
51.	जामनगर ग्रामीण बैंक, जामनगर (गुजरात)

[एफ० 2-8/79-आर० आर० बी०]

सी० आर० बिरसास, उप सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 2nd April, 1979

S.O. 1515.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declare that the provisions of section 31 of the said Act shall not apply to the Regional Rural Banks specified in the schedule below, established under sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) in so far as the said section requires the publication of their balance sheets and profit and loss accounts together with the Auditor's Reports thereon in respect of the years ending the 31st December 1978 and 31st December, 1979.

SCHEDULE

Sr. No.	Name of the Regional Rural Banks
1	2
1.	Prathama Bank, Moradabad (U.P.)
2.	Gorakhpur Kshetriya Gramin Bank, Gorakhpur (U.P.)
3.	Haryana Kshetriya Gramin Bank, Bhiwani (Haryana)
4.	Jaipur Nagaur Aanchalik Gramin Bank, Jaipur (Rajasthan)
5.	Gaur Gramin Bank, Makda (West Bengal)
6.	Bhojpur Rohtas Gramin Bank, Arrah (Bihar)
7.	Samyut Kshetriya Gramin Bank, Azamgarh (U.P.)
8.	Kshetriya Gramin Bank, Hoshangabad (M.P.)
9.	Tungabhadra Gramin Bank, Bellary (Karnataka)
10.	Puri Gramya Bank, Pipili (Orissa)
11.	Jammu Rural Bank, Jammu (J. & K.)
12.	Champaran Kshetriya Gramin Bank, Motihari (Bihar)
13.	Bara-banki Gramin Bank, Bara-banki (U.P.)
14.	Gurgaon Gramin Bank, Gurgaon (Haryana)
15.	Rae Bareilly Kshetriya Gramin Bank, Rae Bareilly (U.P.)
16.	Farrukhabad Gramin Bank, Farrukhabad (U.P.)
17.	Mallabhum Gramin Bank, Bankura (West Bengal)
18.	Bolangir Anchalik Gramya Bank, Bolangir (Orissa)
19.	Nararjuna Grameena Bank, Khammam (A.P.)
20.	Pragjyotish Gaonlia Bank, Narbari (Assam)
21.	Rayalaseema Grammena Bank, Cuddapah (A.P.)

- 1
- 2
22. Mulaprabha Grameena Bank, Dharwar (Karnataka)
23. Mayurakshi Gramin Bank, Suri (West Bengal)
24. Marwar Gramin Bank, Pali (Rajasthan)
25. Marathwada Gramin Bank, Nanded (Maharashtra)
26. Bhagirath Gramin Bank, Sitapur (U.P.)
27. Sri Visakha Grameena Bank, Srikakulam (A.P.)
28. Cauvery Grameena Bank, Mysore (Karnataka)
29. Shekhawati Gramin Bank, Sikar (Rajasthan)
30. Cuttack Gramya Bank, Cuttack (Orissa)
31. Bilaspur Raipur Kshetriya Gramin Bank, Bilaspur (M.P.)
32. Magadh Gramin Bank, Gaya (Bihar)
33. Koraput Panchabati Gramya Bank, Jeypore (Orissa)
34. South Malabar Gramin Bank, Malappuram (Kerala)
35. North Malabar Gramin Bank, Cannanore (Kerala)
36. Tripura Gramin Bank, Agartala (Tripura)
37. Rewa Sidhi Gramin Bank, Rewa (M.P.)
38. Himachal Gramin Bank, Mandi (M.P.)
39. Kosi Kshetriya Gramin Bank, Purnea (Bihar)
40. Ballia Kshetriya Gramin Bank, Ballia (U.P.)
41. Sultanpur Kshetriya Gramin Bank, Sultanpur (U.P.)
42. Uttar Banga Kshetriya Gramin Bank, Cooch Behar (West Bengal)
43. Pandyan Grama Bank, Sattur (Tamil Nadu)
44. Vaishali Kshetriya Gramin Bank, Muzaffarpur (Bihar)
45. Monghyr Kshetriya Gramin Bank, Manghyr (Bihar)
46. Bundelkhand Kshetriya Gramin Bank, Tikamgarh (M. P.)
47. Santhal Parganas Gramin Bank, Dumka (Bihar)
48. Hardoi-Unnao Gramin Bank, Hardoi (U.P.)
49. Krishna Grameena Bank, Gulbarga (Karnataka)
50. Kutch Gramin Bank, Bhuj (Gujarat)
51. Jamnagar Gramin Bank, Jamnagar (Gujarat)

[F. 2-8/79-R.R.B.]

C. R. BISWAS, Dy. Secy.

नई दिल्ली 27 अप्रैल, 1979

क्रा० जा० 1516.—कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम अधिनियम, 1963 (1963 का 10) की धारा 10 के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार एतद्वारा कृषि और सिंचाई मंत्रालय कृषि विभाग के सचिव डा० एम० एम० स्वामिनाथन को श्री जी० वी० के० राव के स्थान पर कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम के के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं० एफ० 10-31/79-ए० सी०]

यशवंत राज, अवर सचिव

New Delhi, the 27th April, 1979

S.O. 1516.—In exercise of the powers conferred upon it by clause (c) of section 10 of the Agricultural Refinance and Development Corporation Act, 1963 (10 of 1963), the Central Government hereby nominates Dr. M. S. Swaminathan, Secretary, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture and Irrigation, as a Director of the Agricultural Refinance and Development Corporation vice Shri G. V. K. Rao.

[No. F. 10-31/79-AC]

YASHWANT RAJ, Under Secy.

(Department of Expenditure)

CORRIGENDA

New Delhi, 26th April, 1979

S.O. 1517.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) No.-S.O. 2131, dated the 7th June, 1978, published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii), dated the 22nd July, 1978, at pages 1991 to 2017,—

Page 1991—

(1) in rule 3,—

(i) in line 7, for "appropriation.", read; "appropriation;"; and

(ii) in line 9, for "stores.", read "stores;";

Page 1992—

(2) in rule 8,—

(i) in line 5, for "or", read "of"; and

(ii) in line 18, for "Plant", read "Plants";

Page 1992—

(3) in rule 10(5),—in line 34, for "or", read "no";

Page 1993—

(4) in rule 14,—in line 4, for "Officer", read "Office";

Page 1993—

(5) in line 1 of rule 15,—for ":", read "—";

Page 1994—

(6) in sub-rule (2) of rule 17,—in line 2, for "—", read "—";

Page 1994—

(7) (a) in rule 18,—

(i) in line 6, for ":", read "—";

(ii) in line 13, for ":", read "—";

(iii) in line 18, for ":", read "—";

(b) in sub-rule (2),—

in line 6, for "High-ways", read "Highways";

Page 1995—

(8) in rule 22,—

in line 1, for "operation", read "operations";

Page 1995—

(9) in sub-rule (2) of rule 26,—

in line 1 for "—", read "—";

Page 1996—

(10) in Schedule I,

(i) under Department of Agriculture, item 7 :—
for "Badni", read "Budni";

(ii) under Ministry of Communications,—for "(A) Department of Electronics" read "DEPARTMENT OF ELECTRONICS".

Page 1997—

(iii) under Department of Education, item 7 :—
for "(Control of Accounts)"
read "(Controller of Accounts)".

Page 1977—

(iv) under 'Department of Revenue', in item 26, in line 3,
for "(Foreiture of Property)", read "(Forfeiture of Property)".

(v) under 'Ministry of Home Affairs',

(i) item 20 and the entries relating thereto may be omitted; and

(ii) for item "21", read "20".

Page 1998—

(vi) under the heading 'Chandigarh',—omit item 1 and the entries relating thereto; and items 2, 3 & 4 may be renumbered as 1, 2 & 3, and the entries relating thereto.

(vii) under the heading 'Department of Industrial Development',

for "6. Director, Inforcement Directorate",

read "6. Economic Adviser to the Government of India".

(viii) under the heading Ministry of Information and Broadcasting,

for "2. Principal, Information Officer",

read "2. Principal Information Officer".

(ix) under the heading 'Department of Company Affairs', for "3. Member Secretary High Powered Expert Committee", read "3. Member Secretary, High Powered Expert Committee".

(x) under the heading 'Ministry of Labour',—

- (a) in item 2(i),—
in line 3, for "Kanpur New Delhi", read "Kanpur/ New Delhi"; and
- (b) in item 2(v),—
for "National", read "Regional";
for "Institute", read "Institutes"; and
for "New Delhi", read "Bangalore"

Page 2000—

(11) in Schedule III,—

- (i) in Note,—
in line 2, for "temporaty", read "temporary";
- (ii) in Table,—
in column 2, for "Service", wherever it occurs, read "Services"; and
- (iii) in Explanation,—
in line 1, for ":", read "—".

Page 2001—

- (12) in Schedule V,—
- (i) in Table, under column "Non-Recurring", in line 3, for ")", read "·";
- (ii) in Annexure, in Serial No.3, in column 4,—in lines 1 and 2 of para 1(A) (ii), for "officers", read "officer".

Page 2002—

- (13) in column 4,—
in line 1, for "conveyanc", read "conveyance".

Page 2004—

- (14) in Schedule V, (i) in Serial No.3 of Annexure,—
in column 4,
in line 5, for "th", read "the"; and
- (ii) in Serial No.6(ii), in column 4,—
in lines 3 and 4, for "Ministry Department", read "Ministry/ Department".

Page 2008—

- (15) in Schedule V, in Serial No.13(ii) of Annexure, in column 4 for "proceed", read "proceeds".

Page 2009—

- (16) in Schedule V, in Serial No.14 of Annexure, in column 4, in para 2,
in line 13, for "one", read "and".

Page 2010—

- (17) in Schedule V, in Annexure,—
- (i) in Serial No.14, in column 4,
in line 30, after "where", read "it";
- (ii) in Serial No.16, in column 3,
in line 4, for "Madrsas", read "Madras"; and
- (iii) in Serial No.16, in column 4, in sub-para(a),
in line 2, after "hired", read "under"; and
in line 11, for "placed", read "places".

Page 2011—

- (18) in Schedule V, in Annexure,—
- (i) in Serial No. 16, in column 4, in para (2), in lines 8 and 9, for "officer", read "office".

Page 2012—

- (19) in Schedule V, in Annexure,—
- (i) in Serial No.16, in column 4, para (9),
in line 3, for "residential", read "residential".
- (ii) in Serial No.-21, in column 3, in para (i),
for "Chief Controller of Printing and Stationery",
read "Controller of Stationery".

Page 2013—2014

- (20) in Schedule V, in Annexure,—
- (i) in Serial No. 21, in column 4, in para (4) (C), for "Chief Controller of Printing and Stationery", read "Controller of Stationery".
- (ii) in Serial No. 22, in column 2, in sub-para (ii),
in lines 6 and 7, after "establishment", read "including".
- (iii) in Serial No.-22 in column 2, in sub-para (ii), in line 4,
for "require" read "required".
- (iv) in Serial No.-23, in column 4, in para (1),—
in line 9, after "Group D", read "·".
- (v) in Serial No.-23, in column 4, in para (3) (i),—
in line 11, for ":", read "·".
- (vi) in Serial No.-23, in column 4, in para (3)(i),—
in line 3, after "articles", read "·".

Page 2014—

- (21) in Schedule VI,—
in reading in the second column of the table,—
- (i) in line 4, for "individua", read "individual".
- (ii) in Table, under "Administrators", para (i),—
in line 1, for "·", read "·".
- (iii) in Note below this Schedule,—
in line 8, for "invitations", read "invitations".

Page 2015—

- (22) in Schedule vii,—
- (i) in Note 1, sub-para (a),—
in line 3, after "·", read "and".
- (ii) in Table, in column 3, against "Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food),—in sub-para (a),
in lines 5 and 6, for "sorage", read "storage".
- (iii) in Table, in column-3, insert no : "3" opposite to no : "2" shown in column no : 2.
- (iv) in Table, against "Condemnation of motor vehicles and motor cycles", in column 3,—in sub-table below para (a), under the sub-heading 'Kilometers',—
for "20,00,000", read "2,00,000".

Page 2016—

- (23) in Schedule VII, in Table,
in entry "Loss of Revenue", in column 3, against "(vi) Collector of Customs and Central Excise, Cochin",—
- (i) in sub-para (a),—
in line 2, for "or", read "of"; and
in line 7, for "Excise", read "Excises".
- (ii) in sub-para (b),—
for "cades", read "cases".

Page 2017—

- (24) in Appendix below Schedule VII,—
- (i) in para 1(2),—
in line 5, for "Governor", read "Government".
- (ii) in para 11(1), in Note,—
in line 5, for "laid", read "paid".

[No. F.1(9)-E.II(A)/74]
S. K. DAS, Under Secy.

(व्यय विभाग)

रक्षा प्रभाग

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1979

क्रा० आ० 1518:— राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1965 के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उप नियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) तथा नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (रक्षा प्रभाग) की अधिसूचना संख्या एम० आर० ओ० 629 तारीख 28 फरवरी, 1965 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में,—1. साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग III (अब वर्ग "ग") के भाग II में, शीर्षक "रक्षा लेखा विभाग" के अधीन, स्तम्भ 1 में, विद्यमान प्रविष्टि "सभी अन्य पद" तथा स्तम्भ 2 से 5 तक की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के स्थान पर, स्तम्भ 1 से 5 तक में क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

पद विवरण	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति अधिरोपित करने वाला सक्षम प्राधिकारी तथा उसके द्वारा अधिरोपित की जा सकने वाली शास्ति	अपील प्राधिकारी	
		प्राधिकारी	शास्ति	
1	2	3	4	5
भाग II (वर्ग "ग"),				
"कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक				
(i) अनुभाग अधिकारी (लेखा)	रक्षा लेखा नियंत्रक	रक्षा लेखा नियंत्रक रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक अथवा **रक्षा लेखा उप-नियंत्रक	सभी (i) से (iv)	रक्षा लेखा महानियंत्रक रक्षा लेखा नियंत्रक
(ii) सभी अन्य पद	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक अथवा रक्षा लेखा उप-नियंत्रक	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक अथवा रक्षा लेखा उप-नियंत्रक रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक अथवा लेखा अधिकारी/रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक अथवा लेखा अधिकारी	**सभी स्वतंत्र उप कार्यालयों के प्रभारी (i) से (iv)	रक्षा लेखा नियंत्रक रक्षा लेखा नि'ंत्रक
कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक				
सभी पद	रक्षा लेखा उप महानियंत्रक	रक्षा लेखा उप महानियंत्रक		सभी रक्षा लेखा महानियंत्रक

** (प्रशासन अथवा उप-कार्यालय के प्रभारी); "

(II) साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग IV (अब वर्ग 'घ') के भाग III में शीर्षक "रक्षा लेखा विभाग" के अधीन, स्तम्भ 1 में, विद्यमान प्रविष्टि "सभी अन्य पद" तथा स्तम्भ 2 से 5 तक की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के स्थान पर, स्तम्भ 1 से 5 तक में क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

पद विवरण	नियुक्ति प्राधिकारी	अधिशोषित करने वाला सक्षम प्राधिकारी तथा उसके द्वारा अधिशोषित की जा सकने वाली शास्ति	अपील प्राधिकारी	
		प्राधिकारी	शास्ति	
1	2	3	4	5
भाग III (वर्ग 'घ')				
कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक				
सभी पद	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक अथवा रक्षा लेखा उप नियंत्रक	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक अथवा **रक्षा लेखा उप-नियंत्रक रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक@ अथवा लेखा अधिकारी/रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक अथवा लेखा अधिकारी	सभी (i) से (iv)	रक्षा लेखा नियंत्रक रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक अथवा रक्षा लेखा उप- नियंत्रक

**प्रशासन अथवा उप कार्यालय के प्रभारी

@स्वतंत्र उप-कार्यालयों के प्रभारी

1	2	3	4	5
कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक—				
सभी पद	रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक,	रक्षा लेखा उप महानियंत्रक, रक्षा लेखा सहायक महानियंत्रक अथवा प्रशासन प्रवृत्ति में लेखा अधिकारी	सभी (i) से (iv)	रक्षा लेखा महा नियंत्रक रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक

[सं० 360/सी/एस/79]

(Department of Expenditure)

(Defence Division)

New Delhi, the 20th April, 1979

S.O. 1518.— In exercise of powers conferred by sub-rule (2) of Rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of Rule 12, and sub-rule (1) of Rule 24, read with Rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Defence Division) No. S. R.O. 629, dated 28th February, 1965, namely :—

In the Schedule to the said Notification (I) in Part II, General Central Service Class III (now Group C) under the heading "Defence Accounts Department" for the existing entries "All other posts" in column 1 and the correspondence entries in Columns 2 to 5 the following entries shall respectively be substituted in Columns 1 to 5, namely :—

Description of post	Appointing Authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose	Appellate Authority	
1	2	Authority Penalties		5

PART II (GROUP 'C')

"Office of the Controller of Defence Accounts"

(i) Section Officer (Accounts)	Controller of Defence Accounts,	Controller of Defence Accounts Joint Controller of Defence Accounts OR Deputy Controller of Defence Accounts	All **(i) to (iv)	Controller General of Defence Accounts. Controller of Defence Accounts
(ii) All other posts	Joint Controller of Defence Accounts OR Deputy Controller of Defence Accounts	Joint Controller of Defence Accounts OR **Deputy Controller of Defence Accounts Assistant Controller of Defence Accounts OR Accounts Officer/Assistant Controller of Defence Accounts	** All I/c. of independent sub-offices (i) to (iv)	Controller of Defence Accounts. Controller of Defence Accounts.
OR				
Accounts Officer				

Office of the Controller General of Defence Accounts

All posts	Deputy Controller General of Defence Accounts	Deputy Controller General of Defence Accounts	All	Controller General of Defence Accounts
-----------	---	---	-----	--

**(in charge of Administration or a sub-office)";

(II) in Part III, General Central Service Class IV (now Group 'D'); under the heading "Defence Accounts Department" for the existing entries "All other posts" in column I and the corresponding entries in Columns 2 to 5 the following entries shall respectively be substituted to Columns 1 to 5 namely :—

Description of post	Appointing Authority	Authority competent to impose and penalties which it may impose		Appellate Authority
		Authority	Penalties	
1	2	3	4	5
PART III (GROUP 'D')				
"Office of the Controller of Defence Accounts All posts	Joint Controller of Defence Accounts OR Deputy Controller of Defence Accounts	Joint Controller of Defence Accounts	** ALL	Controller of Defence Accounts
		** Deputy Controller of Defence Accounts		
		Assistant Controller of Defence Accounts	(i) to (iv)	** Joint Controller of Defence Accounts OR Deputy Controller of Defence Accounts.
		OR		
		Accounts Officer/Asstt. Controller of Defence Accounts		
		OR	@	
		Accounts Officer		
**In charge of administration or a sub-office.				
@In charge of independent sub-offices.				
Office of the Controller General of Defence Accounts : All posts	Deputy Controller General of Defence Accounts.	Deputy Controller General of Defence Accounts Assistant Controller General of Defence Accounts OR Accounts Officer in the Administration Section.	All (i) to (iv)	Controller General of Defence Accounts. Deputy Controller General of Defence Accounts."

[No. 366/C/S/79]

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क : पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कलकत्ता, 5 अप्रैल, 1979

सीमा शुल्क

क्रा.सं. 1519.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहृतियों, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेंज/सेक्टर स्तर पर व्यापार सूचना सं. 23 सीमा 7 के. उ. 78 दिनांक 2-2-78 के अधीन नये सिरे से पुनर्गठन तथा रचना करने के लिये परिणामस्वरूप समाहर्ता की अधिसूचना सं. 1/77-सीमा शुल्क, पश्चिम बंगाल, दि. 17-11-77 में संलग्न तालिका में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

अनुसूची

(1)	(2)
प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क, केसोराम रेयन रेंज नयासराय, डाकखाना तथा सराय जिला हुगली	60, 62, 64, 67, 68, 69, 72।
तथा	
निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क, केसोराम रेयन सेक्टर, डाकखाना नयासराय, जिला हुगली	

[अधिसूचना सं. 1/79 सी.सं. VIII(40)-2-सीमा/प.बं. 77]
के.एस. मुखर्जी, समाहर्ता

Office of the Collector of Central Excise & Customs : West Bengal

Calcutta, the 5th April, 1979

CUSTOMS

S.O. 1519.—Consequent on re-organisation and formation of new set up in Central Excise Range/Sector level of the Collectorate of Central Excise and Customs, West Bengal, Calcutta under Trade Notice No. 23/GL-7/CE/78 dated 2-2-78, the Schedule appended to Collector's Notification No. 1/77-Customs, West Bengal dated 17-11-77 is amended as below :—

SCHEDULE

1	2
Superintendent of Central Excise & Customs Kesoram Rayon Range at Nayasarai, P.O. Nayasarai, Dist. Hooghly.	60, 62, 64, 67, 68, 69, 72.
&	
Inspector of Central Excise & Customs Kesoram Rayon Sector P.O. Nayasarai, Dist. Hooghly.	

[Notification No. 1/79/C. No. VIII(40) 2 CUS/WB/77]
K. L. MUKHERJI, Collector

उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

मद्रास, 19 अप्रैल, 1979

सीमा-शुल्क

का०आ० 1520.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के उप-खण्ड (अ) खण्ड 152 के अन्तर्गत, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व और बोमा) नई दिल्ली से जारी की गयी अधिसूचना संख्या 79 सीमाशुल्क VII तारीख 18 जुलाई 1975 के अधिकारों का प्रयोग करते हुए उत्पाद शुल्क समाहर्ता, मद्रास, श्री वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) से अधिसूचना संख्या 37 सीमा शुल्क दिनांक 1 फरवरी 1963 के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता के कार्यालय के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत "सीमा-शुल्क समाहर्ता" भी नियुक्त है, तमिलनाडु, राज्य के वसुपुरी जिले में होसूर तालुक में "जुजुवाडी गांव" को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के अन्तर्गत (1962 का 52) "भाण्डागार स्टेशन" घोषित करते हैं।

[सी० नं० 8/40/3/79-सीमा शुल्क नीति]

माधव वैद्या, समाहर्ता

Office of the Central Excise Collector

Madras, the 19th April, 1979

CUSTOMS

S.O. 1520.—In exercise of the powers conferred by Notification 79/Customs VII dated 18th July, 1975 issued by the Government of India Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance), New Delhi under clause (a) of Section 152 of the Customs Act, 1962, the Collector of Central Excise, Madras also appointed as "Collector of Customs" within the jurisdiction of the Madras Central Excise Collectorate by Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 37 Customs dated 1st February, 1963 hereby declare "Zuzuvadi" village, Hosur Taluk in Dharmapuri District, Tamil Nadu State to be a "Warehousing Station" under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

[C. No. VIII/40/3/79-CUS. POL.]
M. G. VAIDYA, Collector**वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय**

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1979

का०आ० 1521.—केन्द्रीय सरकार, चाय नियम, 1954 के नियम 3 और 4 के साथ पठित चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

- (i) सचिव, असम सरकार, उद्योग विभाग, असम सरकार, दिसपुर, को, संयुक्त सचिव, असम सरकार, उद्योग विभाग, असम सरकार, दिसपुर, के स्थान पर और (ii) श्री सतीश चन्द्र ककोटी,

सम्पादक, असम बाणी, गोहाटी, असम, को उक्त धारा की उपधारा (1) के अधीन स्थापित चाय बोर्ड के सदस्यों के रूप में 31 मार्च, 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, नियुक्त करती है, और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 622 (अ), तारीख 30-10-78 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त सूचना में:—

- (क) मद 1 के सामने प्रथम स्तम्भ में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

सचिव, असम सरकार, उद्योग विभाग, असम सरकार, दिसपुर।

- (ख) "उपरोक्ता हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति" के नामने विद्यमान प्रविष्टि सं० 24 के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

25. श्री सतीश चन्द्र ककोटी, सम्पादक, असम बाणी, गोहाटी, असम।

[सं० ई० 12012(1)/78-प्लांट(ए)]

श्रीमती आदर्श मिश्र, उपसचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLY AND CO-OPERATION

(Department of Commerce)

New Delhi, the 30th April, 1979

S.O. 1521.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953) read with rule 4 and 5 of the Tea Rules, 1954, the Central Government hereby appoints (i) the Secretary to the Government of Assam, Department of Industries, Government of Assam, Dispur vice Joint Secretary to the Government of Assam, Department of Industries, Government of Assam, Dispur and (ii) Shri Satish Chandra Kakoti, Editor, Asom Bani, Gauhati, Assam, as members of the Tea Board established under sub-section (1) of the said section upto, and inclusive of, the 31st March, 1981, and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 622(E) dated 30-10-1978, namely:—

In the said notification:—

- (a) for the entry in the first column against item 1, the following shall be substituted, namely:—

Secretary to the Government of Assam, Industries Department, Government of Assam, Dispur.

- (b) After the existing entry No. 24 against "Persons representing Consumer interests", the following shall be added, namely:—

25. Shri Satish Chandra Kakoti, Editor, Asom Bani Gauhati, Assam.


[No. E-12012(1)/78-Plant. (A)]
SMT. ADARSH MISRA, Dy. Secy.**(नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विभाग)****भारतीय मानक संस्था**

नई दिल्ली, 1979-04-27

का०आ० 1522.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाइन उसके शाब्दिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है:

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के अन्तर्गत यह मानक चिह्न 1979-03-01 से लागू होगा।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शब्दिक विवरण
1. IS : 8259		आक्सीडिमीटोन-मिथाइल पायसनीय तेजद्रव	IS : 8259-1976 आक्सीडिमीटोन पायसनीय तेजद्रव की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।

[सं० सीएसडी/13 : 9]

INDIAN STANDARDS INSTITUTION


(Department of Civil Supplies & Co-operation)

New Delhi, the 1979-04-27

S.O. 1522.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1952 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1979-03-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS : 8259		Oxydemeton-methyl emulsifiable concentrates	IS : 8259—1976 Specification for oxydemeton-methyl emulsifiable concentrates.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का०आ० 1523.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि आक्सीडिमीटोन मिथाइल पायसनीय तेज द्रव की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दी गई ब्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1978-03-01 से लागू होगी :

अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1.	आक्सीडिमीटोन मिथाइल पायसनीय तेज चूर्ण	IS : 8259-1976 आक्सीडिमीटोन-मिथाइल पायसनीय तेज चूर्ण की विशिष्टि	100 लिटर	रु० 15.00

[मं० सी एस डी/13 : 10]

S.O.1523.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for oxydemeton-methyl EC details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1979-03-01:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Oxydemeton-methyl emulsifiable concentrates	IS: 8259—1976 Specification for oxydemeton-methyl emulsifiable concentrates.	100 Litres	Rs. 15.00

[No. CMD/13 : 10]

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1979

क्रा०आ० 1524.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिज्ञान) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहां अनुसूची में दिए गए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक की पद संख्या सं०	एवं शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय मानक के निर्धारित होने की सूचना छपी थी उसकी संख्या, तिथि एवं शीर्षक	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS: 82-1973 रंग रोगन के थिनरों तथा घोलकों के नमूने लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां (प्रथम पुनरीक्षण)	—	संख्या, 1 जून, 1976	(पृष्ठ 11, सारणी 2, खाना 2, अंतिम पंक्ति)—“0.51” के स्थान पर “0.5” कर लें।	1976-06-30
2.	IS: 226-1975 संरचना इस्पात (मानक किस्म) की विशिष्ट (पांचवां पुनरीक्षण)	—	संख्या, 1 अप्रैल, 1976	(पृष्ठ 6, खण्ड 6-1) खंड के अंत में निम्न विषय जोड़े : ‘संशोधन होने पर विकल्प रूप में नमूने जाल से लिए जा सकते हैं’।	1976-04-30
3.	IS: 278-1969 बाड़ के लिए गाल्व-नीकृत की कटिबोर तार की विशिष्ट (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 639 दिनांक 1970-02-21	संख्या, 4 अगस्त, 1975	खंड ए-2-2 में संशोधन किया गया है।	1976-08-31
4.	IS: 628-1963 साइकिल की पेंडल जड़त की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 1760 दिनांक 1963-06-29	संख्या 4 जनवरी, 1976	खंड 5-2 तथा प्राकृति 4 के स्थान पर नए दिए गए हैं।	1976-01-31
5.	IS: 630-1961 साइकिल की तीलियों (सादी) तथा तीली निपलों की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 553 दिनांक 1963-03-02	संख्या, 5 जनवरी, 1976	1. प्राकृति 1 संशोधित की गई है; 2. खंड 3.1.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है; 3. पृष्ठ 4 (रिप्रिंट का पृष्ठ 6) सारणी 1, खाना 8, प्रथम पंक्ति—“1.773” के स्थान पर “1.783” कर लें। 4. पृष्ठ 4 (रिप्रिंट का पृष्ठ 6) सारणी 1, “सांकेतिक लम्बाई” शीर्षक को उसके नीचे के हन्दराज के साथ हटाएं।	1976-01-31

1	2	3	4	5	6
6.	IS: 648-1970 चुम्बकीय सरकिटों के लिए अनभोरियटेड विद्युत इस्पात चद्दरों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 1107 दिनांक 1971-03-20	संख्या 1, जुलाई, 1975	1. खंड 8.5.3 के विद्यमान फार्मुला के स्थान पर नया फार्मुला दिया गया है। 2. सारणी 4 में संशोधन किया गया है।	1975-07-31
7.	IS: 661-1974 शीत भंडारों के उष्मा रोधन की रीति सहित (द्वितीय पुनरीक्षण)	—	संख्या 1, जून, 1976	(पृष्ठ 7, सारणी 1, (*) चिह्न वाली पाद टिप्पणी)—विद्यमान पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्न टिप्पणी कर लें : “IS: 4671-1968 उष्मा रोधन के लिए फूले पालीस्टाइरीन की विशिष्टि के अनुरूप फूला पालीस्टाइरीन इस्तेमाल किया जाए।”	1976-06-30
8.	IS: 723-1972 इस्पात की गठु-खनित सिर वाली तार की कीलों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 2015 दिनांक 1975-07-28	संख्या 1, सितम्बर, 1975	(पृष्ठ 1, शीर्षक) “प्रथम पुनरीक्षण” के स्थान पर “द्वितीय पुनरीक्षण” कर लें।	1975-09-30
9.	IS: 1239 (भाग 1)-1973 मृदु इस्पात की नलियों नाशिकाकार वस्तुओं तथा अन्य पिटवां इस्पात की फिटिंग की विशिष्टि भाग 1 मृदु इस्पात की नलियां (तीसरा पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 776 दिनांक 1976-02-21	संख्या 2, जून, 1976	1. खंड 2.3 के पश्चात नोट 1.2 तथा 3. जोड़े गए हैं। 2. (पृष्ठ 13, खंड 14.4.1, पंक्ति 3) “कैलाव” शब्द के बाद “बिना वरार” शब्द जोड़ें।	1976-06-30
10.	IS: 1283-1968 साइकिल के फ्रीव्हील तथा चैन की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	—	संख्या 2, नवम्बर, 1975	1. खंड 3.2 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है, तथा 2. (पृष्ठ 4, (§) चिह्नित पैरा के साथ वाली पाद-टिप्पणी) हटा दें।	1975-11-30
11.	IS: 1322-1970 जल रोक तथा नमी सह बनाने के लिए बिटुमेन नमदों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 120 दिनांक 1973-01-13	संख्या 1, फरवरी, 1976	1. खंड 3.2.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2 (पृष्ठ 5, (*) चिह्नित पाद-टिप्पणी) विद्यमान पाद-टिप्पणी के स्थान पर निम्न टिप्पणी कर दें : भारतीय टाट की विशिष्टि (भाग 2)---16 प्रतिशत द्रव्य लाभ की निविदा पर 305 तथा 229 ग्राम/मी ² 3. सारणी 1 त 2 में संशोधन किया गया है। 4. खंड ए-2.4.1 के विद्यमान फार्मुले के स्थान पर नया फार्मुला दिया गया है। 5. नई सामग्री (ई) “डी” के पश्चात जोड़ी गई है।	1976-02-29
12.	IS: 1556-1967 कंक्रीट प्रबलन के लिए सख्त खिंची इस्पात के तार की जाली की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 3961 दिनांक 1968-11-09	संख्या 1, अप्रैल, 1976	1. खंड 11.3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2 (पृष्ठ 7, ± चिह्नित पाद टिप्पणी) विद्यमान पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्न टिप्पणी कर लें : “इस्पात के तार की उत्कृष्ट नमन परीक्षण पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण)	1976-04-30
13.	IS: 1697-1974 एरिथ्रोजीन खाद्य श्रेष्ठ की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 424 दिनांक 1975-02-15	संख्या 1, मई, 1976	1. (पृष्ठ 7, खंड ए-1.3, पंक्ति 6) “क्लो-राइड” के स्थान पर “हाइड्रोक्लोराइड” कर लें। 2. (पृष्ठ 5, खंड 3.2 (ए)—विद्यमान सामग्री के स्थान पर निम्न कर लें : (क) शब्द “खाद्य रंग”	1976-05-31
14.	IS: 1711-1970 स्वयं बंध होने वाले टोडियों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 1277 दिनांक 1972-05-27	संख्या 1, अप्रैल, 1976	(पृष्ठ 4, खंड 5.1, पंक्ति 1) “गुरुत्वाकर्षण शक्ति तथा डाई” शब्द हटा दें।	1976-04-30

1	2	3	4	5	6
15.	IS: 1848-1971 लिखने तथा चित्रकारी कागजों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 2975 दिनांक 1973-10-13	संख्या 2, मार्च, 1976	उद्योग तथा नागरिक पुति संज्ञानव भारत सरकार ने प्रतिपाद्य कर दिया है कि कागज के जो कारखाने सठेद मुद्रण कागज शैक्षिक तथा सरकारी कार्यों के लिए बना रहे हैं, वे उसमें 0.005 प्रतिशत चरम-दार हरे रंग को आभा देने की एक प्रकार के कागज के लिए मान्यता प्रमाणन प्रतिपाद्य है इसलिए भारतीय मानक में इस प्रकार आभा देने का संशोधन करने के लिए यह संशोधन जारी किया जा रहा है। (पृष्ठ 4, खंड 3.6 खंड 3.6 के परचाल) निम्न नया खंड जोड़े : “3.7 सठेद छाई का कागज देखिए (गारिणी 1 का क्रम संख्या 17) पर भी आभा दी जाए आभायुक्त आभा उग रंग से अधिकाधिक मिलनी होगी जिसकी स्वीकृति संस्था की ओर से समय समय पर दी जाती रहेगी। इस प्रकार आभायुक्त कागज में कमक सम्बन्धी अपेक्षा नहीं लागू होगी।	1976-03-31
16.	IS: 1867-1975 रबड़ की गरम पानी की बोतलों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 मई, 1976	(पृष्ठ 5, खंड 3.4.3, पंक्ति 3) “20 प्रतिशत” के स्थान पर “80 प्रतिशत” कर लें।	1976-05-31
17.	IS: 1891-(भाग II)-1972 वाहकों एस० प्रो० 423 तथा एलिबेटों के रबड़ के पट्टों की विशिष्टि भाग 2 तापरोधी पट्टे	दिनांक 1975-02-15	संख्या, 1 फरवरी, 1976	खंड 3.1.2 के परचाल खंड 3 1.3 जोड़ा गया है।	1976-02-29
18.	IS: 1891-(भाग 4)- 1971 रबड़ वाहकों तथा एलिबेटों के रबड़ के पट्टों की विशिष्टि भाग 4 स्वास्थ्य पट्टे	एस० प्रो० 510 दिनांक 1974-02-23	संख्या, 1 सितम्बर, 1975	1. खंड 3.1.2 तथा 6.4 हटा दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 7, खंड 6.3) “ 100 ± 1^0 सी” के स्थान पर “ 70 ± 1^0 सी” बदल लें।	1975-09-30
19.	IS: 1977-1975 संरचना इस्तान (साधारण किस्म) की विशिष्टि (दुसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या, 1 जून, 1976	1. सारणी 1 के स्थान पर एक नई सारणी दी गई है। 2. खंड 6.1 में संशोधन किया गया है।	1976-06-30
20.	IS: 2201-1973 समंजनीय ऊंचाई वाली मेजों के साथ लगी खड़े तकुबे वाली मिलिंग मशीन का परीक्षण चार्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	—	संख्या, 1 मई, 1976	पृष्ठ 10, खाना 2 में आकृति के स्थान पर नई आकृति दी गई है।	1976-05-31
21.	IS: 2232-1967 खांबदार वाली एम० प्रो० 4562 तथा कैसल डिब्बियों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	दिनांक 1967-12-23	संख्या, 3 जनवरी, 1976	सारणी (1ए) में संशोधन किया गया है।	1976-01-31
22.	IS: 2269-1967 पट्टकोण सॉकेट-बार टोपी वाले पेंच की विशिष्टि	एस० प्रो० 4633 दिनांक 1967-12-30	संख्या, 1 फरवरी, 1976	सारणी 1.2 तथा 3 में संशोधन किया गया है।	1976-02-29
23.	IS: 2315-1963 तार के रस्सों के लिए अंगुस्ताने (थिम्बल) की विशिष्टि	एस० प्रो० 2038 दिनांक 1963-07-20	संख्या, 1 जून, 1976	खंड 2.3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1976-06-30
24.	IS: 2516 (भाग 2/अनुभाग 2)- 1965 ए सी धारा सकिट ब्रेकर की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण अनुभाग 2, 1000 से 11000 बोल्ट तक बोल्टता के लिए	एस० प्रो० 1081 दिनांक 1966-04-09	संख्या, 2 अक्तूबर, 1975	1. (पृष्ठ 30, खंड ए-4.4) इस खंड को हटा दें तथा बाद के खंडों की संख्या ठीक कर लें। 2. खंड ए-4.3 के परचासु एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1975-10-31

1	2	3	4	5	6
25.	IS : 2558-1974 पासी 4 प्रार. एस० प्रो० 424 संख्या, 2 खाद्य ग्रेड की विशिष्टि दिनांक 1975-02-15 मई, 1976			1. सारणी 1 तथा खंड 3.2 (ए) में संशोधन किया गया है। 2. (पृष्ठ 6, खंड 3.2 जी) "जी" के पश्चात् निम्न सामग्री जोड़ दें : "एच" विद्यमान प्रमुख रंजक मध्य जल पदार्थों के नाम 3. परिशिष्ट "ए" के पश्चात् परिशिष्ट 'बी' जोड़ दिया गया है। 4. (पृष्ठ 8)—पृष्ठ के नीचे निम्न पाद टिप्पणी जोड़ दें : "क" धमरेन्थ, खाद्यग्रेड के लिए विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	1976-05-31
26.	IS : 2762-1964 तार के रस्मों के एस० प्रो० 226 संख्या, 3 स्लिंगों तथा स्विंग पादों की विशिष्टि दिनांक 1965-01-16 जून, 1976			(पृष्ठ 23, सारणी 4, कालम 5, शीर्षक) "हुक की भार क्षमता" के स्थान पर "क्रेन के हुक की भार क्षमता" कर लें।	1976-06-30
27.	IS : 2831-1975 संरचना इस्पात (माधारण किम्म) में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम, और मिलनी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या, 1 जून, 1976	1. (पृष्ठ 8, खंड 7.1 पंक्ति 1) ब्लूम तथा स्लेब" शब्द हटा दें। 2. खंड 7.1 के पश्चात् नया खंड 7.2 जोड़ा गया है तथा विद्यमान खंड 7.2 की संख्या 7.3 कर दी गई है।	1976-06-30
28.	IS : 3966-1964 भीतरी सूक्ष्म मापियों (जिनमें स्टिक सूक्ष्म मापी भी शामिल है) की विशिष्टि एस० प्रो० 1501 संख्या, 1 दिनांक 1965-05-08 जून, 1976			1. खंड 3.2 तथा 9.2 में संशोधन किया गया है। 2. पृष्ठ 5 तथा 9 पर विद्यमान पाद टिप्पणियां मई पाद टिप्पणी से बचाने दी गई हैं।	1976-06-30
29.	IS : 2026-1968 विद्युत लेपन के लिए बंग-मजबूत की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) एस० प्रो० 3728 संख्या, 1 दिनांक 1969-09-13 जून, 1976			सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1976-06-30
30.	IS : 3196-1974 अल्प दाब द्रवणीय नैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल समाई वाले बेल्टकृत अल्प कार्बन इस्पात के रैम मिलिडर की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या, 1 अक्तूबर, 1975	1. खंड 8.1 का संशोधन किया गया है 2. खंड 9.1 तथा 11.1 (ए) के स्थान पर नई सामग्री दी गई है।	1975-10-31
31.	IS : 3196-1974 अल्प दाब द्रवणीय नैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल समाई वाले बेल्टकृत अल्प कार्बन इस्पात के रैम मिलिडर की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या, 2 मार्च 1976	खंड 11.2.1 के प्रथम पैरा के स्थान पर नया पैरा दिया गया है।	1976-03-31
32.	IS : 3224-1971 संपीड़ित रैम मिलिडरों के लिए बाल्व फिटिंग की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) एस० प्रो० 120 संख्या, 3 दिनांक 1973-01-13 अप्रैल, 1976			1. खंड 1.2 तथा 5.1.1 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 12, सारणी 4) "मिथाइल प्रोमाइड" तथा इसके सामने के सब इन्वराज हटा दें। 3. सारणी 3 का संशोधन किया गया है।	1976-04-30
33.	IS : 3498-1975 धातु की मेजों (कार्यालय वाली) की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	—	संख्या, 1 जून, 1976	1. (पृष्ठ 7, खंड 5.3 (बी) IS : 2932-1964 अथवा : 2933-1964 के स्थान पर IS : 151-1950 कर लें।	1976-06-30

1	2	3	4	5	6
				2. (पृष्ठ 7, पाद टिप्पणियाँ) विद्यमान “§ तथा “ ” चिह्न बाकी पाद टिप्पणियों के स्थान पर निम्नलिखित कर लें : सामान्य कार्यों के लिए बांछित रंग के फिनिश देने, स्प्रे करने, स्टोव विधि इन्सुल वाले नैयार मिश्रित रंग रोगन की विधिदि -	
34. IS : 3499-1960 धातु की कुसियों (कार्यालय बार्नेट) की विधिदि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 2602 दिनांक 1966-08-27	संख्या 3 मार्च, 1976	खंड 1 1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है ।	1976-03-31	
35. IS : 4097-1967 नल कूपों में पैक के लिए कंकड़ की विधिदि	एस०प्रो० 1720 दिनांक 1968-05-18	संख्या 1 जून, 1975	1. (पृष्ठ 4, खंड 4.1 भूतौपचारिक सारणी संख्या 6) इसका अन्दरगजों सहित हटा दें। 2. खंड 4.2 तथा 6.1 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं । 3. (पृष्ठ 4, खंड 6) “ऐक्वीफरपैक रेगियो” के स्थान पर “पैक ऐक्वीफर रेगियो” कर लें ।	1976-06-30	
36. IS : 4119-1967 लकड़ी के कोयले वाली इन्धनों की विधिदि	एस०प्रो० 4062 दिनांक 1967-12-23	संख्या 1 अप्रैल, 1976	1. सारणी 1 संशोधित की गई है । 2. खंड 5.1.1, 5.3.1 तथा 5.3.3 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं । 3. खंड 6.1.1 में टिप्पणी के बाद पाद टिप्पणी जोड़ी गई है । 4. खंड 6.1 के प्रथम वाक्य के स्थान पर नया वाक्य दिया गया है । 5. खंड 5.1 पंक्ति 7 में “साइज” शब्द के परभाव एक वाक्य जोड़ा गया है ।	1976-04-30	
37. IS : 4204-1974 इरिडिंग कुसियों की कार्यपरक प्रपेक्षाएँ (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 988 दिनांक 1976-03-06	संख्या 1 जून, 1976	1. (पृष्ठ 6, खंड 4.3)-IS : 814-1970” के स्थान पर IS : 814 (भाग 1)-1974” कर लें । 2. (पृष्ठ 6, पाद टिप्पणियाँ) II (चिह्न) कित पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्न टिप्पणी कर लें : संरचना इस्पात के धातु आर्कवैल्डिंग के लिए लाग चढ़े इलेक्ट्रोड की विधिदि भाग-1-बादलों को छोड़ कर अन्य उत्पादों की वैल्डिंग (चोया पुनरीक्षण)	1976-06-30	
38. IS : 4654-1974 पैराफीम मोम की विधिदि (प्रथम पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 अप्रैल, 1976	सारणी 1 में संशोधन किया गया है ।	1976-04-30	
39. IS : 4964 (भाग 2)-1975 सादी बुनी सूती बनियानों की विधिदि भाग 2 बनियानों (प्रथम पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 जून, 1976	1. सारणी 1 तथा 3 में संशोधन किया गया है । 2. (पृष्ठ 9 तथा 10) सारणी 4 व 5 खाना 3) दोनों सारणियों में से बनियान की लम्बाई खाने के परभाव “*” चिह्न हटा दें । 3. खंड 0.4 के पश्चात् खंड 0.5 जोड़ा गया है ।	1976-06-30	
40. IS : 4985-1968 भरने के पानी की सप्लाई के लिए अनुम्यकृत पीपीसी नालों की विधिदि	एस०प्रो० 3110 दिनांक 1970-02-07	संख्या 4 अप्रैल, 1976	1. खंड 6.1 तथा 7.2 हटा दिए गए हैं तथा बाद के खंडों की संख्या तबनुसार ठीक कर दी गई है । 2. (पृष्ठ 17 चौथे रिफ्रिट का पृष्ठ 16) खंड ई-2.1 (ई), पंक्ति 1) “120” “जी” ब्लाक के स्थान पर “120 डलवाई इस्पात की ब्लाक कर लें ।	1976-04-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
41. IS : 4995(भाग 2)—1974 बानेदार तथा पूर्ण सामग्री के भंडारण के लिए प्रबलित कंटीट के बिन की डिजाइन की कसौटियां भाग 2 डिजाइन कसौटियां (प्रथम पुनरीक्षण)	—	संख्या 1, जून, 1978	1. (पृष्ठ 13, खंड 5.5, 5.4, "एन" की व्याख्या के सामने)—"0.003" के स्थान पर "0.003" कर लें। 2. (पृष्ठ 18, खंड 5.7.3, पंक्ति 4)—"25 प्रतिशत" के स्थान पर "2.5 प्रतिशत" कर लें।	1978-08-30	
42. IS : 5502-1969 बिकने पहिये वाले सड़क कूटने के डीजल इंजन की विशिष्ट	एस० प्रो० 5032 बिनांक 1971-11-06	संख्या 1 नवम्बर, 1975	1. (पृष्ठ 10, सारणी 2, खाना 3 का नीचे का "मिन" हटाएं। 2. खंड 18.1 तथा 17.1 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 3. (पृष्ठ 11, खंड 17.2, दूसरा वाक्य)—हटा दें। 4. (पृष्ठ 13, खंड 28.1 (जी) "सम्पर्क दबाव" के स्थान पर "लाइन दबाव" कर लें। 5. (पृष्ठ 13, खंड 2.6.1 (एफ०)—यह मध हटा दें।	1975-11-30	
43. IS : 5513-1969 विकास यंत्र की विशिष्ट	एस० प्रो० 1387 बिनांक 1975-05-03	संख्या 1, नवम्बर, 1975	1. (पृष्ठ 4, सारणी 1, क्रम संख्या 8, खाना 2) "मोल्ड ई" के स्थान पर "मोल्ड ई, मोल्ड ई 1 तथा क्लैम्पिंग रिंग" कर लें। 2. खंड 4.5 के बाद खंड 4.5.1 जोड़ा गया है।	1975-11-30	
44. IS : 6179-1971 कठोर किनारे वाले प्ले-पैनों की विशिष्ट तथा सुरक्षा-अपेक्षाएं	एस० प्रो० 3055 बिनांक 1973-10-27	संख्या 1, जून, 1978	1. पृष्ठ 4, खंड 3.1.4 (बी) IS : 2932-1984 के स्थान पर IS : 51-1950 कर लें 2. (पृष्ठ 4 ‡ "चिह्नकित पाथ टिप्पणी) ‡ चिह्नकित पाथ टिप्पणी के स्थान पर निम्न टिप्पणी कर लें : "सामान्य कार्यों के लिए वांछित रंग के फिनिश देने, स्त्रे करने, स्टोव विधि इतैमल वाले तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्ट"	1978-08-30	
45. IS : 6235-1971 फेरा बुम्बकीय आकसिद्धों तथा सम्बद्ध भागों से बने पाठ-कोशों के परिणाम	एस० प्रो० 231 बिनांक 1974-01-28	संख्या 2, जून, 1978	सारणी 1 संशोधित की गई है	1978-08-30	
46. IS : 6297 (भाग 1) (1971 इलेक्ट्रो-निकी साज सामान के ट्रांसफार्मर और प्रेरित (पावर श्रव्य, स्वंद और स्थिच वाले) की विशिष्ट भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं और परीक्षण	एस० प्रो० 3255 बिनांक 1974-11-24	संख्या 3, मई 1976	1. खंड 6.2.17 में संशोधन किया गया है 2. खंड 6.2.3.2 के पश्चात् खंड 6.2.3.3 जोड़ी गई है तथा बाद के खंडों तथा आकृतियों की संख्याएं जहाँ भी हों ठीक कर ली जाएं	1978-05-31	
47. IS : 6315-1971 भारी द्वारों के लिए (द्रव नियंत्रित) फर्श स्प्रिंगों की विशिष्ट	एस० प्रो० 510 बिनांक 1974-02-23	संख्या 1 अगस्त, 1975	1. (पृष्ठ 4, खंड 2.6, पंक्ति 2)—"द्वार" हट्ट हटा दें। 2. आकृति 1 के स्थान पर नयी आकृति दी गई है। 3. खंड 7.2.8.1, तथा 8.4 के स्थान पर नये खंड दिए गए हैं 4. (पृष्ठ 8, खंड 2, पंक्ति 2)—"2 सैकंड" के स्थान पर "20 सैकंड" कर लें।	1975-08-31	

1	2	3	4	5	6
48.	IS : 7142-1974 ग्रहण बाबु ब्रजणीय गैसों के लिए 5 लिटर से कम जल समाई वाले बेलकृत ग्रहण कार्बन इस्पात के गैस सिलिंडर की विशिष्ट	एस० धी० 778 दिनांक 1976-02-21	संख्या 1, सितम्बर, 1975	1. खंड 5.1.3 तथा 9.1 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 10, खंड 8.1, पहला वाक्य) विद्यमान पहले वाक्य के स्थान पर निम्न वाक्य कर लें। “प्रत्येक तान उपचारित सिलेंडर का प्रत्येक परीक्षण किया जाएगा।” 3. (पृष्ठ 11, खंड 11.1 “ए”)—विद्यमान पाठ के स्थान पर निम्न कर लें। “क” तनाव परीक्षण प्लेट सामग्री पर एक लम्बाई की दिशा में तथा एक तिरछी दिशा में	1975-09-30
49.	IS : 7142-1974 ग्रहण बाबु ब्रजणीय गैसों के लिए 5 लिटर से कम जल समाई वाले बेलकृत ग्रहण कार्बन इस्पात के गैस सिलिंडर की विशिष्ट	एस० धी० 778 दिनांक 1976-02-21	संख्या 2, मार्च, 1976	खंड, 11.2.1 के पहला पैरा के स्थान पर नया पैरा दिया गया है	1976-03-31
50.	IS : 7394-1974, 5 लिटर तक सांकेतिक प्रायतन के पेट्रोलियम रिजर्व ईंधन के लिए उच्च घनत्व पाली-इथाइलीन के घर्तन (जेरी डब्बों) की विशिष्ट	—	संख्या 1, मई, 1976	1. खंड 3.1.1 तथा 3.1.2 संशोधित किए गए हैं। 2. (पृष्ठ 4, पाठ टिप्पणी, पंक्ति 3) विद्यमान पाठ टिप्पणी के स्थान पर निम्न कर लें : “सांघा डलाई तथा एकसदृज के लिए उच्च घनत्व पालीइथाइलीन सामग्रियों की विशिष्ट	1976-05-31
51.	IS : 7430-1974 फेरोचुम्बकीय आकसाइडों के बने पेंच कोरों के माप	—	संख्या 1, जून, 1976	सारणी संशोधित की गई है	1976-06-30
52.	IS : 7460-1974 गाबुम रोलर बेयरिंग के लिए छुटें	—	संख्या 1, जुलाई, 1976	खंड 3 के अधीन आकृतियों के स्थान पर नयी आकृति दी गई है।	1976-07-31
53.	IS : 7461-1974 गाबुम रोलर बेयरिंगों के सीमा-परिमाणों का सामान्य नक्शा	—	संख्या 3, जुलाई, 1976	खंड 3.1 के अधीन आकृतियों के स्थान पर नयी आकृति दी गई है।	1976-07-31
54.	IS : 7634 (भाग 3)—1975 भरने के पानी की सफाई के लिए प्लास्टिक पाइप कार्य की रीति संहिता भाग 3 अनिवार्य पीबीसी पाइपों का लगाना तथा उनमें जोड़ देना	—	संख्या 2, मई, 1976	1. खंड 2.2.4.2 (बी) में संशोधन किया गया है 2. (पृष्ठ 6, खंड 2.2.4.1 (बी), पंक्ति 3)—“एंड” के स्थान पर “एंड” कर लें 3. (पृष्ठ 7, खंड 2.2.4.2 (सी) “5”, पंक्ति 1) “हॉट” शब्द के स्थान पर “नॉट” कर लें।	1976-05-31
55.	IS : 7741 (भाग 1)—1975 लाउड स्पीकरों की विशिष्ट भाग 1 सामान्य प्रपेक्षाएं तथा परीक्षण	—	संख्या 1, जून, 1976	(पृष्ठ 18, खंड 4.1 अनौपचारिक सारणी अंतिम पंक्ति) —हटा दें।	1976-06-30

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिज्जी के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, में तथा इसके शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता बंशीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम में उपलब्ध हैं।

New Delhi, the 24th April, 1979

S.O. 1524.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard No. amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1. IS : 82-1973 Methods of sampling and test for thinners and solvents for paints (first revision).	—	No. 1 June 1976	(Page 11, Table 2, col 2, last Line)—Substitute '0.5' for '0.51'.	1976-06-30	
2. IS : 226-1975 Specification for structural steel (Standard quality) (Fifth revision)	—	No. 1 Apr 1976	(Page 6, clause 6.1)—Add the following matter at the end of the clause : 'Alternatively, in case of sections, the samples may be taken from the web.'	1976-04-30	
3. IS : 278-1969 Specification for galvanized steel barbed wire for fencing (second revision)	S.O. 639 dated 1970-02-21	No. 4 Aug 1975	Clause A-2.2 have been amended.	1975-08-31	
4. IS : 628-1963 Specification for bicycle pedal assembly (Revised)	S.O. 1760 dated 1963-06-29	No. 4 Jan 1976	Clause 5.2 and Fig. 4 have been substituted by new ones.	1976-01-31	
5. IS : 630-1961 Specification for bicycle spokes (plain) and nipples for spokes (Revised)	S.O. 553 dated 1963-03-02	No. 5 Jan 1976	(i) Fig. 1 has been amended; (ii) Clause 3.1.1. has been substituted by a new one; (iii) [Page 4] (Page 6 of the Reprints) Table 1, col 8, first row—Substitute '1.783' for '1.773'. (iv) [Page 4 (page 6 of the Reprints), Table 1]—Delete column heading 'NOMINAL LENGTH' along with entries under it.	1976-01-31	
6. IS : 643-1970 Specification for non-oriented electrical steel sheets for magnetic circuits (second revision)	S.O. 1107 dated 1971-03-20	No. 1 Jul 1975	(i) Existing formula of clause 8.3.5 has been substituted by a new one and (ii) Table 4 has been amended	1975-07-31	
7. IS : 661-1974 Code of practice for thermal insulation of cold storages (second revision)	—	No. 1 Jun 1976	[Page 7, Table 1, foot-note with asterisk (*) mark]—Substitute the following for the existing foot-note : Expanded polystyrene, conforming to IS - 4671-1968, Specification for expanded polystyrene for thermal insulation purposes, shall be used.	1976-06-30	
8. IS : 723-1972 Specification for steel countersunk head wire nails (first revision)	S.O. 2015 dated 1975-06-28	No. 1 Sep 1975	(Page 1, Title)—Substitute '(Second Revision)' for '(First Revision)'.	1975-09-30	
9. IS : 1239 (Pt I)—1973 Specification for mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings part I mild steel tubes (Third revision)	S.O. 776 dated 1976-02-21	No. 2 Jun 1976	(i) Notes 1, 2 & 3 have been added after clause) 2.3. and (ii) (Page 13, clause 14.4.1, line 3)—Add the words 'without cracking' after the word 'expansion'.	1976-06-30	
10. IS : 1283-1968 Specification for bicycle free-wheels and chains (first revision)	—	No. 2 Nov 1975	(i) clause 3.2 has been substituted by a new one and (ii) (Page 4, foot-note with paragraph (§) sign—Delete the foot-note.	1975-11-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
11. IS : 1322-1970 Specification for bitumen felts for water-proofing and damp-proofing (second revision)	S.O. 120 dated 1973-01-13	No. 1 Feb 1976	(i) clause 3.1.2. has been substituted by a new one; (ii) [Page 5, foot-note with (*) mark] Substitute the following for the existing foot-note : **Specification for Indian hessian : Part 11 305 and 229 g/m ² at 16 percent contract regain. (iii) Tables 1 and 2 have been amended (iv) Existing formula of clause A-2.4.1 has been substituted by a new one. (v) New matter(e) has been added after (d)	1976-02-29	
12. IS : 1566-1967 Specification for hard-drawn steel wire fabric for concrete reinforcement (first revision)	S.O. 3961 dated 1968-11-09	No. 1 Apr 1976	(i) clause 11.3 has been substituted by a new one. (ii) (Page 7, foot-note with '+' mark)—Substitute the following for the existing foot-note : +Method for reverse bend testing of steel wire (first revision);	1976-04-30	
13. IS : 1697-1974 Specification for erythro-sine, food grade (first revision)	S.O. 424 dated 1975-02-15	No. 1 May 1976	(i) (Page 7, clause A-1.3, line 6)—Substitute 'hydroxide' for 'chloride'. (ii) [Page 5, clause)3.2(a)]—Substitute the following for the existing matter : (a) The words 'FOOD COLOUR'.	1976-05-31	
14. IS : 1711-1970 Specification for self-closing taps (first revision)	S.O. 1277 dated 1972-05-27	No. 1 Apr 1976	(Page 4, clause 5.1, line 1)—Delete the words 'gravity and die'.	1976-04-30	
15. IS : 1848-1971 Specification for writing and painting papers (first revision)	S.O. 2975 dated 1973-10-13	No. 2 Mar 1976	The Government of India, Ministry of Industry and Civil Supplies has made it obligatory that the paper mills producing white printing paper for educational and Government purposes shall tint the paper with 0.005 per cent of brilliant green dye. To provide for the above provision of tinting under the Indian Standard, this Amendment is being issued in view of the compulsory ISI Certification Marking for this type of paper. [Page 4, clause 3.6)—Add the following new clause after 3.6: '3.7 White printing paper [see Sl. No. (xvii) of Table I] may also be tinted. In the case of tinted paper the colour shall be a close match to the shade approved by the Institution from time to time. The requirement of of brightness shall not apply in the case of printing paper so tinted.'	1976-03-31	
16. IS : 1867—1975 Specification for rubber hot water bottles (first revision).	—	No. 1 May 1976	(Page 5, clause 3.4.3, line 3)—Substitute '80 percent' for '20 percent'.	1976-05-31	
17. IS : 1891 (Pt. II)—1972 Specification for rubber conveyor and elevator belting Part II hear-resistant belting.	S.O. 423 dated 1975-02-15	No. 1 Feb. 1976	Clause 2.1.3 has been added after clause 3.1.2.	1976-02-29	
18. IS : 1891 (Pt IV)—1971 Specification for rubber conveyor and elevator belting Part IV hygienic belting.	S.O. 510 dated 1974-02-23	No. 1 Sep. 1975	(i) clauses 3.1.2 and 6.4 have been deleted (ii) (Page 7, clause 6.3)—Substitute '70±10C' for '100±10C'.	1975-09-30	
19. IS : 1977—1975 Specification for structural steel (ordinary quality) (second revision).	—	No. 1 Jun 1976	(i) Table 1 has been substituted by a new one (ii) Clause 6.1 has been amended.	1976-06-30	
20. IS : 2201—1973 Test chart for milling machines with tables of variable height, with vertical spindle (first revision).	—	No. 1 May 1976	Existing figure given at page 10, col.2 has been substituted by a new one.	1976-05-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21. IS : 2232—1967 Specification for slotted and castle nuts (first revision).	S.O. 4562 dated 1967-12-23.	No. 3 Jan. 1976.	Table 1 A has been amended.	1976-01-31	
22. IS : 2269—1967 Specification for hexagon socket head cap screws (first revision).	S.O. 4633 dated 1967-12-30	No. 1 Feb. 1976	Table 1, 2 and 3 have been amended.	1976-02-29	
23. IS : 2315—1963 Specification for thimbles for wire ropes.	S.O. 2038 dated 1963-07-20	No. 1 Jun. 1976	Clause 2.3 has been sub-stituted by a new one.	1976-06-30	
24. IS : 2516 (Pt II/Sec 2)—1965 Specification for alternating current circuit-breakers Part II tests section 2 voltage above 1000 up to and including 11000 volts.	S.O. 1081 dated 1966-04-09	No. 2 Oct. 1975	(i) (Page 30, clause A-4.4)—delete this clause and re-number the subsequent clause. (ii) A note has been added after clause A=4.3.	1975-10-31	
25. IS : 2558—1974 Specification for pon- ceau 4 R, food grade (first revision).	S.O. 424 dated 1975-02-15	No. 2 May 1976	(i) Table 1 and clause 3.2 (a) have been amended. (ii) [Page 6, clause 3.2 (g)]—Add the following matter after (g) : '(h) Names of major dye intermediates present'. (iii) Appendix 'B' has been added after Appendix 'A'. (iv) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (v) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (vi) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (vii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (viii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (ix) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (x) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xi) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xiv) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xv) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xvi) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xvii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xviii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xix) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xx) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxi) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxiv) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxv) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxvi) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxvii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxviii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxix) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxx) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxi) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxiv) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxv) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxvi) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxvii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxviii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xxxix) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xl) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xli) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xlii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at the bottom of the page: '*Speci-fication for Amaranath, Food Grade (first revision)'. (xliiii) (Page 8)—Add the following foot-note at		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34. IS : 3499—1966 Specification for metal chairs (office type).	S.O. 2602 dated 1966-08-27	No. 3 Mar. 1976	§Clause 1.1 have been substituted by a new one.	1976-03-31	
35. IS : 4097—1967 Specification for gravel for use as pack in tubewells.	S.O. 1720 dated 1968-05-18	No. 1 Jun. 1976	(i) (Page 4, clause 4.1, informal table, Sl. No. 6)—Delete along with entries against it. (ii) Clauses 4.2 and 6.1 have been substituted by a new one. (iii) (Page 4, clause 6)—Substitute 'Pack Aquifer ratio' for 'aquifer pack ratio.'	1976-06-30	
36. IS : 4119—1967 Specification for charcoal—burning pressing irons.	S.O. 4562 dated 1967-12-23	No. 1 Apr. 1976	(i) Table 1 has been amended. (ii) Clauses 5.1.1, 5.3.1 and 5.3.3 have been substituted by new ones. (iii) Foot-notes have been added after the note in clause 6.1.1. (iv) First sentence of clause 6.1 have been substituted by a new sentence. (v) A sentence has been added after the word 'size' in clause 5.1 line 7.	1976-04-30	
37. IS : 4204—1974 Functional requirements for drafting chairs (first revision).	S.O. 988 dated 1976-03-06	No. 1 Jun. 1976	(i) (Page 6, clause 4.3)—Substitute 'IS : 814 (Part I)—1974 ' for 'IS : 814—1970'. (ii) (Page 6, footnotes)—Substitute the following for the existing footnote against ' ' mark: Specification for covered electrodes for metal arc welding of structural steel : Part I for welding products other than sheets (fourth revision).	1976-06-30	
38. IS : 4654—1974 Specification for paraffin Wax (first revision).	—	No. 1 Apr. 1976	Table 1 has been amended.	1976-04-30	
39. IS : 4964 (Pt. II)—1975 Specification for plain knitted cotton vests part II vests (first revision).	—	No. 1 June 1976	(i) Table 1 and 3 have been amended. (ii) (Pages 9 and 10, Tables 4 and 5, column 3)—Delete asterisk (*) after column heading 'Length of Vest' from both the tables. (iii) Clause 0.5 has been added after 0.4	1976-06-30	
40. IS : 4985—1968 Specification for unplasticised PVC Pipes for potable water supplies.	S.O. 436 dated 1970-02-07	No. 4 Apr. 1976	(i) Clauses 6.1 and 7.2 have been deleted and subsequent clauses re-numbered accordingly. (ii) [Page 17 (page 16 of the fourth reprint), clause E—2.1(e), line 1] Substitute '120° cast steel vee block for '120° vee block.'	1976-04-30	
41. IS : 4995 (Pt. II)—1974 Criteria for design of reinforced concrete bins for storage of granular and powdery materials part II design criteria (first revision).	—	No. 1 Jun. 1976	(i) (Page 13, clause 5.5.4, against explanation of n)—Substitute '0.0003' for '0.003'. (ii) (Page 16, clause 5.7.3, line 4)—Substitute '2.5 percent' for '25 percent'.	1976-06-30	
42. IS : 5502—1969 Specification for smooth-wheeled diesel road roller.	S.O. 5032 dated 1971-11-06	No. 1 Nov. 1975	(i) (Page 10, Table 2, heading of col. 3)—Delete 'Min'. (ii) Clauses 16.1 and 17.1 have been substituted by new ones.	1975-11-30	

1	2	3	4	5
				(iii) (Page 11, clause 17.2, second sentence) Delete.
				(iv) [Page 13, clause 26.1.(g)] Substitute 'Line pressure' for 'contact pressure'.
				(v) [Page 13, clause 26.1(h)] Delete this item.
43. IS : 5513—1969 Specification for vicat apparatus.	S.O. 1387 dated 1975-05-03	No. 1 Nov. 1975		(i) [Page 4, Table 1 Sl. No. (viii), col 2]— 1975-11-30 Substitute 'Mould E, Mould E1 and clamping ring' for 'Mould E'. (ii) Clause 4.5.1 has been added after clause 4.5.
44. IS : 6179—1971 Specification and safety requirements for rigid sided playpens.	S.O. 3055 dated 1973-10-27	No. 1 Jun. 1976		(i) (Page 4, clause 3.1.4(b))—Substitute 1976-60-30 IS : 151—1950 and for 'IS : 2932—1964‡'. (ii) (Page 4, foot-note with '‡' mark)— Substitute the following for the existing foot-note with '‡' mark: '‡Specification for ready mixed paint, spraying, finishing, stoving, enamel, for general purposes, colour as required'.
45. IS : 6235—1971 Dimensions of pot-croes made of ferromagnetic oxides and associated	S.O. 231 dated 1974-01-26	No. 2— Jun. 1976		Table I has been amended. 1976-06-30
46. IS : 6297 (Pt I)—1971 Specification for transformers and inductors (power, audio pulse and switching) for electronic equipment Part I general requirements and tests.	S.O. 3255 dated 1974-11-24	No. 3— May 1976		(i) Clause 6.2.1.7 have been amended. 1976-05-31 (ii) Clause 6.2.3.3 have been added after clause 6.2.3.2 and the subsequent clauses and figures re-numbered accordingly wherever they appear.
47. IS : 6315—1971 Specification for floor springs (Hydraulically regulated) for heavy doors.	S.O. 510 dated 1974-02-23	No. 1 Aug. 1975		(i) (Page 4, clause 2.6, line 2)—Delete the 1975-08-31 word 'door'. (ii) Fig. 1 has been substituted by a new one. (iii) Clauses 7.2., 8.1 and 8.4 have been substituted by new ones. (iv) (Page 8, clause 8.2., line 2)—Substitute '20 seconds' for '2 seconds'.
48. IS : 7142—1974 Specification for welded low carbon steel gas cylinder for low pressure liquefiable gases, not exceeding 5 litre water capacity.	S.O. 776 dated 1976-02-21	No. 1 Sep. 1975		(i) Clauses 5.1.3 and 9.1 have been substituted by new ones. 1975-09-30 (ii) (Page 10, clause 8.1, first sentence)— Substitute the following for the existing first sentence: 'Each heat treated cylinder shall be subjected to hydrostatic test.' (iii) [Page 11, clause 11.1(a)]—Substitute the following for the existing text: (a) Tensile tests—One is longitudinal direction and one in transverse direction on plate material.
49. IS : 7142—1974 Specification for welded low carbon steel gas cylinder for low pressure liquefiable gases, not exceeding 5 litre water capacity.	S.O. 776 dated 76-02-21	No. 2— Mar 1976		(i) First paragraph of clause 11.2.1 has 1976-03-31 been substituted by a new one.
50. IS : 7394—1974 Specification for high density polyethylene containers (jerry cans) for petroleum reserve fuel with nominal volume up to 5 litres.	—	No. 1 May 1976		(i) clauses 3.1.1 and 3.1.2 have been 1976-05-31 amended. (ii) (Page 4, foot-note, line 3)—Substitute the following for the existing foot-note:

1	2	3	4	5	6
				†Specification for high density polyethylene materials for moulding and extrusion.	
51. IS : 7430—1974 Dimensions of screw cores made of ferromagnetic oxides.	—	No. 1 Jun. 1976	Table I has been amended.		1976-06-30
52. IS : 7460—1974 Tolerances for tapered roller bearings.	—	No. 1 July 1976	Figures under clause 3 have been substituted by a new one.		1976-07-31
53. IS : 7461—1974 General plan of boundary dimensions for tapered roller bearings.	—	No. 1 July 1976	Figures under clause 3.1 have been substituted by a new one.		1976-07-31
54. IS : 7634 (Pt. III)—1975 Code of practice for plastics pipe work for potable water supplies Part III laying and jointing of unplasticized PVC pipes.	—	No. 2 May 1976	(i) Clause 2.2.4.1 (b) has been amended. (ii) [Page 6, clause 2.2.4.1(d), line 3]—Substitute 'end' for 'and'. (iii) [Page 7, clause 2.2.4.2(d) (5), line 1]—Substitute 'not' for 'hot'.		1976-05-31
55. IS : 7741 (Pt. I)—1975 Specification for loudspeakers Part I general requirements and tests.	—	No. 1 Jun. 1976	(Page 18, clause 4.1, Informal Table, last row)—Delete.		1976-06-30

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13: 51
A.P. BANERJI, Dy. Director Genl.]

उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 2 मई, 1979

का.भा. 1525.—उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.भा. 3544 दिनांक 24 सितम्बर, 1976 में प्रांशिक संशोधन करते हुए और सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत वखलकार की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री वि. के. शिंदे, उपप्रबन्धक (नगर प्रशासन), बी.एच.ई.एल., भोपाल जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के स्तर के समकक्ष अधिकारी है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त अधिनियम द्वारा या के अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और सौंपे गये कर्तव्यों का पालन स्थायी सीमाओं के अन्दर करेगा जैसा अधिसूचना का.भा. संख्या 1891 दिनांक 22 जून, 1972 की अनुसूची में परिभाषित किया गया है।

[का. सं. 14-3/74-एच.ई.एम.]

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 2nd May, 1979

S.O. 1525.—In partial modification of the Ministry of Industry's Notification No. S.O. 3544 dated the 24th September, 1976 and in exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby appoints Shri V. K. Shinde, Dy. Manager (Town Administration), B. H. E. L., Bhopal being officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on Estate Officer, by or under the said Act, within the local limits as defined in the schedule to Notification S.O. No. 1891 dated 22nd June, 1972.

[F. No. 14-3/74-HEM]

का. भा. 1526.—मूलपूर्व भारी उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना जो राजपत्र दिनांक 24 अगस्त, 1974 के भाग 2 में पृष्ठ 2339 पर संख्या का. भा. 2181 के अन्तर्गत प्रकाशित हुई थी, में प्रांशिक संशोधन करते हुए और सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत वखलकार की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का केन्द्रीय अधिनियम 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री श्री विजय शंकर उप-प्रबंधक (कार्मिक), बी. एच. ई. एल., हरिद्वार जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के स्तर के समकक्ष अधिकारी है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त अधिनियम द्वारा या के अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और सौंपे गये कर्तव्यों का पालन स्थायी सीमाओं के अन्दर करेगा जैसा दिनांक 4-10-75 की पृष्ठ 3597 की अधिसूचना का. भा. संख्या 4296 की अनुसूची में परिभाषित किया गया है।

[का. सं. 14-3/74 एच. ई. एम.]

एन. सुब्रह्मण्यम,
अवर सचिव

S.O. 1526.—In partial modification of the erstwhile Ministry of Heavy Industry's Notification published under No. S. O. 2181 on page 2339 in Part II of the Gazette dated 24th August, 1974 and in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (Central Act 40 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri Vijay Shanker, Dy. Manager (Personnel) B. H. E. L. Haridwar, being officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on Estate Officer, by or under the said Act, within the local limits and defined in the schedule to Notification S.O. No. 4296 on page-3597 dt. 4-10-75.

[F. No. 14-3/74-HEM]
N. SUBRAHMANYAM, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1979

का०आ० 1527.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला बाने क्षेत्र (अर्जन और विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 844, तारीख 9 मार्च, 1978 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 1250.00 एकड़ (लगभग) या 506.00 हेक्टेयर (लगभग) 506 क्षेत्रफल वाली भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अधिप्राप्य है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भूमि में से, इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 1241.06 एकड़ (लगभग) या 502.239 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बेघन उनके लिए खुदाई करने और उन्हें तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें वोकर ले जाने के अधिकार अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1 : इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के नक्शों का निरीक्षण कलकत्ता, बिलासपुर (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), बिसेसर हाउस, टेम्पलरोड, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकेगा।

टिप्पण 2 : पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसमें निम्नानुसार व्यवस्था की गई है :—“अर्जन पर आपत्ति 8(8)(1) कोई व्यक्ति जो किसी

ऐसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के जारी होने के तीस दिन के भीतर समस्त भूमि या उसके किसी भाग के या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों के अर्जित करने पर आशेष कर सकेगा।

स्पष्टीकरण : किसी व्यक्ति द्वारा यह कहना कि वह स्वयं कोयले के उत्पादन के लिए भूमि में खनन प्रचालन करना चाहता है और यह कि ऐसे प्रचालन, केन्द्रीय सरकार द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं किए जाने चाहिए, इस धारा के अर्थ के अन्तर्गत आशेष नहीं होगा।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आशेष सक्षम प्राधिकारी को निश्चित रूप में किया जाएगा और सक्षम प्राधिकारी आशेषकर्ता को या तो व्यक्तिगत रूप में या विधिक व्यवसायी द्वारा बुने जाने का अवसर देगा तथा ऐसे सभी आशेषों को सुनने के पश्चात और ऐसी और जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात जो वह आवश्यक समझे, केन्द्रीय सरकार की ऐसी भूमि की जो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन सूचित की गई है या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों की बाबत या तो एक रिपोर्ट देगा या ऐसी भूमि के विभिन्न पार्सलों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों की बाबत विभिन्न रिपोर्ट देगा, जिसमें उस सरकार के विनिश्चय के लिए उसके द्वारा की गई कार्यवाहियों के अभिलेख सहित, आशेषों पर उसकी सिफारिशें होंगी।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए ऐसे व्यक्ति को भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा, जो प्रतिकर में हित का दावा करने का तब हकदार होगा, जब भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों को इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिया जाए।”

टिप्पण 3 : कोयला नियंत्रक, 1, कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

अनुसूची

राजगमर विस्तार ब्लॉक

(कोरबा कोयला क्षेत्र)

जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

रेखांक संख्या पी सी एल/सी 1 (ई) III/बी प्रार/202/1178, तारीख 1-11-1978

(जिसमें ऐसी भूमि दर्शाई की गई है जिसमें खनिजों के खनन, खदान, बेघन, खुदाई और तलाश अन्वेषण, इन पर कार्य करने और उन्हें ढोने के अधिकार अर्जित किये जाते हैं)

खनन अधिकार

क्रम सं०	ग्राम का नाम	क्षेत्र सं०	पु० सं०	तहसील और थाना	क्षेत्रफल (हेक्टर में)		योग टिप्पणी
					सरकारी भूमि	अधिकृत भूमि	
1. राजगमर		249	19	तहसील काट बोड़ा और जिला बिलासपुर	328.390	2.856	381.246
2. केराकछार		251	18	”	6.705	0.332	68.037 भाग
3. कोरकोमा		252	19	”	26.143	12.484	38.627 भाग
4. केरबा (असर्वेक्षित)		—	19	”	—	—	9.672 भाग
5. धेंगुरा की (असर्वेक्षित)		—	19	”	—	—	6.657 भाग
					420.238 हेक्टर (लगभग) या 1038.43 हेक्टर (लगभग)	65.672 हेक्टर (लगभग) या 162.28 हेक्टर (लगभग)	502.239 हेक्टर (लगभग) या 1241.06 हेक्टर (लगभग)

राजगमर ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं० :

93/1पी, 93/2, 94 से 99, 100पी, 101, 102/2, 174 पी, 102/1, 103/1 से 103/3, 104, 105, 106/1, 106/2, 107 से 116, 117/1, 117/2, 118 से 122, 123/1 के पी, 123/1 के एच, 123/1पी, 123/1 जी एच, 123/2पी, 124 से 143, 144/1, 144/2, 145/1, 145/2 पी से 145/5पी, 162पी, 163पी, 146/2, 159, 164पी, 165 से 170, 171पी, 172/1पी, 172/2पी, 173पी, 284/1 केपी, 293पी, 294पी, 295पी, 295/1 केपी, 295/2, 296 से 300, 301, 302/1 के एचपी, 302/1 के, 302/1 जीपी, 302/2पी, 303 से 308, 309, 311/3, 310/1पी, 310/2पी, 311/1पी, 321, 323/1पी, 719/2पी, 723पी, 724/1पी, 730/1पी, 731 से 734, 735पी, 736 पी, 737/1के, 737/1जीपी, 737/1 के एच, 738/1 से 738/4, 739, 740, 741/1 के पी, 742/1, 743/1पी, 741/2, और 742/2 743/2.

ग्राम केराकछार में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं० :

49पी, 86/1पी और 87, :

ग्राम कोरकोमा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं० :

1/1पी, 1/2पी, 2-17/2, 3-14-15-16-17/1, 4-6-12/1-13/1पी, 5-7पी, 12/2पी, 13/2पी, 17/3, 17/4-19-20-17/5, 18, 21/1पी, 21/2पी और 43/1पी।

ग्राम केरवा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं० :

(असर्वक्षित)

ग्राम बेंगुरडीह में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं० :

(असर्वक्षित)

सीमा वर्णन :

क—ख	रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट सं० 93/1, 123/1के, 123/2 से होकर जाती है और प्लाट सं० 311/1 में, बिन्दु "ब" पर मिलती है।
ख—ग—घ	रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट सं० 311/1, 310/1, 302/1 के
ङ—च—छ—ज	302/1पी, 302/1 के एच, 301, 301/2, 323/1, 736, 735, 730/1, 724/1, 723, 719/2 और ग्राम राजगमर और केरवा (असर्वक्षित) की सम्मिलित सीमा के बिन्दु "ज" पर मिलती है।
झ—झ—अ	रेखा ग्राम राजगमर और केरवा (असर्वक्षित) की सम्मिलित सीमा के निकट से गुजरती है और ग्राम राजगमर और केराकछार से होकर जाती है और बिन्दु "अ" पर मिलती है।
आ—ट—ठ	रेखा ग्राम केराकछार के प्लाट सं० 49, 86/1 और ग्राम केरवा (असर्वक्षित) और तत्पश्चात् ग्राम राजगमर के प्लाट सं० 742/1 743/1 से होकर जाती है और प्लाट सं० 741/1 के बिन्दु "ठ" पर मिलती है।
ड—ड	रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट सं० 741/1 से होकर ग्राम कोरकोमा के प्लाट सं० 43/1, 21/2 से जाती है और प्लाट सं० 21/1 में बिन्दु "ड" पर मिलती है।
ड—ड	रेखा ग्राम कोरकोमा के प्लाट सं० 21/1, से 4-6-12/1-13/1, 12/2, 13/2, 1/2, 1/2, 5-7 से और तत्पश्चात् ग्राम बेंगुरडीह (असर्वक्षित) और ग्राम राजगमर से होकर जाती है और प्लाट सं० 737/1 के-737/1 जी में बिन्दु "ड" पर मिलती है।
ड—ग—त	रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट सं० 737/1 के "737/1 जी, 294, 293, 295/1 के, 284/1 के, 302/2, 302/1के, 302/1जी, 145/3, 145/4, 145/5, 146/2, 159, 164, 163, 162, 171, 172/2, 173, 101-102/2, 174, 100 से होकर जाती है और प्लाट सं० 93/1 में बिन्दु "त" पर मिलती है।
त—क	रेखा ग्राम राजगमर से होकर जाती है और प्लाट सं० 93/1 में प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19(63)77-सी०एल०]

एल० आर० ए० रिजनी, निदेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 28th April, 1979

S.O.1527.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal No. S.O. 844 dated the 9th March, 1978, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 1250.00 acres (approximately) or 506.00 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification.

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 1241.06 acres (approximately) or 502.239 hectares (approximately) out of the said lands and described in the Schedule appended hereto.

Note 1.—The plans of the areas covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Bilaspur (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1-Council House Street, Calcutta, or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Biseaser House, Temple Road, Nagpur (Maharashtra).

Note 2.—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act, which provide as follows :

OBJECTIONS TO ACQUISITION :

"8(1)—Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation.—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the Competent authority in writing and the competent authority shall give the objectors an opportunity of being

heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendation on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under his Act."

Note 3—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE**RAJGAMAR EXPANSION BLOCK****(KORBA COALFIELD)****(DISTRICT-BILASPUR (MADHYA PRADESH))**

Drawing No. WCL/C-1(E) III/DR/202.1178

Dated : 1-11-1978

(Showing the lands where rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry a way minerals are to be acquired).

MINING RIGHTS

Sl. No.	Name of Village	Khewat No.	P.C. No.	Tahsil & District	Area in Hectares		Total	Remarks
					Govt. land	Tenancy land		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Rajgamar	249	19	Tahsil Katghora & District Bilaspur.	328.390	52.856	381.246	Part
2.	Kerakhhar	251	18	"	65.705	0.332	66.037	Part.
3.	Korkoma	252	19	"	26.143	12.484	38.627	Part.
4.	Kerwa (Un-surveyed)	—	19	"	—	—	9.672	Part.
5.	Dhengurdih (Un-surveyed)	—	19	"	—	—	6.657	Part.
					420.238 Hectares (approx- imately) or 1038.43 acres (approx- imately.	65.672 Hectares (approx- imately) or 162.28 acres (approx- imately	502.239 Hectares (approx- imately) or 1241.06 acres. (approx- imately.	

Plot numbers to be acquired in village Rajgamar :

93/1P, 93/2, 94 to 99, 100P, 101-102/2-174P, 102/1, 103/1 to 103/3, 104, 105, 106/1, 106/2, 107 to 116, 117/1, 117/2, 118 to 122, 123/1Kh, 123/1Kh, 123/1 G, 123/1 Gh, 123/2 P, 124 to 143, 144/1, 144/2, 145/1, 145/2P to 145 /5P, 162P, 163P, 146/2-159-164 P, 165 to 170, 171P, 172/1P, 172/2P, 173P, 284/1K P, 293P, 294P, 295/1KP, 295/2, 296 to 300, 301-302/1 kh P, 302/1K-302/1 GP, 302/2P, 303 to 308, 309-311/3, 310/1P, 310/2P, 311/1P, 321, 323/1P, 719/2P, 723P, 724/1P, 730/1P, 731 to 734, 735 P, 736 P, 737/1K-737/1GP, 737/1Kh, 738/1 to 738/4, 739, 740, 741/1KP, 742/1-743/1P, 741/2 and 742/2-743/2.

Plot numbers to be acquired in village Kerakachhar :

49P, 86/1P and 87.

Plot numbers to be acquired in village Korkoma :

1/1P, 1/2P, 2—17/2, 3—14—15—16—17/1, 4—6—12/1—13/1P, 5—7P, 12/2P, 13/2P, 17/3, 17/4—4—19—20, 17/5, 18, 21/1P, 21/2P and 43/1P.

Plot numbers to be acquired in village Kerwa :

Un-surveyed.

Plot numbers to be acquired in village Dhengurdih :

Un-surveyed.

Boundary Description :

A—B—Line passes through village Rajgamar in plot nos. 93/1, 123/1K, 123/2, and meets in plot no. 311/1 at point 'B'.

B—C—D—Line passes through village Rajgamar in plot nos.

E—F—G—311/1, 310/1, 302/1K, 302/1G, 302/1Kh—301, 310/2,

H—323/1, 736, 735, 730/1, 724/1, 723, 719/2 and meets at the common boundary of villages Rajgamar and Kerwa (u/s) at point 'H'.

H—I—J—Line passes along the common boundary of villages Rajgamar and Kerwa (u/s.) and then villages Rajgamar and Kerakachhar and meets at point 'J'.

J—K—L—Line passes through village Kerakachhar in plot nos. 49, 86/1 and then proceeds through village Kerwa (u/s.) and village Rajgamar in plot no. 742/1—43/1 and meets in plot no 741/1K at point 'L'.

L—M—Line passes through village Rajgamar in plot no. 741/1K and then proceeds through village Korkoma in plot nos. 43/1, 21/2 and meets in plot no. 21/1 at point 'M'.

M—N—Line passes through village Korkoma in plot nos. 21/1, 4—6—12/1—13/1, 12/2, 13/2, 1/2, 1/1, 5—7 and then proceeds through village Dhengurdih (u/s.) and village Rajgamar and meets in plot no. 737/1K—737/1G at point 'N'.

N—O—P—Line passes through village Rajgamar in plot nos. 737/1K—737/1G, 294, 293, 295/1K, 284/1K, 302/2, 302/1K—302/1G, 145/3, 145/4, 145/5, 146/2—159—164, 163, 162, 171, 172/2, 173, 102/102/2—174, 100 and meets in plot no. 93/1 at point 'P'.

P—A—Line passes through village Rajgamar and meets in plot no. 93/1 at the starting point 'A'.

[No. 19(63)/77 CL]

S.R.A. RIZVI, Director

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1979

क्रा०अ० 1528.—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सबनऊ) नियमावली, 1979 के नियम 1 के खंड (3) के अधुसूचन में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त नियमावली को 30 अप्रैल, 1979 से निम्नलिखित क्षेत्रों में भी लागू करती है, अर्थात् :—

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना औषधालय संख्या 1 जो 21 कुणा कालोनी फंजाबाद रोड, सबनऊ में स्थित है।

दक्षिण में शहर की पूर्वी सीमा और गोमती नदी के उत्तरी किनारे अंकन से प्रारम्भ होकर गोमती नदी के उत्तरी किनारे के साथ-साथ पश्चिम को बढ़ते हुए उत्तर पूर्व रेल लाइन तक (सीतापुर लाइन)।

पश्चिम में रेलवे लाइन और गोमती नदी के अंकन से रेल लाइन (सीतापुर लाइन) के साथ-साथ उत्तर को बढ़ते हुए शहर की उत्तरी सीमा तक।

उत्तर और पूर्व में वह क्षेत्र जो शहर की उत्तर और पूर्वी सीमा रेखा से घिरा हुआ है। इस क्षेत्र में सीतापुर रेलवे लाइन के पूर्व में डाक बितरण जोन संख्या 13, जोन संख्या 6 और 7 भी शामिल है।

इसके अतिरिक्त घाने वाले मुख्य क्षेत्र हैं—राम सागर मिश्रा नगर, गोबपुरा, जुगाली, रहीम नगर, महानगर, बाबसाह नगर, बांजगंज, भू, हैदराबाद कालोनी और निहात गंज, रैतासपुर, अलीगंज, निरासा नगर और डालीगंज।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना औषधालय संख्या 2 जी, 6 बालमीकी मार्ग, सबनऊ में स्थित है।

उत्तर में शहर की पूर्वी सीमा लाइन और गोमती नदी के दक्षिणी किनारे के अंकन से लेकर पश्चिम की ओर जाते हुए उत्तर-पूर्व रेल लाइन तक (सीतापुर लाइन)।

पश्चिम में सीतापुर लाइन और गोमती नदी के अंकन से प्रारम्भ होकर रेल लाइन के साथ-साथ दक्षिण की ओर जाते हुए रेलवे लाइन और सुभाष मार्ग के अंकन तक। यहां से दक्षिण की ओर सुभाष मार्ग के साथ-साथ कास कानपुर रोड से सबनऊ रेलवे स्टेशन तक।

दक्षिण में बार बाग रेलवे स्टेशन से चल कर उत्तरी रेलवे लाइन के साथ पूर्व की ओर (फंजाबाद लाइन) जाते हुए गोमती नदी तक।

पूर्व में इसका क्षेत्र गोमती नदी से लगा हुआ है। इस क्षेत्र में डाक बितरण जोन संख्या 1 और डाक बितरण जोन संख्या 4 का कुछ भाग जो कि सुभाष मार्ग के पूर्व में तथा गंगा प्रसाद रोड और घमीनाबाद रोड के बीच स्थित है।

[सं० एन० 11012/1/79-के०सं०स्वा०यो० (नीति) की]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 21st April, 1979

S.O. 1528.—In pursuance of clause (3) of rule 1 of the Central Government Health Scheme (Lucknow) Rules, 1979, the Central Government hereby extends the said rule with effect from the 30th April, 1979 to the following areas, namely :—

Central Government Health Scheme Dispensary No. 1 at, 21, Krishna Colony, Faizabad Road, Lucknow.

On the south starting from the junction of the city eastern boundary line and the Northern Bank of the river Gomti proceed West along with the Northern Bank of the river Gomti upto N. E. Railway line (Sitapur line).

On the East from the junction of the Railway line and river Gomti proceed northwise along the Railway line (Sitapur line) upto the Northern boundary line of the city.

On the North and East the area is bounded by the Northern and Eastern city boundary line.

The area includes postal delivery Zone No. 13, Zone No. 6 & 7 east of Sitapur Railway line.

The main areas included are Ram Sagar Misra Nagar, Sheikpura, Jugauli, Rahim Nagar, Mahanagar, Badshah Nagar, Chandganj, New Hyderabad Colony and Nishat Ganj, Raitasur Aliganj, Nirala Nagar and Daliganj.

Central Government Health Scheme Dispensary No. 2 at 6, Valmiki Marg, Lucknow.

On the North starting from the junctions of the city eastern boundary line and south bank of the river Gomti proceed West upto the N. E. Railway line (Sitapur Line).

On the West starting from the Junction of the Sitapur line and Gomti river proceed South ward along the railway line upto the junction of the Railway line and Subhash Marg, then proceed Southward along Subhash Marg Cross, Kanpur Road upto Lucknow Railway Station.

On the South starting from the Charbagh Railway Station proceed Easternward along the Northern Railway Line (Faizabad Line) proceed upto river Gomti.

On the East the area is bounded by the river Gomti. The area included is postal delivery Zone No. 1 and the portion of the delivery Zone No. 4 situated on the eastern side of Subhash Marg and in between Ganga Prasad Road and Aminabad Road.

[No. S. 11012/1/79-CGHS (P) (B)]

क्र.सं. 1529.—संविधान के अनुच्छेद 309 और अनुच्छेद 148 के खंड (5) के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय सेवा परीक्षा तथा सेवा विभाग में कार्य कर रहे व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक और महासेखा परीक्षक से परामर्श करने के बाद राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सबजन) नियम, 1979 है।

(2) ये 30 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त होंगे।

(3) ये सबजन शहर, छावनी क्षेत्र, नौटीकाहट एरिया कमेटी, यदि कोई हो, अथवा ऐसे अन्य निकटवर्ती क्षेत्र जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट किए जाएं, लागू होंगे।

(4) ये सबजन शहर में अथवा उप-नियम (3) में उल्लिखित किसी अन्य क्षेत्र तथा इन इलाकों में रह रहे निम्नलिखित वर्ग के कर्मचारियों को छोड़कर केन्द्रीय सरकार के उन सभी कर्मचारियों जिसके मुख्यालय इन्हीं इलाकों में स्थित हैं, पर लागू होंगे, अर्थात् :—

(क) रेल सेवा में नियुक्त व्यक्ति ;

(ख) सिविलियन सरकारी कर्मचारियों को छोड़कर रक्षा सेवा अनुमानों से वेतन प्राप्त कर रहे सभी व्यक्ति (इनमें गैर-औद्योगिक कर्मचारी शामिल नहीं हैं) ;

(ग) वे व्यक्ति जो सरकार की पूर्णकालीन सेवा में नहीं हैं ;

(घ) आकस्मिकता निधि में से वेतन प्राप्त कर रहे व्यक्ति।

2. ऐसी योजना से संबंधित जो अनुदेश दिल्ली में लागू हैं वे सबजन और अन्य क्षेत्रों में भी लागू होंगे।

3. सेंट्रल सर्विसेज (मेडिकल अटेंडेंस) रूल्स, 1944 अथवा प्रास इण्डिया सर्विसेज (मेडिकल अटेंडेंस) रूल्स, 1954 में निहित किसी बात के होते हुए केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना से संबंधित केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए जो अनुदेश दिल्ली में लागू हैं वे नियम 1 के उप-नियम (4) में उल्लिखित व्यक्तियों के संबंध में यहां परिवर्तित रूप में लागू होंगे।

[सं. एत. 11012/1/79-के.म.स्वा.सं. (नीति) (ए)]

श्रीमती आशा शर्मा, अवर सचिव

S.O. 1529.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Government Health Scheme (Lucknow) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the 30th April, 1979.

(3) They shall extend to the city of Lucknow, cantonment area, notified area committee, if any or such other contiguous areas, as the Central Government may from time to time, by notification in the Official Gazette specify.

(4) They shall apply to all persons serving in connection with the affairs of the Union, stationed and having their headquarters at Lucknow or in any other area referred to in sub-rule (3) and residing therein except the following, namely :—

(a) persons employed in Railway Services ;

(b) all persons, other than civilian Government servants (excluding non-industrial workers), paid from the Defence Services estimates ;

(c) persons not in whole time service of the Government ;

(d) persons paid out of contingencies.

2. The instructions relating to such scheme in force in Delhi, to apply to Lucknow and other areas.

3. Notwithstanding anything contained in the Central Services (Medical Attendance) Rules, 1944, or the All India Services (Medical Attendance) Rules, 1954, the instructions issued from time to time by the Central Government relating to the Central Government Health Scheme as in force in Delhi shall apply mutatis-mutandis in respect of persons mentioned in sub-rule (4) of rule 1.

[No. S. 11012/1/79-CGHS(PXA)]

Mrs. ASHA SHARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1979

क्र०अ० 1530.—यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 10) की धारा 7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अनुसरण में उस्मानिया विश्व-विद्यालय ने डा० बाई०भार० रेड्डी, डीन, चिकित्सा संकाय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद को डा० जी० नर्सिंगराव के स्थान पर 17 मार्च, 1979 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मृतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या एस०बी० 138 में निम्नलिखित और संशोधित करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 12 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"12. डा० बाई०भार० रेड्डी,
डीन, चिकित्सा संकाय,
उस्मानिया विश्वविद्यालय,
हैदराबाद-500007"।

[सं० बी० 11013/7/79-एम०ई० (पी०)]

भार० बी० श्रीनिवासन, उप सचिव

New Delhi, the 27th April, 1979

S.O. 1530.—Whereas in pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Y. R. Reddy, Dean, Faculty of Medicine, Osmania University, Hyderabad, has been elected by the Osmania University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 17th March, 1979 vice Dr. G. Narsing Rao ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the late Ministry of Health No. S.O. 138 dated the 9th January, 1960 namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for Serial No. 12 and the entry relating thereto; the following Serial No. and entry shall be substituted namely :—

"12. Dr. Y. R. Reddy,
Dean, Faculty of Medicine,
Osmania University,
Hyderabad-500007".

[No. V. 11013/7/79-M.E. (Policy)]

R. V. SRINIVASAN, Dy Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(बाघ विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1979

क्र०अ० 1531—इस विभाग के तारीख 11-10-72 के आदेश संख्या 52/21/68-भार० ई० 1 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें :—

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
260	कालम 2 में "श्री ए०के० नायर" के स्थान पर "श्री पी०एन०ए० नायर" पढ़ें।

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
----------------------------------	------------------------

1908	कालम 2 में "श्री हासी देवराम चिमोनजी" के स्थान पर "श्री हासे देवराम चिममजी" पढ़ें।
1910	कालम 2 में "श्री लक्ष्मा बी० मोगुल" के स्थान पर "श्री लक्ष्मण बी० मोगुल" पढ़ें।
329	कालम 2 में "श्री बी०जे० फिरबानी" के स्थान पर "श्री बी०जे० पीरबानी" पढ़ें।

2. इस विभाग के तारीख 4-7-75 के आदेश संख्या 52/22/74-एफ०सी०-III (बास्पू-II) में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें :—

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
----------------------------------	------------------------

102	कालम 2 में "श्री एस०एस० सास्वा" के स्थान पर "श्री एच०एस० सास्वे" पढ़ें।
-----	---

3. इस विभाग के तारीख 16-1-78 के आदेश संख्या 52/22/74-एफ०सी०-III (बास्पू-9) में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें :—

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
----------------------------------	------------------------

14	कालम 2 में "श्री डी०बी० के लूस्कर" के स्थान पर "श्री डी०बी० कालूस्कर" पढ़ें।
----	--

4. इस विभाग के तारीख 10-7-78 के आदेश संख्या 52/22/74-एफ०सी०-III (बास्पू-10) में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें :—

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
----------------------------------	------------------------

35	कालम 2 में "श्री देवेन्द्रगिरि" के स्थान पर "श्री देवेन्द्रगिरि बी०" पढ़ें।
----	---

38	कालम 2 में "श्री जीबा मोती" के स्थान पर "श्री जीबराज मोतीबाई" पढ़ें।
----	--

58	कालम 2 में "श्री भावजी देवजी घोबिन" के स्थान पर "श्री भावजी देवजी वासी" पढ़ें।
----	--

[सं० 52/1/79-एफ०सी०-III (बास्पू-II)]

एस०एस० कम्बोह, प्रवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

Department of Food

CORRIGENDA

New Delhi, the 21st, April, 1979

S.O. 1531 :—In this Department Order No. 52/21/68-R.E.I. dated 11-10-72, the following corrections shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
260	For the words "Shri A.K. Nair" in col. 2, read "Shri P.N. A. Nair".
1906	For the words "Shri Hasi Deoram Chionaji" in col. 2, read "Shri Hase Deoram Chimnaji".
1910	For the words "Shri Laxman V. Mogul" in col. 2, read "Shri Laxman V. Mogal".
329	For the words "Shri V.J. Phirwani" in col. 2, read "Shri V.J. Pirwani".

II. In this Department Order No. 52/22/74-FC. III (Vol. II) dated 4-7-75, the following correction shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
102	For the words "Shri S.S. Salva" in col. 2, read "Shri H.S. Salve".

III. In this Department Order No. 52/22-74-FC. III (Vol. IX) dated 16-1-78, the following correction shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order.	Correction to be carried out
14	For the words "Shri D.V. Keluskar" in col. 2, read "Shri D.V. Kaluskar".

IV. In this Department Order No. 52/22/74-FC. III (Vol. X) dated 10-7-1978, the following corrections shall be carried out :

Sl. No. in the Transfer Order	Corrections to be carried out.
35	For the words "Shri Devendergiri" in col. 2, read "Shri Devendergiri P."
38	For the the words "Shri Jiva Moti" in col. 2, read "Shri Jivraj Motibhai".
58	For the words "Shri Mavji Devji Dhobin" in col. 2, read "Shri Mavji Devji Dabhi".

[No. 52/1/79-FC. III(Vol. II)
S.L. KAMBOH, Under Secy.

प्रदेश

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1979

क्र० जा० 1532.—प्रतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपार्पित निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारण, संचालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपार्पित निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिबर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उनमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्तर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आग्रह की उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

प्रतः भव खाद्य निगम अधिनियम 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानांतरित करती है :—

क्रम अधिकारी/कर्मचारी का सं०	नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थानांतरण के समय पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानांतरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री कल्प नाथ राम	वाचमैन	डस्टिंग ऑपरेटर	1-3-69
2.	श्री जोगेंद्र पाल	चपरासी	मन्देशवाहक	1-3-69
3.	श्री बी० के० बाजपाल	गोदाम क्लर्क	गुण निरीक्षक-1	1-3-69

[संख्या 52/1/79-एफ०सी० III (वास्तुम-II)]

ORDER

New Delhi, the 23rd April, 1979

S. O. 1532.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section (1) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the Officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1	2	3	4	5
1.	Shri Kalpa Nath Ram	Watchman	Dusting Operator	1-3-69
2.	Shir Joginder Pal	Peon	Messenger	1-3-69
3.	Shri B.K. Bajpal	Godown Clerk	Quality Inspector-I	1-3-69

[No. 52/1/79-FC. III (Vol. II)]

आदेश

क्र० आ० 1533 :—अतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपायुक्त निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा सेवा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारकरण, संवहन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपायुक्त निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा सेवा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिबर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 18 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उनमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्तर्गत भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः इन खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दो गद्दी तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

कर्म अधिकारी/कर्मचारी का सं० नाम	केन्द्रीय सर- कार के अधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सर- कार के अधीन पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्- रण की तारीख
1	2	3	4
1. श्री के० एम० तिवारी	--	उ० अ० लि०	25-4-69
2. श्री वी० मुन्नशाण्वम्	जपरामी	जपरामी	31-12-70

[मं० 52/5/79-एफ०सी० III]

एच० एम० कम्बोई, अवर सचिव

ORDER

S.O. 1533 :—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (1) of section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the Officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of Transfer to the FCI.
1	2	3	4	5
1.	Shri K.M. Tiwari	—	U.D.C.	25-4-69
2.	Shri V. Subramaniam.	Peon	Peon	31-12-70

[No. 52/5/79-FC-III]

S.L. KAMBOH, Under Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1534 :—अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 3(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री वेद प्रकाश, आई० ए० एच० एम० को तत्काल तथा भगले आदेशों तक भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के पूर्ण कालिक सदस्य (वित्त तथा प्रशासन) के रूप में नियुक्त करती है।

[मं० ए० सी०-24011/37/77-ए० ए० भाग]

गोपान चतुर्वेदी, उप-सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th April, 1979

S.O. 1534.—In exercise of the powers conferred by Section 3(3) of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri Ved Prakash, IA&AS, as whole time Member (Finance & Administration) of the International Airports Authority of India with immediate effect and until further orders.

[No. AV. 24011/37/77-AA Part]

GOPAL CHATURVEDI, Dy. Secy.

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 1535.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing)

No. S. O. 987, dated the 17th March, 1979 published at pages 802-803, of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 17th March, 1979. In clause 2, sub-clause (3), item (iv), for words "sub-item (v)" read "sub-item iv".

[LDC/12/78]

V.SANKARALINGAM, Under Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1979

का० आ० 1536 :—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुपालन में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) मण्डल अधीक्षक के कार्यालय, मुरादाबाद, उत्तर रेलवे को, जहां के कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है।

[सं० हिन्दी-78/रा०भा० 15/7]

प्र० न० मोहिले, सचिव, रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 24th April, 1979

S.O. 1536.—In pursuance of Sub-Rules (2) & (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the Office of the Divisional Superintendent, Moradabad, Northern Railway, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. Hindi-78/OL-15/77]

P. N. MOHILE, Secy., Railway Board and Ex. Officio Jt. Secy.,

Government of India.

संचार मंत्रालय

डाक तार बोर्ड

नई दिल्ली, 28 अप्रैल 1979

का० आ० 1537 :—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-1965 के नियम 9 के उप-नियम 2, नियम 12, के उप-नियम 2, की धारा (ख) और नियम 34 के साथ पढ़े गए नियम 24 के उप नियम (1) में प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा भारत सरकार संचार मंत्रालय (डाक-तार) को अधिसूचना सं० एस० आर० ओ० 620 दिनांक 28 फरवरी, 1957 में पुनः निम्न संशोधन करते हैं; अर्थात्—

उपरोक्त अधिसूचना की अनुसूची में—

(1) "भाग-II--सामान्य केन्द्रीय सेवा, श्रेणी ग" में शीर्ष "तार भंडार और नियंत्रक तार भंडार (स्टोर डिपो सहित) का कार्यक्रम" में के स्थान 68 GI/79-6.

पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात् :—

1	2	3	4
महाप्रबंधक, दूरसंचार भंडार और तार भंडार नियंत्रक (स्टोर डिपो सहित) का कार्यालय :	उच्च एवं निम्न सेक्शन ग्रेड के कर्मचारी अथवा जूनियर इंजीनियरों यायर- लेस सुपरवाइजरों का समान वेतनमान	उपमहा- प्रबंधक उपमहा- प्रबंधक	सभी महा प्रबंधक
		सहायक महा- प्रबंधक नियंत्रक तार भंडार	(1) उपमहा- प्रबंधक (4) तक
सभी अन्य पद	सहायक महा- प्रबंधक, नियंत्रक तार भंडार	सहायक महा- प्रबंधक, नियंत्रक तार भंडार तार इंजी० सेवा श्रेणी-II के अधिकारी अथवा कार्य- भार अधि- कारी, स्टोर डिपो, अथवा प्रशासनिक अधिकारी	सभी उप महा- प्रबंधक उप-महा प्रबंधक (1) सहायक महा- प्रबंधक, नियं- (4) त्रक, तार भंडार

(2) "भाग-II सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-ग" में शीर्ष "तार भंडार और वर्कशाप और अन्य कार्यालय जिनके कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत" और उसके नीचे हुई प्रविष्टि निकाल दी जाएगी।

(3) "भाग-III सामान्य केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-घ" (क) शीर्ष "मुख्य नियंत्रक, तार भंडार और नियंत्रक तार भंडार (स्टोर डिपो सहित) का कार्यालय" के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाएंगी अर्थात् :—

"महाप्रबंधक, दूरसंचार भंडार और नियंत्रक तार भंडार (स्टोर डिपो सहित) का कार्यालय"

(ख) उपरोक्त (क) में दिए गए "सभी पदों के सामने प्रविष्टि" उप मुख्य नियंत्रक, तार भंडार जो कालम 5 में दी गई है, के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी अर्थात् :—

"सहायक महाप्रबंधक"

(ग) शीर्ष "मुख्य लेखा अधिकारी, तार भंडार और वर्कशाप और अन्य कार्यालय जिनके कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत" और उसके नीचे की प्रविष्टि निकाल दी जाएगी।

[सं० 153/18/78-अनु० II]

वी० एस० राव, सहायक महानिदेशक (अनुशासन)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 26th April, 1979

S.O. 1537.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. S.R.O. 620, dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification :—

(1) In "Part II—General Central Service, Group C", the heading, "Office of the Chief Controller of Telegraph Stores and Controllers of Telegraph Stores (including Store Depots)" and the entries thereunder shall be substituted by the following entries namely :—

1	2	3	4	5
Office of the General Manager Telecommunication Stores and Controllers of Telegraph Stores (including Store Depots) :				
Staff in Higher and Lower Section grades or in identical scale of pay; Junior Engineer; Wireless Supervisor	Deputy General Manager	Deputy General Manager	All	General Manager.
		Assistant General Manager; Controller of Telegraph Stores.	(i) to (iv)	Deputy General Manager.
All other Posts	Assistant General Manager	Assistant General Manager	All	Deputy General Manager.
	Controller of Telegraph Stores.	Controller of Telegraph Stores.	All	Deputy General Manager.
		Officer of T.E.S. Class II or Officer incharge of Stores	(i) to (iv)	Assistant General Manager; Controller of Telegraph Stores.

1	2	3	4	5
		Depot or Administrative Officer.		

(2) In "Part II—General Central Service Group C," the heading, "Office of the Chief Accounts Officer, Telegraph Stores and Workshops and other offices under his jurisdiction" and the entries thereunder shall be omitted.

(3) In "Part-III—General Central Service, Group D," (a) the heading, "Office of the Chief Controller, Telegraph Stores and Controllers of Telegraph Stores (including Store Depots)" shall be substituted by the following entries, namely :—

"Office of the General Manager, Telecommunication Stores and Controllers of Telegraph Stores (including Store Depots)";

(b) the entry, "Deputy Chief Controller of Telegraph Stores" appearing in column 5 against the entry, "All Posts" under the heading indicated in (a) above shall be substituted by the following entries, namely :—

"Assistant General Manager";

(c) the heading "Office of the Chief Accounts Officer, Telegraph Stores and Workshops and other offices under his jurisdiction" and the entries thereunder shall be omitted.

[No. 153/18/78-Disc. II]

V. S. RAO, Asstt. Director Genl. (Disc.)

नई दिल्ली, 2 मई, 1979

क्र० आ० 1538.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने सिवान टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-6-79 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[संख्या 5-12/79-सी०एच०बी०]

आर० सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक

New Delhi, the 2nd May, 1979

S.O. 1538.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S. O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-6-1979 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Siwan Telephone Exchange, Bihar Circle.

[No. 5-12/79-PHB]

R. C. KATARIA, Asstt. Director General

भ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1979

शुद्धिपत्र

क्र० आ० 1539.—भ्रम मंत्रालय के आदेश संख्या एल-12011/109/78 डी० 2-ए० दिनांक 20 मार्च, 1979 में, जिसके द्वारा इससे उपाख्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेंट्रल बैंक प्राधिकार, हैदराबाद और उनके कर्मचारियों के बीच औद्योगिक विवाद भेजा गया था, निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

ऊपर विनिर्दिष्ट आदेश की अनुसूची की लाइन 5 में आने वाले शब्दों "धारा 25" में संशोधन किया जाए और उन्हें "धारा 25 च" पढ़ा जाए।

[संख्या एल०-12011/109/78-डी. 2ए]

एस० के० मुकरजी, प्रवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 9th April, 1979

CORRIGENDUM

S.O. 1539.—The following amendment is made to the Ministry of Labour Order No. L-12011/109/78-D. II-A, dated the 20th March, 1979 referring the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India, Hyderabad and their workmen in respect of the matter referred to in the Schedule annexed thereto :—

The words, "Section 25" occurring in line 5 of the Schedule to the order referred to above may be amended to read as "Section 25F".

[No. L-12011/109/78-D. II-A.]

S. K. MUKERJEE, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1540.—खान मुख्य निरीक्षक ने, कोयला खान बचाव नियम, 1959 के नियम 3 के उपनियम (1) के खण्ड (i) के अनुसरण में, श्री इंद्रजीत सिंह, खान सुरक्षा निदेशक को, श्री चंद्र प्रकाश के स्थान पर केन्द्रीय कोयला खान बचाव केन्द्र समिति के अध्यक्ष के रूप में नाम-निर्दिष्ट किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला खान बचाव नियम, 1959 के नियम 3 के उपनियम (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के भ्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० क्र० आ० 1261, तारीख 3 अप्रैल, 1975 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, अध्यक्ष शीर्ष के अधीन, मद 1 के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"श्री इंद्रजीत सिंह, खान सुरक्षा निदेशक । नियम 3 के उपनियम (1) के खण्ड (i) के अधीन खान मुख्य निरीक्षक द्वारा नामनिर्दिष्ट निरीक्षक" ।

[क्र० सं० ए०-35017/3/78-एम०-I]

New Delhi, the 24th April, 1979

S.O. 1540.—Whereas the Chief Inspector of Mines has, in pursuance of clause (i) of sub-rule (1) of rule 3 of the Coal Mines Rescue Rules, 1959, nominated Shri Inderjit Singh, Director of Mines Safety, as President of the Central Coal

Mines Rescue Stations Committee vice Shri Chandra Prakash;

Now, therefore, in pursuance of sub-rule (1) of rule (3) of the Coal Mines Rescue Rules, 1959, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1261, dated the 3rd April, 1975, namely :—

In the said notification, under heading President, for the entries against item 1, the following entries shall be substituted, namely :—

An inspector nominated by the Chief "Shri Inderjit Singh, Director of Mines Safety. Inspector of Mines under clause (i) of sub-rule (1) of rule 3."

[F. No. A-35017/3/78-MI]

क्र० आ० 1541.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 83 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत कोकिंग कोल लिमिटेड से संबंधित कोयला खानों की पहली जनवरी, 1979 से 31 मार्च, 1979 तक तीन माह की अवधि के लिए उक्त अधिनियम की धारा 28 के उपबन्धों से छूट प्रदान करती है।

[संख्या एस-29014/2/79-एम-1]

S.O. 1541.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 83 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby exempts for a period of three months from 1st January, 1979 to 31st March, 1979 mines belonging to the Bharat Coking Coal Limited from the provisions of section 28 of the said Act.

[No. S. 29014/2/79-MI]

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1542.—सर्वश्री एन० के० सिंह और जी० बी० धुर्वे के पास प्रबंधक प्रमाणपत्र हैं और श्री भार० के० राय के पास सर्वेक्षक प्रमाणपत्र है;

और श्री एम० के० सिंह को 9 मई, 1978 तक हन्डस्ट्री कोलियरी में प्रबंधक-एवं-अधिकर्ता के रूप में नियोजित किया गया था और सर्वश्री जी० बी० धुर्वे और भार० के० राय को 17 अगस्त, 1978 को उक्त कोलियरी में क्रमशः प्रबंधक-एवं-अधिकर्ता और खान सर्वेक्षक के रूप में नियोजित किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि ऊपर उल्लिखित व्यक्ति, उक्त हन्डस्ट्री कोलियरी में हुई दुर्घटना के, जिसमें चार व्यक्तियों की मृत्यु हुई है, संबंध में, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) या इन विनियमों के अधीन अपने कर्तव्यों के पालन में उनकी प्रक्षमता और प्रवृत्ति के कारण, प्रबंधक और सर्वेक्षक प्रमाणपत्र और आगे धारण करने के लिए योग्य हैं।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 25 के अनुसरण में, एक न्यायालय गठित करती है जिसके एकमात्र अधिकारी श्री महेंद्र सिंह, भा० प्र० से०, आयुक्त, भाग्य छोटा नागपुर खण्ड, हजारीबाग होंगे। यह न्यायालय यह प्रवृत्ति करने के लिए जांच करेगा कि क्या सर्वश्री एम० के० सिंह, जी० बी० धुर्वे और भार० के० राय ऐसे प्रमाणपत्र और आगे धारण के योग्य हैं या नहीं। केन्द्रीय सरकार यह भी निवेदन देती है कि उक्त जांच निम्नलिखित असेसर की सहायता से की जाए, अर्थात् :—

श्री एम० एन० गुई, सेवानिवृत्त मुख्य तकनीकी सलाहकार, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०, 100/3-ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता-700027

[सं० एन० 11012/13/78-एम-1]

New Delhi, the 26th April, 1979

S.O. 1542.—Whereas Sarvashri N. K. Singh and G. V. Dhurde who are both holders of Manager's Certificate and Shri R. K. Roy who is a holder of Surveyor's Certificate;

And whereas Shri N. K. Singh was employed as Manager-cum-Agent in the Industry Colliery upto 9th May, 1978 and Sarvashri G. V. Dhurde and R. K. Roy were employed in the said Colliery on the 17th August, 1978 as Manager-cum-Agent and Surveyor of Mine respectively;

And whereas it appears to the Central Government that the persons mentioned above are unfit to continue to hold the Manager's and Surveyor's certificates by reason of incompetence or misconduct in performance of their duties under the Mines Act, 1952 (35 of 1952) or under these regulations in relation to the accident that occurred in the said Industry Colliery causing loss of four lives;

Now, therefore, in pursuance of regulation 25 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Central Government hereby appoints a Court consisting of Shri Mahendra Singh, I.A.S. Commissioner, North Chotanagpur Division, Hazaribagh, to hold an inquiry at Dhanbad to determine as to whether or not the said S/Shri N. K. Singh, G. V. Dhurde and R. K. Roy are fit to continue to hold such certificates. The Central Government further directs that the said inquiry may be conducted with the assistance of the following assessor, namely :—

Shri M. N. Guin,
Retd. Chief Technical Adviser,
Eastern Coalfields Ltd.,
100/3A, Alipore Road,
Calcutta-700027.

[No. N. 11012/15/78-MI]

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1979

शुद्धिपत्र

क्रा० शा० 1543.—दिनांक 24 फरवरी, 1979 के भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 615 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्रा० शा० 729, दिनांक 14 फरवरी, 1979 में क्रम संख्या 2 के सामने की प्रविष्टि "सरकारी अधिवक्ता" के स्थान पर "अधिवक्ता" पड़े।

[सं० एस० 29015/1/76-एम० I]

मीना गुप्ता, श्रम सचिव

New Delhi, the 28th April, 1979

CORRIGENDUM

S.O. 1543.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 729 dated the 14th February, 1979 published at page 615 of the Gazette of India, Part-II, Section 3 Sub-section (ii) dated the 24th February, 1979, in the entry against serial No. 2 for "Government Advocate", read "Advocate".

[No. S. 29015/1/76-MI]

MEENA GUPTA, Under Secy.

New Delhi, the 25th April, 1979

S.O. 1544.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following ward of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the Industrial dispute between the employer in relation to the management of Nag's Kajora Jambad Section of Khandra Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen which was received by the Central Government on 24th April, 1979.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL :
CALCUTTA

Reference No. 4 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Nag's Kajora Jambad Section of Khandra Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Sri N. Das, Advocate, with Sri G. N. Singh, Sr. Personnel Officer.

On behalf of Workmen.—Sri Sunil Mazumdar, General Secretary, Ningha Colliery Mazdoor Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal Mines

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-19012(50)/75-D.III(B)/D.IV(B), dated 30th August, 1977, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Nag's Kajora Jambad Section of Khandra Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited and their workmen, to this Tribunal, for adjudication. The reference reads as :

"Whether the action of the management of Nag's Kajora Jambad Section of Khandra Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan in converting workers mentioned in the Annexure from piece-rate to time-rate from November, 1974 to January, 1976 was justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURES .

1. Janki Choudhary
2. Arjun Paswan
3. Baldeo Turi
4. Suresh Paswan
5. Reshan Turi
6. Mulari Hazam."

2. The parties duly filed their pleadings in the reference. At the opening of the case, a joint petition of compromise under the signature of the General Secretary of the Union and the Sub-Area Manager representing the employers was presented for acceptance. Four of the concerned workmen have also subscribed their thumb impressions to the petition by way of signature. I have gone through the Terms of Settlement in the joint petition of Compromise and am of opinion that the terms are fair and reasonable. A copy of the joint petition of compromise dated April, 19, 1979 is annexed hereto as a part of this Award.

3. I make an award in terms of the "Terms of Settlement" in the joint petition of compromise.

Dated, Calcutta,

The 19th April, 1979.

S. K. MUKHERJEE, Presiding Officer
[No. L-19012(50)(50)/75-D.III(B)/D-IV(B)]

BEFORE THE HONOURABLE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Ref : 4 of 1978

PARTIES :

Employer in relation to the management of Nag's Kajora Jambad Section of Khandra Colliery of Messrs Eastern Coalfields Ltd., Distt. Burdwan.

AND

Their Workmen

Joint Petition of Compromise

The above matter is pending for adjudication before your honour as per order of Ref : No. L-19012(50)/75-D.III(B)/D.IV(B) dated 30th August, 1977.

The six workmen concerned in the dispute discussed the matter with the management and agreed to settle the aforesaid dispute on the following terms.

Terms of the settlement

The management with a view to settle the claim of the workmen mentioned below, agrees to pay the arrear wages due to them as full and final settlement of the case.

Name of the workmen.	Amount
1. Sri Janki Chaudhary	Rs. 853.03
2. Sri Murali Hajam	Rs. 588.44
3. Sri Suresh Paswan	Rs. 597.90
4. Sri Arjun Puswan	Rs. 604.51
5. Shri Baldeo Turi	Rs. 519.80
6. Sri Rasman Turi	Rs. 570.37

One of the workmen namely Sri Rasman Turi has been working as Haulage Khalasi/Trammer in Cat III of the N.C.W.A. and he agrees to continue to work as such.

The workmen agree that they shall have no further claim whatsoever in the above dispute.

The management shall make the payment before 18th April 1979 i.e. prior to the next date of hearing fixed by the Central Govt. Industrial Tribunal i.e., 19-4-79.

Both the parties agree that the instant dispute is fully and finally resolved by this settlement.

And they pray that the Honourable Presiding Officer may be graciously passed to pass an Award in terms of the above settlement.

Dated : 19-4-79

On and behalf of the workers On & behalf of the
the six concerned workmen. Employer.

Sd/- ILLEGIBLE
Sub-Area Manager,
Moira Sub-Area

L.T.I. of
MURLI HAZAM
L.T.I. of
JANKI CHOWDHURY
L.T.I. of
ARJUN PASWAN
L.T.I. of
PASWAN TURI

Sd/- ILLEGIBLE
19-4-79
General Secretary

S.O. 1545.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Umrer Colliery of Western Coalfields Limited, Umrer, District Nagpur and their workmen which was received by the Central Government on 20th April, 1979.

BEFORE SHRI S. N. JOHRI, B.Sc. LL.M., PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
JABALPUR, (M.P.)

Case Ref. No. CCIT/LC(R)(26)/78

PARTIES :

Employees in relation to the management of Umrer Colliery of Western Coalfields Limited, Umrer, District Nagpur and their workman, Shri K. D. Chandy, House No. 121, Lala Line, Gora Bazar, Kamtee, District Nagpur (M.S.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri Gulab Gupta, Advocate.
For Employers—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines. DISTRICT : Nagpur (M.S.).

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-18012(11)/77-D-IV(B), Dated, 11th May, 1978, for the adjudication of the following industrial dispute :—

“Whether the action of the management of Umrer Colliery of Western Coalfields Ltd. in dismissing Shri K. D. Chandy, Dumper Operator Grade I with effect from 22nd September, 1976 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. On 2-8-1976 Shri Chandy was charge-sheeted as follows :—

“On 29-7-1976 you were on duty as a Dumper Operator in the 11th Shift commencing from 9.00 P.M. As a routine procedure, dumper No. 350 was properly checked in workshop and was handed over to you for operation.

Knowing fully well that unauthorised riding on dumpers is strictly prohibited, you had allowed 7 unauthorised persons to ride on your dumper, which was proceeding towards quarry No. 2 of this project.

You were also instructed by the Shift Incharge Shri R.D. Shorey on the said date not to use the cause way as it was overflowing due to the floods in Amb river. The entire traffic was diverted over the newly constructed P.W.D. Bridge on the said date due to flood on the cause way. When you approached near the cause way you had stopped your dumper and saw the water overflowing from the cause way but you did not care for the danger looming just in front of you because you were under the influence of alcohol, which was confirmed according to your blood examination report, and while trying to cross over the flooded cause way, your dumper was toppled resulting into 3 fatal accidents of our workmen.

I hereby require you to state as to why disciplinary action even to dismissal from the services of the Western Coalfields Limited should not be taken against you as per the certified Standing Orders by which you are governed on account of the following charges :—

- (i) 17(c).—Wilful insubordination or disobedience, whether alone or in conjunction with others, or any lawful or reasonable order of a superior.
- (ii) 17(e).—Drunkness while on duty at the place or work.
- (iii) 17(i).—Causing wilful damage to work in progress or to property of the employer.”

3. Of the facts narrated in the extracted charge report as above, it is not disputed that Shri Chandy did operate the dumper which met with the accident on the overflowing cause way causing loss of three lives of the workmen who along with others were allowed to ride on the dumper. After domestic enquiry Shri Chandy was found guilty of the charges levelled against him with the result that the order of dismissal from service was passed against him.

4. Management's case is that Shri Shorey Incharge of the Third Shift had specifically asked the dumper operators to go only by P.W.D. Bridge on the P.W.D. Road, still Shri Chandy wilfully disobeyed the orders and made an attempt to negotiate the overflowing cause way. He further disobeyed the general routine instructions which had been sufficiently notified that no person should be allowed to ride on a dumper. Shri Chandy was drunk. He negotiated the cause way taking a calculated risk and that ultimately resulted in the damage to the machinery of the dumper and that hampered the progress of the work. The domestic enquiry was proper and unbiased and all reasonable opportunity to defend was given.

5. The case of the workmen is that the dumper required repairs, still he was made to operate it. Shri Shorey had not given any instruction to go via P.W.D. Road after crossing bridge there. In any case the dumper could not be taken to P.W.D. road because it has no such permit and the order was therefore not a lawful order even if it is assumed that such an order was given by Shri Shorey. He had denied

that he was drunk. On the other hand his plea is that from the hospital when he came down to his house he consumed some whisky because he was feeling very nervous and the tension was mounting in his head on account of the accident and non-traceability of the two dead bodies of the workers. This consumption of the liquor must be responsible for the presence of alcohol in his blood samples which were taken subsequently when he was called back to the hospital in a vehicle. He was not drunk when the accident took place. He did not intend to damage the property of the management nor he wanted that the work should stop. Thus there was no wilfulness in the consequence that followed. The findings of the domestic enquiry were alleged to be perverse.

6. Shri Gulab Gupta, Advocate, appearing for the workman stated at the bar that he would challenge the domestic enquiry not on any procedural aspect but only on the ground of perversity. Both sides refused to adduce any evidence on the question of perversity except that the management formally proved the enquiry proceedings and other documents. However, the management took a stand that in case it is held that the findings were perverse the management would like to adduce evidence before the Tribunal. It is with this preface that I shall now proceed to examine the question of perversity as follows.

7. The first charge of dis-obedience can be divided into two parts. The first part relates to the dis-obedience of the orders given by Shri Shorey. This fact has been challenged from three angles. Firstly it is said that Shri Shorey was not a superior officer whose orders the workman was bound to follow.

Secondly he gave no such orders and thirdly the orders were not lawful hence Shri Chandy was under no obligation is based on evidence which he has rightly believed. The Shorey was Incharge Supervisor of that shift. His conclusion is based on evidence which he has rightly believed. The fact that Shri Shorey was not paid the acting allowance for acting as Pit Supervisor is not of much consequence when he was in fact acting a defacto Pit Supervisor and was giving orders which were being followed by others. The authority does not flow simply through the payment of the officiating allowance. It emanates from the defacto working position of a person at a place of hierarchy which has the sanction of the higher officers. There is no evidence that Shri Shorey had himself assumed that position and was not deputed by the Manager to work as Pit Supervisor that day. At the most it can be said that evidence on this point is not as clinching and convincing as it should have been had the management produced the order appointing Shri Shorey to work as Pit Supervisor. But Enquiry Officer has the jurisdiction to place reliance even on such evidence. It is, therefore, held that this point has no force.

8. On the factum of giving orders that the dumper operators should not go by cause way which was over flowing the Enquiry Officer has relied on the evidence of Shri Shorey (M.W.1) and Shri Appadurai (M.W.6) whose statements appear at pages 34 to 38 of the domestic enquiry file. Shri Appadurai, who was also in the same place where Shri Chandy was standing, did hear such orders being given by Shri Shorey. It is true that one of the witnesses had said that the engines of the dumpers were in starting position when these orders were given. On that basis it is argued that it is quite possible that Shri Chandy may not have heard the instructions in that loud noise created on account of the started engines of the dumpers. The theory of benefit of doubt is not applicable to domestic enquiry proceedings and as such the Enquiry Officer did not think it necessary to comment upon such possibilities. It cannot be said that his placing reliance on the evidence of these two witnesses was either illegal or improper. He has rejected the evidence of the defence witnesses on this point for cogent reasons. It is, therefore, held that it stands established that factually such orders were given by the Shift Incharge Pit Supervisor, Shri Shorey.

9. Third point of attack is about the lawful nature of those orders. The sub-area Manager, Umrer has in his report note on the accident prepared on 1-8-1976 stated that 'the line on which the new P.W.D. bridge has been constructed falls in the acquisition of N.C.D.C. whereas the cause-way and part of the road leading to No 2 quarry

belongs to the Maharashtra State P.W.D. The cause-way and the road leading to the No. 2 quarry were allowed for use of Umrer Colliery since 26-11-1970 by the Executive Engineer B&C) Nagpur. Copy of the permission was enclosed by him with that statement. He further stated in the last line in his report that correspondence was going on between the N.C.D.C. and P.W.D. for the barter transfer of the land acquired but it had not been finalised till the date this accident took place. What was the nature of the acquisition, whether the land including the P.W.D. stood vested in N.C.D.C. or it was to vest when the delivery of possession was to be given are mute questions which remained unanswered by this report. There is no positive evidence of the vesting of the road in N.C.D.C. Some of the witnesses are however positive that the dumpers could not be validity operated on the State road and bridge. Normally for plying a dumper on the road a permit is required and the road tax is to be paid under Motor Vehicles Act and as the dumper which Shri Chandy operated was not having that permit etc, the order, to take the dumper via P.W.D. bridge and P.W.D. road, could not be said to be a lawful order.

10. As was held in 'Fata Iron and Steel Co. Vs. Its workmen (1967)14 F1R 55 Patna', the workman was not bound to follow that order which was not lawful and to this extent the charge of dis-obedience of lawful orders is not made out. This aspect of the matter was not considered by the Enquiry Officer.

11. However, I may hasten to add that disregard of the orders which were not lawful did not entitle Shri Chandy to take a calculated risk and go via cause-way which was overflowing. The order given by Shri Shorey had its positive as well as negative aspect. It was positive to the extent it gave the direction that the dumpers should be taken via P.W.D. road and bridge. Shri Chandy could disregard them as they were not lawful orders. He could have refused to take the dumper that way and since cause way was overflowing he could have validly refused to ply. He did not do so.

12. At the same time Shri Shorey had given negative direction also in the sense that he had asked all dumper operators not to go via cause-way which was overflowing. This negative order or order of prohibition was followed by Shri Chandy only in breach. There was nothing unlawful so far as this prohibitory part of the direction is concerned. Shri Chandy therefore in ultimate analysis can be held to have been rightly found guilty of dis-obedience of the lawful orders given by Shri Shorey.

13. The second aspect of this charge of disobedience is that there was a well published written direction that no person should be allowed to ride on the dumper, was followed by Shri Chandy in breach when he allowed other workers to ride on it specially those who lost their lives. The Enquiry Officer was correct in his analysis of evidence on this point when he said that the mere fact that in spite of that order it was usual for the workman to ride on dumper cannot be a good justification for Shri Chandy to have fallen in the line of persons disobeying the orders and claim exoneration on the basis of that illegal practice saying that he had done only what others were doing. No illegal practice can be pleaded as a justification for an illegal act. Officers may not have been very strict with respect to those instructions till everything was going on safe but they cannot remain silent and a workman disobeying that order cannot remain exonerated when he involves the persons riding the dumper in a fatal accident. I am, therefore, of the view that Shri Chandy has been rightly held guilty of dis-obedience of the lawful orders. Defying lawful orders is a serious misconduct which may entail the punishment of dismissal specially in view of the consequences that have followed the disobedience.

14. This brings me to the charge of durnkness. The Enquiry Officer has rightly relied on the expert opinion of Dr. Mishra on this point. There is no perversity, i that finding. Dr. Mishra has stated that soon after the accident when the victims were brought and he was attending them he found the smell of liquor coming from the side where Shri Chandy was standing. However, as he was busy in attending to the victims whose condi-

tion was serious he did not take notice of it specially because he was not asked by that time to consider whether Shri Chandy had consumed liquor or not. He had asked Shri Chandy to stay when Shri Chandy was insisting to go back to his home. Admittedly Shri Chandy was anxious to allay the fears of his family members. He was himself feeling nervous, and the tension was beating his head. He went home and he consumed whisky. Thereafter he was called back to the hospital and his blood samples were taken which indicated presence of liquor at a percentage higher than the one necessary for prosecuting a man for drunkenness. Shri Chandy's explanation was that it was so because he had consumed whisky at his residence after the accident.

15. This explanatory defence theory has been categorically ruled out by the statement of the Doctor. According to him two blood samples were taken—one at 3.30 A.M. and the other at 4 A.M. He categorically stated that the alcohol must have been consumed by Shri Chandy more than 6 hours before the samples were taken i.e. sometime before 9.30 to 10 P.M. The accident took place at about 10.15 P.M. according to the statement of Shri Shorey. On the other hand, according to the statement of Dr. Mishra Shri Chandy went to his house after zero hour and consuming liquor at about 12.15 in the night. That whisky could not produce that percentage of alcohol at 3.30 A.M. or 4 A.M. because more than 6 hours are required for the alcohol to concentrate in the blood. This expert evidence read with the report of pathological examination of blood samples amply corroborate the statement of Dr. Mishra that the smell of liquor was coming from the side where Shri Chandy was standing in the hospital before he went to his home. This evidence is sufficient for justifying an inference by the Enquiry Officer that Shri Chandy had consumed alcohol and was in the state of intoxication when he operated the dumper and caused the accident. The finding of the Enquiry Officer on this point cannot therefore be said to be perverse. Condoning drinking by a driver who is going out on high way in charge of heavy equipment would be coupling disastrous consequences. The consideration of public safety out-weigh the consequences of punishment to any individual employee on this count and those driving in state of intoxication can rightly justify a punishment of dismissal.

16. Lastly there is a charge of wilful stoppage of work and wilful damage to the property of the employer. It has been rightly argued by the learned Counsel for the workman that Shri Chandy had no intention to cause the stoppage of work wilfully or to cause damage to the dumper knowingly. Thus the wilful part of the charge cannot be held to have been sustained by any evidence.

17. However, from the circumstances of the case, it is clear that Shri Chandy was reckless in driving dumper through the overflowing cause way. Recklessness is one where the person is unmindful of the consequences and takes a calculated risk. Knowing that such serious consequences could follow, when he had been asked not to operate dumper through overflowing cause-way, is an act of taking that calculated risk which may amount to recklessness. In any case in advertance or gross negligence was obvious. Such an act itself amounted to misconduct whether defined in the Standing orders or not and is gross enough to entail a punishment of dismissal.

18. It was held in *Smith Vs. Wemves Coal Co. Ltd.* (1937) 37 B.W.C.E.C. 488(490-492) (Refer page 496 of Kothari's Law relating to disciplinary matters and Standing Orders) that a misconduct may arise out of simple orders or instructions or it may arise out of acts on the part of the workman which show a dis-regard for duty of care which he owes to his own safety or to safety of others and/or to the safety of other people's property. Mere wrong application of a particular clause of the Standing Orders cannot exonerate the workman from a misconduct which is in fact made out against him. In *Doaba Roadways Ltd. Vs. Labour Court, Jullunder* (42 FJR 140 P & H) a bus conductor who was holding a driving licence was dismissed from service when he tried to drive the vehicle in the absence of the driver endangering the life of the passengers, the Court said that he acted desparado and unmindful of the circumstances by indulging in a rash act of driving the vehicle himself even when

no accident had taken place. In the present case crossing a threatening river through a overflowing cause-way in the night when signal lights were not there and when he had been specifically directed to abstain from taking the dumper through that cause-way, Shri Chandy acted as a desparado involving risk to the lives of the persons who had been allowed to ride on a dumper inspite of prohibitory order which had been well published, and thereby committed a serious misconduct. Bombay High Court in *Sharda Prasad Vs. Central Railway* (1960-I-LJ 167) illustrated acts which amounted to misconduct and one of them was 'an act of neglect, even though isolated which tends to cause serious consequences.'

19. The Enquiry Officer has thus rightly held him guilty of misconduct. The past clean record does provide extenuating circumstance but I am of the view that the gravity of the misconduct was such that even the past good conduct cannot help the man. The order of dismissal was justified. Reference is answered accordingly.

12-4-1979.

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. L-1802(11)/77-D.IV(E)]

S.O. 1546.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ningha Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited, P.O. Kalipahari (Burdwan) and their workmen which was received by the Central Government on 19th April, 1979.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CALCUTTA

Reference No. 2 of 1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ningha Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd.,

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Sri Justice S. K. Mukherjee—Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Shri N. Das, Advocate with Shri N. Jha, Sr. Personnel Officer.

On behalf of Workmen—Shri N. C. Roy, Advocate, with Shri Sunil Mazumdar.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coalmine

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-19012/39/76-D III B, dated 11th February, 1977, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Ningha Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., and their workmen, to this Tribunal for adjudication. The material part of the order of reference reads :

"Whether the action of the management of Ningha Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P. O. Kalipahari (Burdwan) is justified in terminating the lien of appointment of Shri Jai Ram Nunia, Wagon Loader of Ningha Colliery with effect from 7-7-75 is justified? If not, to what relief workman concerned is entitled?"

2. The concerned workman was a permanent workman of the Ningha Colliery. He was originally granted leave from May 9, 1975 to May 20, 1975. On leave being granted he left for his village home. His case is that as he was unable to resume his duties on May 21, 1975 he sent a registered letter on May 23, 1975 under Postal Receipt No. 3282 for extension of leave. He further pleaded that he was not aware

whether his prayer for extension of leave had been granted or not. Thereafter, he again applied for extension of leave by a letter of June 6, 1975 addressed to the Manager sent by Registered post under Postal Receipt No. 3307 of the Dhanbad Post Office. He did not receive any reply to the said letter.

3. There is no dispute that on 17th June, 1975 the concerned workman reported for duty. He was not allowed to resume his duties and a charge sheet was served on him. The charge sheet was in these terms :

"You proceeded on authorised leave from 9-5-75 to 20-5-75. Subsequently a letter No. N/Lab/60/75/1273 dated 31-5-75 has been sent to you intimating that your extension has been granted till 3-6-75 and no further extension will be granted later on. Your act of commission denotes as under :

1. You wilfully disobeyed responsible order of superior.
2. You are absenting continuously without permission and without satisfactory cause for more than 10 days.

Thus, you have violated Sec. 29(1) & (16) of the Standing Orders for the Coal Mining Industry.

Suspended pending enquiry."

It is common case that the enquiry was dropped by the management soon thereafter.

4. The case of the concerned workman, as pleaded and deposed by him, is that he never received the letter of May 31, 1975. Thereafter, by a letter dated 7th July, 1975 the management terminated the lien of the concerned workman on his appointment with effect from 7th July, 1975. The letter reads :

"You were granted authorised leave from 9-5-75 to 20-5-75 and subsequently extended leave from 21-5-75 to 3-6-75, and you are over-staying your leave since 4-6-75 to 3-7-75 for 27 days.

As a result you have lost lien on your appointment in accordance with the Section 11 of the standing orders for Coal Mining Industry. Your name has been kept in Badli-list." (Ext. W-2).

It is contended that this action of the management in terminating the lien is illegal. The union submits that he should therefore be permitted to resume his duties with immediate effect.

5. The management has pleaded that on the expiry of his leave on May 20, 1975, the concerned workman did not report for duty. A telegram was received from him on May 26, 1975, praying for extension of leave by two weeks on the ground that his wife was lying seriously ill. The management acceded to his prayer and extended his leave upto 3rd June, 1975. By a letter dated 31st May, 1975 they advised him that his leave had been sanctioned till 3rd June, 1975 and no further extension of leave would be granted. On June 9, 1975 a telegram was received from the concerned workman asking for a further extension of leave by one month. In the telegram no reason was given for extension.

6. The concerned workman not having resumed his duties on the expiry of the extended period of leave, a charge sheet was served on him to which reference has already been made.

7. It is stated by the management that they decided to take a lenient view of the matter and did not proceed with the enquiry. Under the provisions of Standing Order No. 11 of the certified Standing Orders of the colliery, they terminated the lien of the concerned workman on his appointment and placed his name in the badli list.

8. The certified Standing Orders under which action was taken by their management were in force in the Colliery before nationalisation of coal mines. The management claims that the said Standing Orders are still lawfully in force. These are exhibit M-4 in this case.

9. It was submitted on behalf of the management that action against the concerned workman was validly taken under Standing Order No. 11 of the said Standing Orders which provides as follows :

"11. Any direct employee of the Company other than a minor or loader who desires to obtain leave of ab-

sence shall apply in writing to the head of his department or the Manager of the Colliery. Employees who due to illiteracy do not apply in writing must apply verbally. If the employee remains absent beyond the period of leave originally granted or subsequently extended he shall lose his lien on his appointment unless :—

- (1) he returns within 8 days of the expiry of the leave, and
- (2) gives an explanation to the satisfaction of the Manager of his inability to return before the expiry of leave. In case the employee loses his lien on the appointment he shall be entitled to be kept on the 'Badli' list.

10. Shri N. C. Das, learned advocate appearing on behalf of the concerned workman contended that the old certified Standing Orders cannot be held to have been lawfully in force after nationalisation of coal mines. He argued that in order to be valid, Standing Orders must be in conformity with the Model Standing Orders in Schedule IA to the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946. He contended that as there is nothing in Model Standing Orders which correspondence to Standing Order No. 11 of the certified Standing Orders on which the management relies, the said Standing Order must be held to be invalid. He went further and contended that on nationalisation of the mine, the old certified Standing Order lapsed and as no such Standing Orders have been certified, the model Standing Orders must apply. He relied on clause (d) of Standing Order No. 10 of the model Standing Orders; in particular, he relied on the provisions that "if the workman after proceeding on leave desires an extension thereof, he shall apply to the Manager, who shall send a written reply either granting or refusing extension of leave to the workman. Sanction/refusal of leave should be communicated to the workman in writing invariably." He submitted that the concerned workman is entitled to the benefit of the said Standing Order.

11. Mr. Roy also relied on Standing Order No. 17 of the model Standing Orders which relates to disciplinary action for misconduct. He relied on clause (ii) of the said Standing Order which provides :

"(ii) No order of punishment under Standing Order No. 17(i) shall be made unless the workman concerned is informed in writing of the alleged misconduct and is given an opportunity to explain the allegations made against him. A departmental enquiry shall be instituted before dealing with the charges. During the period of enquiry, the workman concerned may be suspended. The workman, may take the assistance of a co-worker to help him in the enquiry, if he so desires. The records of the departmental enquiry shall be kept in writing. The approval of the owner, agent or the chief mining engineer of the employers or a person holding similar position shall be obtained before imposing the punishment of dismissal. A copy of the enquiry proceedings shall be given to the workman concerned on the conclusion of the enquiry on request by the workman."

Mr. Roy submitted that there has been no compliance with the aforesaid provision of Standing Order No. 17 of the model Standing Orders, and therefore, the action taken by the management is not justified in law.

12. Mr. Roy further submitted that if he was right in his submission that the old Standing Orders had lapsed on nationalisation of coal mines, no action could have been validity taken against the concerned workman under Standing Order No. 11. In the alternative, he argued that assuming that the old Standing Orders did not lapse in toto, any Standing Order which was not to be found in the Model Standing Orders must be deemed to be invalid. Neither Standing Order No. 11 nor anything which at all corresponds to it, occurs in the Model Standing Orders and therefore Standing Order No. 11 must be held to be inapplicable.

13. Mr. Roy advanced a further alternative argument that if the old Standing Orders are still in force, then Standing Orders Nos. 29 and 30 should be held to govern the case. The relevant provisions of Standing Order No. 29 and Standing Order No. 30 on which Mr. Roy relied may be set out :

"29. An employee may be suspended, fined or dismissed without notice or any compensation in lieu of notice, if he is found to be guilty of misconduct, provided

that suspension without pay whether as a punishment or pending an enquiry shall not exceed 10 days. The following shall denote "Misconduct" :

** ** **

(16) Continuous absence without permission and without satisfactory cause for more than 10 days.

** ** **

30. No orders of punishment by way of suspension, dismissal or fine shall be made unless the employee concerned is informed in writing of the alleged misconduct and is given an opportunity to explain the circumstances alleged against him. The approval of the owner, Agent or Chief Mining Engineer of the Company is required in every case of dismissal and when circumstances appear to warrant it that office shall institute separate independent enquiries before dealing with the charges against an employee. During the period enquiries are being made on account of alleged misconduct the employee concerned shall be suspended."

He submitted that as the management has not proceeded under Standing Order No. 30 but under Standing Order No. 11, the order terminating lien on the appointment of the concerned workman is void and of no effect in law.

14. Sri N. Das, learned advocate appearing on behalf of the management submitted that there is nothing in the Industrial Employment (Standing Orders) Act by reason of which the existing certified Standing Orders can be held to have been superseded. On the contrary, it is abundantly clear from Sec. 10 of the said Act that Standing Orders finally certified under the Act will not, except on agreement between the employer and the workmen, be liable to modification until the expiry of six months from the date on which the Standing Orders on the last modifications thereof came into operation. He argued that if on nationalisation the old Standing Orders had automatically lapsed such a provision could not operate. Sri Das also relied on a decision of the Karnataka High Court in the case of the Management of Ideal Jawa (India) Pvt Ltd. & Ors., v. T. Ramu and Others, the substance of which is reported in 1979 Labour & Industrial Cases, NOC 32, p. 22. Under the Standing Orders of a Company, the workmen were entitled to wages during the period of their suspension pending inquiry only if no penal action was taken against them as a consequence of the inquiry. The Model Standing Orders were subsequently amended entitling the workmen to get subsistence allowance during suspension. The Certified Standing Orders were not amended. The question arose whether the workmen who were suspended and then dismissed after inquiry were entitled to any payment for the period of suspension. The Court held:

"there was no provision contained in the Standing Orders of the company which entitled the workman to get the subsistence allowance or any provision contained in the Standing Orders Act on the basis of which it could be held that any amendment made by the State Government to the Model Standing Orders can be enforced straightway without any amendment to the certified Standing Orders of the particular industry or that the provisions contained in any amendment made by the Government under the Act can be treated as an amendment to the certified Standing Orders. Until a provision for payment of subsistence allowance is incorporated in the Standing Orders of the Company, the Labour Court could not grant the relief on the basis of the amendment made to the model Standing Orders by the State Government.

Sri Das further submitted that Section 12-A of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 makes it clear that where there are certified Standing Orders governing an industrial establishment, there is no scope for application of the model Standing Orders. In that view of the matter, he submitted that the case is governed by the old Standing Orders of the establishment which were and are in force.

15. Sri Das then pointed out that in terminating the lien of the concerned workman the management has taken action under Standing Order No. 11. Disciplinary proceedings having been dropped there was no further question of imposing any punishment on the concerned workman on the ground of any misconduct committed by him. There is no scope, therefore, for application of Standing Order No. 29 and 30,

68 GI/79-7

Those are provisions which relate to suspension, fine or dismissal. The present case is concerned with loss of lien on appointment under the provisions of Standing Order 11. All the ingredients of Standing Order No. 11 have been satisfied i.e., the employee concerned remained absent beyond the period of leave originally granted or subsequently extended and failed to return within 8 days of the expiry of leave. The action taken by the management being in due compliance with Standing Order No. 11 must therefore be held to be valid.

16. In the written statement filed on behalf of the concerned workman it was stated that as he was unable to resume duties on the expiry of his leave on May 20, 1975, he sent a registered letter on May 23, 1975 under a postal receipt for extension of leave. It was further stated that not having received any reply as to whether his prayer for extension had been granted or not, he again applied for extension of leave by a letter sent by registered post under a postal receipt. The management's case was that neither of these letters have ever been received. What was received was a telegram on May 26, 1975 praying for extension of leave by two weeks. That telegram has been made Ext. M-1. The management's letter dated 31st May, 1975 sent by registered post has been made Ext. M-7. The workman denied that he received the letter. The management further stated that a telegram was received from the concerned workman on June 9, 1975, Ext. M-2, asking for further extension of leave. It was contended by the management that before the receipt of that telegram intimation had been given to the concerned workman by the aforesaid letter of 31st May, 1975 that no further extension beyond 3rd June, 1975 could be granted.

17. The concerned workman gave evidence before the Tribunal. It is strange that he not only failed to produce copies of the letters he claimed to have sent by registered post or the postal receipts to which a pointed reference was made in his written statement, but also did not state in his evidence that he had sent those letters. In these circumstances, it must be held that the statements made with regard to despatch of letters in his pleading are not true. He admitted having sent the two telegrams. He denied the receipt of the letter dated 31st May 1975. The despatch of the original of that letter was proved satisfactorily by Sultan Hossain, the despatch clerk in the employment of the colliery by entries in the register (Ext. M-5). The register itself has been made an exhibit by consent (Ext. M-6). He further proved the despatch of this letter by post by an entry in the Peon Book which has been marked Ext. M-9.

18. It was not disputed that when the letter of 31st May, 1975 was despatched, and also for sometime thereafter, the concerned workman was living in his village home where the said letter was addressed by registered post. Having regard to the evidence on record, I hold that the letter dated 31st May, 1975 was duly despatched by registered post and the concerned workman must be presumed to have duly received it. It seems to me highly probable that the second telegram which was received by the management on 9th June, 1975 was despatched after the concerned workman had received the letter of 31st May, 1975. Although the management did not immediately reply to his application for extension of leave by the telegram received on May 26, 1975, they did grant the leave as applied for and sent due intimation thereof by the letter dated 31st May, 1975. Leave granted to the concerned workman validly expired on 3rd June, 1975. Admittedly he reported for duty only on the 17th June, 1975. In those circumstances the management in exercise of the powers conferred by Standing Order No. 11 terminated the lien and placed him on the badli list.

19. On the question whether the old Standing Orders are lawfully in force, I am of opinion that they are. I accept the submissions made by the learned advocate appearing on behalf of the management. There is nothing in the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 pursuant to which it is possible to hold that on nationalisation of the mines the old Standing Orders lapsed or that they have been superseded by the Model Standing Orders. Moreover, there is no evidence that the management acted mala fide in not proceeding with the enquiry and taking recourse to Standing Order No. 11.

20. I am unable to accept the contention of Mr. Roy, learned advocate appearing on behalf of the concerned workman that Standing Orders Nos. 29 and 30 govern this case. It was for the management to decide under which Standing Order they should proceed against the concerned workman for absence from duty on expiry of leave. They chose to take

action under Standing Order No. 11 by their order dated 7-7-75.

21. In conclusion, reference may be made to a decision of the Patna High Court in the case of Pure Kustore Colliery v. Khan Mazdoor Congress and others, 1969 I L.L.J., 133 where the Standing Order No. 11 was in terms identical with Standing Order No. 11 in the present case. In that case the Tribunal directed that the workman be reinstated to his permanent appointment. The order was passed on the ground that it was not open to the management to terminate the lien of absentee employee on his permanent appointment and place him on the badli list without giving him an opportunity to explain and produce evidence in support of the explanation as to why he was unable to join his work in time. The Court quashed the order of the Tribunal and held that from the relevant terms incorporated in Standing Order No. 11, it was clear that the employee must lose his lien on his appointment unless he returns within eight days of the leave and also gives a satisfactory explanation as to his inability to return in time. I am in respectful agreement with the learned Judges of the Patna High Court who decided that case. Having regard to the Standing Orders by which the parties are governed, I hold that the said order is valid and justified.

22. I now proceed to answer the reference as follows : The action of the management of Ningha Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Kalipahari (Burdwan), is justified in terminating the lien of appointment of Shri Jairam Nunia, Wagon Loader of Ningha Colliery with effect from 7-7-75. The workman concerned is not entitled to any relief.

This is my award.

S. K. MUKHERJEA, Presiding Officer.
Calcutta the 5th April, 1979.

[No. I-19012/39/76-D. III(B)/D. IV(B)]
SHASHI BHUSHAN, Desk Officer.

New Delhi, the 27th April, 1979

S.O. 1547.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th April, 1979.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN,
JAIPUR

PRESIDED BY SHRI S. R. KOTHARI, JUDGE

Reference Case No. CTT-11 of 1976

Ref. :—Government of India, Ministry of Labour New Delhi Order No. L-43012(3)/76-D-IV-(B) dated 20th October, 1976.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Management of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited, Khetri Nagar.

AND

Their Workmen

APPEARANCES

For the Management—Shri S.B.L. Agrawal.

For the Workman.—Shri Ashok Parihar.

AWARD

The Government of India by the above referred notification, has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

Whether the action of the management of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited in dismissing Shri Harlal Singh Punia, Mechanic 'B' in the mine of Khetri Copper Complex from service with effect from 23-9-75 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

2. On receiving the reference, notices were issued to both the parties. The Khetri Tamba Shramik Sangh, Khetri Nagar filed a claim alleging that Shri Harlal Singh was working as Mechanic 'B' in the Mines and on 23-3-75 or 25-3-75 he did not commit any misconduct but he was levelled with wrong charges of misconduct and was ultimately dismissed by the Disciplinary Authority on the false report of the Domestic Enquiry Officer. His dismissal was illegal and unfair and that being so, it deserves to be set aside. The Management has in reply submitted that Shri Harlal Singh was dismissed after proper enquiry and his dismissal is legal and proper and so no interference by the Tribunal is called for.

3. Before deciding this dispute, it would be pertinent to give certain facts which has led to the present dispute. Shri Harlal Singh was Mechanic 'B' in the Mines owned by the Management. On 23-3-75, he was charge-sheeted with having committed assault with his fists after hurling abuses and threats to Shri Devesh, Executive Engineer while he was on his duty. He was also charge-sheeted on 24-3-75 that on 23-3-75 he forcibly stopped Shri Niwas Rai, Executive Engineer from going to his office and assaulted him and snatched away official papers and tore them off after hurling abuses and obscene gestures towards him. Shri Harlal Singh denied the charges. A domestic enquiry was started and the Enquiry Officer held the charges as proved. The Disciplinary Authority on this report and after hearing Shri Harlal Singh, dismissed him from service. The Union raised the dispute before the Government and so the dispute has been referred to this Court for decision. Before proceeding to decide the dispute it will not be out of place to mention here that this reference is under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. In the original Act there was no provisions specifically defining the powers of the Tribunals, to give relief in case of discharge or dismissal of the workmen. However, on 15-12-71, Section 11A was inserted in the main Act by the Industrial Disputes Amendment Act, 1971 (Act No. 45 of 1971) which defines the powers of the Labour Courts and Tribunals to give appropriate relief in case of discharge or dismissal of workmen. Section 11A runs as under :—

"11-A. Powers of Labour Courts, Tribunals and National Tribunals to give appropriate relief in case of discharge or dismissal of workmen. Where an industrial dispute relating to the discharge or dismissal of a workman has been referred to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal for adjudication and, in the course of the adjudication proceedings, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, it may, by its award, set aside the order of discharge or dismissal and direct reinstatement of the workman on such terms and conditions, if any, as it thinks fit, or give such other relief to the workman including the award of any lesser punishment in lieu of discharge or dismissal as the circumstances of the case may require :

Provided that in any proceeding under this section the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, shall rely only on the materials on record and shall not take any fresh evidence in relation to the matter."

4. It would be pertinent to note here that before insertion of this section it was consensus of the judicial opinion that the nature and scope of the jurisdiction of the Tribunal was merely of a supervisory nature to see whether the enquiry was fair and proper and for that purpose the Tribunal could only examine whether there was want of good faith or there was victimisation or unfair labour practice on the part of the employer or the Management was guilty of basic error or violation of principles of natural justice or the findings of the Enquiry Officer were completely baseless or perverse. If the enquiry did not suffer from any of the defects the Tribunal had no jurisdiction to go into the merits of the case. However, with the insertion of Section 11A a material change has been brought out in the Act. The words "in the course of the adjudication proceedings, the Tribunal is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified" in Section 11A clearly indicate that the Tribunal is now clothed with the power to reappraise the evidence in the domestic enquiry and satisfy itself whether the said evidence relied by the management establishes the misconduct alleged against the workman. What was originally a plausible conclusion that could be drawn by a employer by the evidence, has now given place to, a satisfaction being arrived at by the Tribunal

that the finding of misconduct is correct. The Tribunal is now at liberty to consider not only whether the finding of misconduct recorded by the employer is correct but also differ from the said finding if a proper case is made out. The Tribunal has to consider the evidence on record and come to conclusion one way or the other and in cases where an enquiry has been held by the employer and a finding of misconduct arrived at, the Tribunal can now certainly differ from the finding in a proper case and hold that no misconduct is proved. I am fortified in taking the above view from the observations of Their Lordships of the Supreme Court in a case reported in 1973-1 LLJ. 278 para 33 and 37 and the decision of the Kerala High Court reported in 1979 (38) F.L.R. 288.

5. In view of the above position of law and the fact that it has been held by my predecessor that the domestic enquiry was fair. I now proceed to consider the evidence on record to find out whether the conclusion arrived at by the Enquiry Officer was correct or not.

6. The charge against Shri Harlal Singh was that he assaulted Shri Devash, Executive Engineer, hurled abuses on him and threatened him, with dire consequences. He was also charged with assaulting Shri A. Niwas Rao, Senior Executive Engineer by forcibly stopping and snatching the official papers from him. Shri Devash was examined as M.W. 1 in the enquiry proceedings. He has categorically said that on 23-3-75 he was hit on the face near the ear where-by he lost his balance and fell on the table as he was going towards supervisor's room, to enquire about the break-downs in the back shift. He saw Shri Harlal Singh coming forward to give him another blow; meanwhile some persons caught hold of him and he went away. He has admitted in cross-examination that he did not get himself examined medically after the incident and the persons who had caught hold of Shri Harlal Singh were Shri R. S. Solanki, Shri Gugal Singh and a few others, whose names he does not remember. The witness was cross-examined at length and there is nothing to disbelieve his testimony, as it does not transpire that the witness is in any way interested to depose some against Harlal Singh, to implicate him falsely. Not a single question has been put to him in cross-examination to attach any motive which would tempt the witness to implicate Shri Harlal Singh falsely, in any proceedings. In his affidavit before the Court, Shri Harlal Singh has deposed that Shri Devash had personal enmity and Malice against him, but he has not shown as to why Devash bore any malice or enmity against him. The fact, that he has not put any question to the witness in cross-examination, during the enquiry shows, that it is merely an after-thought, M.W. 3 Shri A. S. Rao had also categorically stated that when he was entering the supervisor's room, he saw Shri Devash leaning on the table and found Shri Harlal Singh in an aggressive mood trying to change Devash with his hand and giving abuses. The witness has also deposed that on 23-3-75 at about 2-50 P.M. while he was parking his Scooter, Shri Harlal Singh came there and held up his right hand and gave abuses and threats and snatched away the charge-sheet papers and tore them off into pieces. This witness has also been cross-examined at length but there is nothing to show as to why this witness is deposing against Shri Harlal Singh. Apparently there seems to be no enmity or malice of the witness against Shri Harlal Singh. Even in the affidavit before the Court Shri Harlal Singh has said nothing about the conduct of Shri Rao in deposing against him. The testimony of Shri Devash and Shri Rao appears to be reliable. M.W. 2 Shri Ved Prakash has definitely deposed that Shri Harlal Singh came from behind and pushed Shri Devash on the table. Then some 3 or 4 persons caught hold of Shri Harlal Singh and brought him outside the room and Shri Devash told him that he has been assaulted. I.W. 4 Shri U. B. Singh has simply deposed, but he has not said anything as to why Shri Devash and Shri Harlal Singh. It is not clear from the statement of Shri Devash that at the time of incident Shri U. B. Singh was present and so I think the testimony of Shri U. B. Singh is not useful to either party in the present case. M.W. 5 Shri K. K. Singh has simply deposed that on 23-3-1975 some body informed him that there was a telephone from Shri Rao to tell Shri U.B. Singh to inform Shri Harlal Singh to see him at 3 P.M. M.W. 6 Shri R. S. Mishra has corroborated the testimony of Shri Rao by deposing that at the time of parking of the Scooter, Shri Harlal Singh held up Shri Rao and snatched away his papers and threatened him with dire consequences, and also tore off the papers. This witness has also been cross-examined at length but there is

nothing to disbelieve the testimony of the witness as it does not transpire that the witness is speaking some thing false on account of any enmity or malice against Shri Harlal Singh. D.W. 1 Shri Harlal Singh has denied the incident totally, but he has not said anything as to why Shri Devash and Shri Rao have deposed against him or have tried to implicate him falsely. D.W. 2 Shri R. S. Solanki has deposed that no incident took place in his presence. This witness has been named by Shri Devash as one of the persons who took Shri Harlal Singh out of the room. The witness has denied the incident. It may be that the witness might be trying to help his co-worker. Any way, since I have held that the testimony of Shri Devash and Shri Rao are reliable, I think, no credence can be given to the testimony of this witness who has tried to give negative evidence. D.W. 3 Shri Radha Kishan has not said any thing about the incident.

7. Thus from the discussion of the evidence before the Enquiry Officer, I find that the charges have been amply proved against Shri Harlal Singh and the Enquiry Officer was right in holding the charges proved against him for assaulting Shri Devash and Shri Rao, the engineers of the non-applicant. From the papers filed by the management it becomes clear that Shri Harlal Singh had been guilty of misconduct on previous occasions also and he was warned for the same and that being so, I think, the Disciplinary Authority was justified in dismissing him from service. I hold that dismissal of Shri Harlal Singh from service by the management is just and proper.

8. I, therefore, pass an award by declaring that the action of the management of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited, in dismissing Shri Harlal Singh Punia, Mechanic 'B' in the Mine of Khetri Copper Complex from service with 23-9-75, is justified and he is not entitled to any relief whatsoever. Let the award be published according to law.

Dated 31-3-79

S. R. KOTHARI, Judge.

[No. L-43012/3/76-D. IV B./D. III B.]

S.O. 1548.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal Rajasthan, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited, Khetrinagar and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th April, 1979.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN,
JAIPUR

PRESIDED BY SHRI S. R. KOTHARI, JUDGE

Reference Case No. C.I.T.—14 of 1976

REFERENCE :

Government of India Ministry of Labour, New Delhi
Order No. L-43012 (1)/76-D-IV (B) dated 27th
October, 1976.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Management of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited, Khetri Nagar.

AND

Their Workman

APPEARANCES

For the Management.—Shri S. B. L. Agrawal.

For the workman.—Shri Ashok Parihar

AWARD

The Government of India, by the above referred notification, has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Khetri Copper Complex of Hindustan Copper Limited, Khetri in dismissing Shri Bhauwari Lal, Carpenter 'B' Token No. 76, Kolhan Copper Mines with effect from 27-10-1975 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. On receiving the reference, notices were issued to both the parties. The applicant filed the claim contending that his dismissal by the Management was illegal, as no proper domestic enquiry was conducted and he was victimised for ulterior motives by the Management. The Management in its reply controverted the allegations of the applicant.

3. Before proceeding to decide the dispute, it will not be out of place to mention here the brief facts which have led to this dispute in the reference. Shri Banwarilal joined his duties as Carpenter in the Hindustan Copper Limited, Khetri Copper Complex on 22-11-67. On 15-3-75, he was issued a Charge-sheet whereby it was alleged that on 13-3-75 while he was on duty, he committed theft of 2 'V' belts at about 8.15 A.M. from the Sampling Shed, which were discovered at about 9.15 A.M. on 15-3-75 hidden in the Carpentry Shed of Geological Section where he was working. Banwarilal denied the charge and hence a domestic enquiry was started against him. The Enquiry Officer after recording the evidence of both the parties, gave an enquiry report in which he held the charge as proved on the basis of the enquiry report, and after hearing the applicant, the Disciplinary Authority also held the charge to be proved, and after notice to Shri Banwarilal he dismissed him from service. This dismissal was challenged by Shri Banwarilal before the Government as being in the nature of victimisation and unfair labour practice and the Government referred the dispute to this Court for decision. On 31-5-77, my learned predecessor framed a preliminary issue as to whether the domestic enquiry was fair and proper, and since no evidence was produced by both the parties, my learned predecessor after hearing both the parties at length held that the domestic enquiry was fair. After this decision, since the workman wanted to produce evidence against the mala fide intention of the Management, he was allowed to produce the evidence. The workman examined himself and one witness Shri Ram Chandra. In rebuttal, the Management examined Shri Mittal. After closure of the evidence, both the parties argued out their respective cases before me, and I proceed to decide the dispute after dealing with the contentions of the parties. Before proceeding to decide the dispute it will not be out of place to mention here that this reference is under Section 10 (1) (d) of the Industrial Dispute Act. In the original Act there was no provision specifically defining the powers of the Tribunals to give relief in case of discharge or dismissal of the workmen. However, on 15-12-71, Section 11A was inserted in the main Act by the Industrial Disputes Amendment Act, 1971 (Act No. 45 of 1971), which defines the power of the Labour Courts and Tribunals to give appropriate relief in case of discharge or dismissal of workman. Section 11A runs as under:—

"11-A. Powers of Labour Courts, Tribunals and National Tribunals to give appropriate relief in case of discharge or dismissal of workmen. Where an industrial dispute relating to the discharge or dismissal of a workman has been referred to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal for adjudication and, in the course of the adjudication proceedings, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, it may, by its award, set aside the order of discharge or dismissal and direct reinstatement of the workman on such terms and conditions, if any, as it thinks fit, or give such other relief to the workman including the award of any lesser punishment lieu of discharge or dismissal as the circumstances of the case may require :

Provided that in any proceeding under this section the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, shall rely only on the materials on record and shall not take any fresh evidence in relation to the matter."

4. It would be pertinent to note here that before insertion of this Section, it was the consensus of the judicial opinion that the nature and scope of the jurisdiction of the Tribunal was merely of supervisory nature to see whether the enquiry was fair and proper and for that purpose the Tribunal could only examine whether there was want of good faith or there was victimisation or unfair labour practice on the part of the employer or the Management was guilty of basic error or violation of principles of natural justice or the findings of the Enquiry Officer were completely baseless or perverse. If the

enquiry did not suffer from any of the defects, the Tribunal had no jurisdiction to go into the merits of the case. However, with the insertion of Section 11A a material change has been brought about in the Act. The words "in the course of adjudication proceedings, the Tribunal is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified" in Section 11A clearly indicates that the Tribunal is now clothed with the power to re-appraise prove the evidence in the domestic enquiry and satisfy itself whether the said evidence related by the management establishes the misconduct alleged against the workman what was originally a plausible conclusion that could be drawn by a employer by the evidence has now given place to a satisfaction being arrived at by the Tribunal that the finding of misconduct is correct. The Tribunal is now at liberty to consider not only whether the finding of misconduct recorded by the employer is correct but also to differ from the said finding if a proper case is made out. The Tribunal has to consider the evidence on record and come to conclusion one way or the other and in cases where an enquiry has been held by the employer and a finding of misconduct arrived at, the Tribunal could now certainly differ from the finding in a proper case and hold that no misconduct is proved. I am fortified in taking the above view from the observations of their Lordships of the Supreme Court in a case reported in 1973-I L.L.J. 278 Paras 33 and 37 and the decision of Kerala High Court reported in 1928 (38)/L.R.P. 288. In view of the above proposition of Law and the fact that it has been held by my predecessor that the domestic enquiry was fair, I now proceed to consider the evidence on record to find out whether the conclusion arrived at by the Enquiry Officer is correct or not, and whether the order passed against employee is correct.

The applicant was charged with the theft of 2 V belts from the sampling Shed. During the course of enquiry the Management examined five witnesses to support the charge Shri H.C. Mittal deposed that on 15-3-75 there was complaint about the theft of the belts. On this Shri G.P. Verma, Geologist along with samplers Balvir Singh and Sanwat Ram and Ram Chander tried to search it. It was not found in sampling shed, Ram Chander and Balveer Singh suspected the belts in the carpentry shop and when they peeped through the window, they saw that V. belts were lying behind the wooden almirah of Banwarilal. He and G.P. Verma also confirmed this fact. M.W. 2 G. P. Verma, M.W.3 Sanwat Ram and M.W.4 Balveer Singh have corroborated me testimony of Shri Mittal. Balveer Singh has not even been cross-examined by the applicant, which shows that his testimony is not challenged. It is no doubt true that the witnesses have admitted that at the time of recovery of V. belts from the carpentry shop, where Banwarilal used to work, Banwarilal was not present, but this by itself is not sufficient to hold the testimony of the witnesses is not reliable. In spite of lengthy cross-examination of witnesses, nothing has been elicited to show that the witnesses are either speaking false deliberately or that they are interested against the petitioner in any way. Then M.W. 5 S.S. Subedar has deposed that when the belt were found, he asked Banwarilal about the matter, but Banwarilal denied his complicity in it, however, later he came to him and said that he had committed a mistake and he shall never do it again and he admitted his guilt before him. This witness has not at all been cross-examined by Shri Banwarilal. This shows that his testimony goes unchallenged. There is nothing on record to show that the extra judicial confession of Shri Banwarilal before this witness was in any way involuntary or the result of some coercion or the threat. Reading the entire evidence minutely I am of the opinion that the charge was amply proved against Shri Banwarilal and there is nothing to hold that the finding of the Enquiry Officer about it is in any way incorrect or wrong. Shri Banwarilal has deposed before this Court that Shri H. S. Mittal was personally prejudiced against him because he refused to serve him at his home. One Shri Ram Chander, sampler has also supported Banwarilal in this respect. Shri Ram Chander is a dismissed employee of the Copper Complex, Khetri Project. The testimony of Shri Banwarilal does not appear to be correct as no question was put by him to the witness about it during the course of enquiry. Then such allegations may be made at any time by any body. Shri Mittal has denied this fact and has deposed that there was another carpenter Shri Budhi Prakash working under him, and so there was no question of asking Shri Banwarilal to serve him at his home. The evidence of Shri Banwarilal about his victimisation or about the mala fides of Shri H.C. Mittal does not inspire any confidence and cannot be believed. That being so, there is nothing to indicate any victimisation or

unfair labour practice against Shri Banwarilal in the order of dismissal passed against him by the Management. I, therefore, hold that Shri Banwarilal is not entitled to any relief from this Tribunal, as the order passed by the Management is proper.

5. I pass an award holding that the action of the Management of Khetri Copper Project of Hindustan Copper Limited, Khetri in dismissing Shri Banwarilal, Carpenter-B, Token No. 76, Kolhan Copper Mines, with effect from 27-10-1975, is legal and justified and he is not entitled to any relief whatsoever. Let this award be published in accordance with law.

Dated 31-3-1979

S. R. KOTHARI, Judge
[No. L-43012/1/76-D IV (B) III]
A. K. ROY, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1979

कांआ० 1549—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि संघ राज्य क्षेत्र के अन्दर प्रसूतियों और औपचारिकताओं की सेवाओं के, जिनके लिए केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2(क) (1) के अर्थात् संबंधित सरकार है, जिन्हें उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में प्रविष्टि 9 द्वारा शामिल किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (6) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार प्रसूतियों और औपचारिकताओं में उक्त सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छ. माम की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करने है।

[सं० एस० 11017/3/79/डी० 1 (ए)]
एल० के० नारायणन्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th April, 1979

S.O. 1549.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that services in the hospitals and dispensaries within the Union Territory of Delhi, for which the Central Government is the appropriate Government under Section 2(a) (i) of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act 14 of 1947), which are covered by entry 9 in the First Schedule to the said Act, should be declared to be public utility services for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act 14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said services in hospitals and dispensaries to be public utility services for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S. 11017/3/79/DI(A)]
L. K. NARAYANAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1979

कांआ० 1550—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सैमसे फास्ट प्रिंट सर्विस, बी-26, रोआणल इंडस्ट्रियल इस्टेट, नईगाव काम रोड, वाडला, मुम्बई-31, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों का बहुसंख्या हम बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1977 को प्रवृत्त हुई भूमिका जाग्रत।

[सं० एस० 35018/20/79-पी० एफ० II]

New Delhi, the 23rd April, 1979

S.O. 1550.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fast Print Service, B-26, Royal Industrial Estate Naigaum Cross Road, Wadala, Bombay-31, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1977.

[No. S. 35018/20/79-PF. II]

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1979

कांआ० 1551—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1977 से सैमसे मध्य प्रदेश स्टेट फोरस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, भोपाल (मध्य प्रदेश) जिसके अन्तर्गत (1) मध्य प्रदेश फोरस्ट्री टेक्निकल असिस्टेन्स प्रोजेक्ट, जगदलपुर, (2) कसला प्रोजेक्ट डिवाजन, इटर्मी रोड, होशंगाबाद, (3) बार्घाट प्रोजेक्ट डिवाजन, सेनी, (4) लामता प्रोजेक्ट डिवाजन, बालाघाट, (5) बर्नावापारा प्रोजेक्ट डिवाजन, जलविहार कॉलोनी, तेलीबन्धा, पोस्ट बॉक्स 69, रायपुर, (6) मोबगाव प्रोजेक्ट डिवाजन, मिथिल लान्स, मंडला, (7) कोटा पण्डरिया प्रोजेक्ट डिवाजन, मत्स्य निवास जराहा भाटा, गिन्धी कालानी, विलासपुर (8) रामपुर भटोरी प्रोजेक्ट डिवाजन, सदर इटर्मी रोड, बेतुल, (9) कुन्दम प्रोजेक्ट डिवाजन, 345, राइट टाउन, जबलपुर, (10) नानपुर प्रोजेक्ट डिवाजन, 298/1, मिथिल बाई, थाना के सामने, मंडला, (11) उमरिया प्रोजेक्ट डिवाजन, उमरिया, जिला शाहदोल, मध्य प्रदेश, (12) पनाबरास प्रोजेक्ट डिवाजन, बाल-देशबाग, मोती लालाब के निकट, राजनन्द गांव और (13) अंतागर प्रोजेक्ट डिवाजन, बलदेव बाग, मोती लालाब के निकट, राजनन्द गांव (मध्य प्रदेश) स्थित उमरिया शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के लिए त्रिनिविष्ट करती है।

[सं० एस० 35019/(27)/79-पी० एफ०-II (i)]

New Delhi, the 24th April, 1979

S.O. 1551.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the first day of July, 1977 the establishment known as Messrs. Madhya Pradesh State Forest Development Corporation Limited, Bhopal (Madhya Pradesh) including its branches at (1) Madhya Pradesh Forestry Technical Assistance Project, Jagdalpur (2) Kesla Project Division, Itarsi Road, Hoshangabad, (3) Barghat, Project Division, Seoni, (4) Lamta Project Division, Balaghat (5) Barnawapara Project Division, Jalvihar Colony, Telibandha, Post Box 69, Raipur, (6) Mobgaon Project Division, Civil Lines, Mandla, (7) Kota Pandaria Project Division, Satya Nijwas Jaraha Bhata Sindh Colony, Bilaspur (8) Rampur Bhatoti Project Division, Sadar Itarsi Road, Betul (9) Kundam Project Division, 645, Wright Town, Jabalpur, (10) Nainpur Project Division, 298/1, Civil Ward, Opposite Police Station, Mandla, (11) Umaria Project Division, Umaria, District Shahdol, Madhya Pradesh, (12) Panabaras Project Division, Baldeo Bag, Near Moti Talab, Rajnandgaon and (13) Antagarh Project Division, Baldeo Bag, Near Moti Talab, Rajnandgaon (Madhya Pradesh) for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019 (27) 79-PF. II(ii)]

का० जा० 1552.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मध्य प्रदेश स्टेट फोरस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, भोपाल (मध्य प्रदेश) जिसके अन्तर्गत (1) मध्य प्रदेश फोरस्ट्री टेक्निकल असिस्टेन्स प्रोजेक्ट, जगदलपुर, (2) केशला प्रोजेक्ट डिवीजन, इटर्स-रोड, होशंगाबाद, (3) बार्घाट प्रोजेक्ट डिवीजन, सिवनी, (4) लामटा प्रोजेक्ट डिवीजन, बावाघाट, (5) बर्नवापारा प्रोजेक्ट डिवीजन, जसविहार कालोनी, तेलीबन्ध, पोस्ट बाक्स 69, रायपुर, (6) मोबगांव प्रोजेक्ट डिवीजन, मिथिल लाहन्स, मंडला, (7) कोटा पंडरिया प्रोजेक्ट डिवीजन, सत्य निवास जराहा भाटा सिवनी कालोनी, बिलासपुर, (8) रामपुर भटोरी प्रोजेक्ट डिवीजन, सवर इटर्स रोड, बेतूल, (9) कुन्दम प्रोजेक्ट डिवीजन, 645, राइट टाउन, जबलपुर, (10) नैनपुर प्रोजेक्ट डिवीजन, 298/1, सिविल बार्ड, थामा के सामने, मंडला, (11) उमरिया प्रोजेक्ट डिवीजन, उमरिया जिला शाहडोल, मध्य प्रदेश, (12) पनाबारा प्रोजेक्ट डिवीजन, बलदेवबाग मोती तालाब के निकट, राजनन्द गांव और (13) अंटागढ़ प्रोजेक्ट, बलदेव बाग, मोती तालाब के निकट, राजनन्द गांव, (मध्य प्रदेश) स्थित उनकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(27)/79-पी०एफ०-II(i)]

S.O. 1552.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Madhya Pradesh State Forest Development Corporation Limited, Bhopal (Madhya Pradesh) including its branches at (1) Madhya Pradesh Forestry Technical Assistance Project, Jagdalpur, (2) Kesla Project Divisions, Itarsi Road, Hoshangabad, (3) Barghat Project Divisions, Seoni, (4) Lamta Project Division, Balaghat, (5) Barnawapara Project Division, Jalvihar Colony, Telibandha, Post Box 69, Raipur, (6) Mobgaon Project Division, Civil Lines, Mandla, (7) Kota Pandaria Project Division, Satya Niwas Jaraha Bhata Sindhi Colony, Bilaspur, (8) Rampur Bhatari Project Division, Sadar Itarsi Road, Betul, (9) Kundam Project Division, 645, Wright Town, Jabalpur, (10) Nainpur Project Division, 298/1, Civil Ward, Opposite Police Station, Mandla, (11) Umaria Project Division, Umaria District Shahdol, Madhya Pradesh, (12) Panabaras Project, Division, Baldeoabag, Near Moti Talab, Rajnandgaon and (13) Antagarh Project Division, Baldeo Bag, Near Moti Talab, Rajnandgaon (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35019(27)/79-PF. II (i)]

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० जा० 1553.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शक्ति एजेंसीज, मॉडिय एजेंड्स एण्ड बिलस के०के० रोड, कोट्टायम जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या

इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(53)/79-पी०एफ० II]

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 1553. Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sakthi Agencies, Selling Agents and Dealers, K. K. Road, Kottayam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S. 35019/53/79-PF. II]

का० जा० 1554.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पंजाब डिवाइसेज लिमिटेड, ए-27, फेज 7, औद्योगिक क्षेत्र, एस०एस० नगर, (मोहली), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19), उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(45)/79-पी०एफ० II]

S.O. 1554.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Punjab Display Devices Limited, A-27, Phase VII, Industrial Area, S.A.S. Nagar, (Mohali), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35019/45/79-PF. II]

का० जा० 1555.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जीप्पर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 259/145, ए०सी०एम०ई० इंडस्ट्रियल एस्टेट, सेवरी, बंदर रोड, मुम्बई-15 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(25)/79-पी०एफ० II]

S.O. 1555.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Zipper (India) Private Limited, 259/145, ACME Industrial Estate, Sewri Bunder Road, Bombay-15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35018/25/79-PF. II]

का० भा० 1556.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स जीपर पैकेजिंग, सिङ्ग इंडस्ट्रियल एस्टेट, राम मंदिर रोड, गोरे गांव (पश्चिम), मुम्बई-62 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(24)/79-पी०एफ० II]

S.O. 1556.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gihar Packaging, Singh Industrial Estate, Ram Mandir Road, Goregaon (West) Bombay-62, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1976.

[No. S. 35018/24/79-PF. II]

का० भा० 1557.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स यूनाइटेड कैरियर, 317, शाहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट मार्केट के फ्लैट, मुम्बई-38, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/37/79-पी०एफ० II]

S.O. 1557.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs United Carrier, 317, Shaheed Bhagat Singh Road, Near Fort Market, Bombay-400038 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1977.

[No. S-35018/37/79-PF. II]

का० भा० 1558.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स टिम्बर ट्रेडिंग कारपोरेशन, वाग्ले इंडस्ट्रियल एस्टेट प्लॉट नं० ए/278, रोड नं० 16-ए, ठाने-4, जिसके अन्तर्गत 106/107 कृष्णा नगर डा० अम्बेडकर रोड, पारेल मुम्बई-12 स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/31/79-पी०एफ० II]

S.O. 1558.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Timber Trading Corporation, Wagle Industrial Estate, Plot No. A/278, Road No. 16-A, Thane-4 including its branch at 106/107 Krishna Nagar, Dr. Ambedkar Road, Parel, Bombay-400012, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S-35018/31/79-PF. II]

का० भा० 1559.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स मनुभाई ए० सेठ एण्ड घदसे, जन्म भूमि चैम्बर्स, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, फोर्ट, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/36/79-पी०एफ० II]

S.O. 1559.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manubhai A. Sheth and Others, Janmabhoomi Chambers, Walchand Hirachand Marg, Fort, Bombay-400001 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1977.

[No. S-35018/36/79-P.F. II]

क्र० आ० 1560—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डी०एफ० बर्डि एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड अकाउंटन्ट्स, 403, ए०पी०जे० हाउस, 130, बोम्बे सामाचार मार्ग, फोर्ट, मुम्बई-23, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018/41/79-पी०एफ० II]

S.O. 1560.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs D. F. Birdy and Company, Chartered Accountants, 403, Apeejay House, 130, Bombay Samachar Marg, Fort, Bombay-400023 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1978.

[No. S-35018/41/79-PF. II]

क्र० आ० 1561—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सउदी अरबियन एयरलाइंस, एक्सप्रेस टावर्स, नरिमान प्वाइंट, मुम्बई-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018/42/79-पी०एफ० II]

S.O. 1561.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Saudi Arabian Airlines, Express Towers, Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S-35018/42/79-PF. II]

क्र० आ० 1562—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रूप संगम, 385, एन०सी० केलकर रोड, लक्ष्मी बिल्डिंग, 1st फ्लोर, दादर, मुम्बई-28, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018/49/79-पी०एफ० II]

S.O. 1562.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Roop Sangam, 385, N. C. Kelkar Road, Laxmi Building, 1st Floor, Dadar, Bombay-28, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. 35018/49/79-PF. II]

क्र० आ० 1563—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कामत एण्ड कम्पनी, एशियन बिल्डिंग, निकोल रोड, बलार्ड एस्टेट, मुम्बई-38, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018/38/79-पी०एफ० II]

S.O. 1563.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kamat and Company, Asian Building, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay-400038, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S-35018(38)/79-P.F. II]

का० आ० 1564.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जेमलाइट इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं० बी-24, आग्रे इंडस्ट्रियल एस्टेट, थाना-4 नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्य। इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/29/79-पी० एफ० II]

S.O. 1564.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Gemlite Industries, Plot No. B-24, Wagel Industrial Estate, Thana-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S-35018/29/79-PF. II]

का० आ० 1565.—मैसर्स ब्रिटिश इस्टीम्यूट ग्राफ इंजीनियरिंग टेकना-लाजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19), जिसे इसमें आगे उक्त अधिनियम कहा गया है, की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार की राय में अभिवाय की वरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम, उसके कर्मचारियों के लिए उन नियमों से कम अनुकूल नहीं हैं जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं। कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि की अन्य प्रसुविधाओं का भी उपयोग कर रहे हैं जो उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जो उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के सम्बन्ध में, उक्त अधिनियम के अधीन या कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उपबन्धित हैं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम के समाप्त होने से 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन विनिर्दिष्ट करे।

2. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक :-

(1) उक्त स्थापन के भविष्य निधि (जिसे इसमें आगे भविष्य निधि कहा गया है) में अभिवायों के विनिर्धान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3) के खण्ड (क) के अधीन

समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए विवेकों का पालन करेगा ;

(2) यह ध्यान रखने के लिए सम्यक सावधानी बरतेगा कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड, भविष्य निधि अभिवायों को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार विनिर्धान करे और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अभिवायों के ऐसे विनिर्धान के लिए जिम्मेदार होगा।

3. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

4. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण या पास बुक देगा।

5. निधि के प्रशासन पर, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, लेखाओं और विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, संघर्षों का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का सवाय, प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक करेगा।

6. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक प्रति वर्ष हर एक सबन्ध के खाते में ऐसी दर पर, जो न्यासी बोर्ड प्रवर्धित करें तथा जो उस दर से कम नहीं होगी जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार प्रवर्धित करे, ब्याज जमा करेगा।

7. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित रूप में भविष्य निधि नियमों की और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तो ऐसे संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद भी उक्त स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो उक्त अधिनियम या उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारी भविष्य निधि या छुट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले पहले ही से सबन्ध है, उक्त स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सबन्ध के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज कर लेगा और ऐसे कर्मचारी को बाबत उनके पिछले संघर्षों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा कर देगा।

9. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थापन आता है, भविष्य निधि के अभिवायों की दर उक्त अधिनियम के अधीन बढ़ा दी जाती है तो नियोजक भविष्य निधि के अभिवायों की दर समुचित रूप से बढ़ा देगा जिससे कि उक्त स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाए जिनकी व्यवस्था उक्त अधिनियम के अधीन की गई है।

10. उक्त स्थापन अपने भविष्य निधिका लेखापरीक्षित तुल्यपत्र हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र, को वर्ष समाप्त होने से तीन मास के भीतर, भेजेगा।

11. उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से उक्त स्थापन के कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र, उसे अनुमोदित करने से पूर्व, कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने से पूर्व युक्तियुक्त अवसर देगा।

[सं० एस० -35014/30/79-पी० एफ० II]

S.O. 1565.—Whereas, Messrs British Institute of Engineering Technology (India) Private Limited, Bombay (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

2. The employer in relation to the said establishment;

(i) Shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of contributions to the provident fund;

(ii) Shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of the establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of contributions to the provident fund by the said Board of Trustees.

3. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer in relation to the said establishment shall furnish to each employee an annual statement of account or a Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the provident fund, including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, shall be borne by the employer of the said establishment.

6. The employer in relation to the said establishment shall credit every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the said establishment, a copy of the rules of the provident fund as approved by the Central Government and, as and when amended, the amendments thereto, along with a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund under the said Act or the said Scheme or the provident fund of another exempted establishment, is employed in the said establishment, the employer

shall immediately enrol him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit the same to his account.

9. The employer shall enhance the rate of contribution to the provident fund appropriately if such rate for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the said Act so that the benefits under the provident fund scheme of the said establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The said establishment shall submit an audited balance sheet of the provident fund every year to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, within three months of the close of the year.

11. No amendment of the rules of the provident fund of the said establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees of the said establishment, the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees of the said establishment to explain their point of view.

[No. S-35014/30/79-PF. II]

का० आ० 1566.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्लू एंजेल, लक्ष्मी बिल्डिंग, 385 एस० सी० केल्कर रोड, दादर, मुम्बई 28 नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/48/79-पी० एफ० II]

S.O. 1566. Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Blue Angel, Laxmi Building, 385, N. C. Kelkar Road, Dadar, Bombay-400028 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S-35018(48)/79-PF. II]

का० आ० 1567.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स थोमस कामस्यूटिकल्स, 23 हम्साम स्ट्रीट, मुम्बई-23, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/44/79-पी० एफ० II]

S.O. 1567.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Thomas Pharmaceuticals, 23, Hamam Street, Bombay-40023, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S-35018(44)/79-PF. II]

का० भा० 1568.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ईरान नेशनल एयरलाइन्स कारपोरेशन, सुन्दर महल, मरिन ड्राइव, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई ममसी जाएगी।

[सं० एस० 35018/34/79-पी० एफ० II(i)]

S.O. 1568.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Iran National Airlines Corporation, Sunder Mahal, Marine Drive, Bombay-400020 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S-35018(34)/79-PF. II(i)]

का० भा० 1569.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ट्रोइका टेक्नीकल सर्विसेज, 607, एम्बेसी सेंटर, नरिमान प्वाइंट मुम्बई-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई ममसी जाएगी।

[सं० एस० 35018(43)/79-पी० एफ० II(i)]

S.O. 1569.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Troika Technical Services, 607, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees'

Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S-35018(43)/79-PF. II(i)]

का० भा० 1570.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सती डिस्ट्रीब्यूटर्स, मीना बाजार, 5वां फ्लोर, कोलाबा कौजवे, मुम्बई-39 जिसके अन्तर्गत 33/18 राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलोर-6 स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई ममसी जाएगी।

[सं० एस० 35018(39)/79-पी० एफ० II(i)]

S.O. 1570.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sati Distributors, Meena Bazar, 5th Floor, Colaba Causeway, Bombay-39, including its branch at 33/18, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1977.

[No. S-35018(39)/79-PF. II(i)]

का० भा० 1571.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में धाव-यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी 1977 से मैसर्स सती डिस्ट्रीब्यूटर्स, मीना बाजार, 5 वां फ्लोर कोलाबा कौजवे, मुम्बई-39, जिसके अन्तर्गत 33/18, राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलोर-6 स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं० एस० 35018(39)/79-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 1571.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1977 the establishment known as Messrs. Sati Distributors, Meena Bazar, 5th Floor, Colaba Causeway, Bombay-39, including its branch at 33/18, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(39)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 1572.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि धीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 नवम्बर, 1976 से मैसर्स ट्रोइका टेक्निकल सर्विसेज 607, एम्बेसी सेंटर, नरीमन प्वाइंट, मुम्बई 21, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35018(43)/79-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 1572.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1976 the establishment known as Messrs Troika Technical Services, 607, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-21, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(43)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 1573.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि धीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1975 से मैसर्स ईरान नेशनल एयरलाइन्स, कारपोरेशन, सुन्दर महल, मेरिन ड्राइव, मुम्बई-20, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35018(34)/79-पी० एफ० II(ii)]

हंसराज छाबड़ा, उप-सचिव

S.O. 1573.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1975 the establishment known as Messrs Iran National Airlines Corporation, Sunder Mahal, Marine Drive, Bombay-20, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018/34/79-PF. II(ii)]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.